THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 54 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.10 2083 सोमवार, 25 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

एक्ट्रेस द्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

भाई ने भोपाल में मुखाग्नि दी, दिल्ली एम्स की टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया

भोपाल, 24 मई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस द्विशा का मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित ने द्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान द्विशा की मां और परिवार भावुक होकर रो पड़ा।

इससे पहले रविवार को ही दिल्ली एम्स की टीम ने द्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। पोस्टमॉर्टम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी।

बंगाल के फालता में भाजपा के देबांग्शु जीते

सीपीएम कैंडिडेट को 1.09 लाख वोटों से हराया, चुनाव से हटे टीएमसी के जहांगीर को 7783 वोट मिले

फालता सीट पर भाजपा की विजय

उम्मीदवार	पार्टी	वोट
देबांग्शु पांडा	भाजपा	149666
शंभूनाथ कुर्मी	सीपीआई (एम)	40645
अब्दुर रज्जाक मोल्ला	कांग्रेस	10084
जहांगीर खान	टीएमसी	7783

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु ने 1 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 1.49 लाख से ज्यादा वोट मिले।

सीपीएम के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले टीएमसी के जहांगीर चौथे नंबर पर हैं। यहां 285 बूथों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराया गया था। रीपोलिंग में वोटिंग करीब 2 प्रतिशत बढ़ गई। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.13 प्रतिशत मतदान हुआ। इससे पहले, 29 अप्रैल को इसी सीट पर 86.71 प्रतिशत मतदान हुआ था।

फालता में मुकाबला टीएमसी और भाजपा के बीच था। आधिकारिक तौर पर इस सीट के लिए छह उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने दोबारा मतदान से कुछ दिन पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, उनकी ओर से ये बात लिखित में दिए जाने की सूचना नहीं है। रीपोलिंग के दौरान ईवीएम में उनका नाम और सिंबल मौजूद था।

फालता में दोबारा वोटिंग क्यों हुई, क्या आरोप लगे थे :

29 अप्रैल को मतदान के बाद फालता क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया था। उस दिन कई बूथों से शिकायतें मिली थीं कि ईवीएम पर भाजपा के सिंबल पर टेप चिपकाया गया। तत्कालीन ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने खुद निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और जांच-पड़ताल की। कम से कम 60 बूथों में छेड़छाड़ के सबूत मिले। ईवीएम में कथित हेरफेर के अलावा, जांच में यह भी सामने आया कि कई मतदान केंद्रों पर लगे वेब कैमरों में फुटेज के साथ भी छेड़छाड़ करने की कोशिशें की गई थीं।

फालता में पहली बार भाजपा जीती, तीन बार से टीएमसी का कब्जा था

फालता विधानसभा सीट पर भाजपा ने पहली बार जीत हासिल की है। पहले यह सीपीआई(एम) का गढ़ मानी जाती थी, लेकिन अब यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत क्षेत्र बन चुकी है। टीएमसी ने पहली बार 2001 में यह सीट जीती थी। 2006 में सीपीआई(एम) ने वापसी की, लेकिन 2011 के बाद से टीएमसी लगातार यहां जीत दर्ज कर रही है।

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला, 24 मौतें

82 लोग घायल, जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के केटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई।

ट्रेन केटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को

घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

>12

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग, ट्रम्प अंदर मौजूद थे

सुरक्षाबलों ने संदिग्ध को गोली मारी, मौत, ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी

वॉशिंगटन डीसी, 24 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3:30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाईं, जहां यूएस सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था।

इस गोलीबारी में एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था। वह ईरानी सेना से जुड़ा हुआ था। आरोपी के पास इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर के फ्लोरिडा स्थित घर का ब्लूप्रिंट यानी नक्शा भी मिला था।

'अराजकता की साजिश रच रहे राहुल गांधी' : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी शक्तियों के इशारे पर देश में अराजकता पैदा करके नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने की साजिश रच रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने दावा किया कि राहुल गांधी की योजना का पर्दाफाश हो चुका है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट साझा की। गोयल ने लिखा कि राहुल गांधी का यह बयान एक बड़ी साजिश की तरफ इशारा करता है। इसमें कांग्रेस, कई विपक्षी दल और एक टूलकिट गैंग शामिल है, जो भारत को अस्थिर करने का सपना देख रहे हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता पीयूष गोयल ने एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि यह कोई साधारण बयान नहीं है। बल्कि, यह देश में अराजकता फैलाने के उद्देश्य से रची गई एक गंभीर साजिश है। गोयल ने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी देश भर में हिंसा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह समझ आ गया है कि वे सीधे चुनावी मुकाबले में भाजपा को नहीं हरा सकते और न ही मोदी सरकार को हटा सकते हैं, क्योंकि देश की जनता प्रधानमंत्री का बेहद सम्मान करती है। गोयल ने निशाना साधते हुए कहा कि भारत के प्रति उनकी नफरत इतनी गहरी है कि वे देश में कुछ भी सकारात्मक होते हुए नहीं देख सकते।

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ में 8 लोगों की नदी में डूबने से मौत

इनमें 7 महिलाएं, 2 लापता

बेंगलूरू, 24 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में टट्टे हक्कालु नदी में एक ही परिवार के 8 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में 7 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, तेज बहाव में बहने के बाद लोगों को बचाने की कोशिश में मृतकों की संख्या और बढ़ गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, भटकल तालुक के शिराली गांव के करीब 14 लोग नदी में ताजे पानी के मसल्स (सीप) निकालने गए थे। यह नदी किनारे और तटीय इलाकों में स्थानीय समुदायों द्वारा की जाने वाली मौसमी परंपरा मानी जाती है।

मसल्स निकालने के दौरान लोग नदी में ज्यादा गहराई तक चले गए और पानी के स्तर का सही अंदाजा नहीं लगा सके। इसी बीच नदी का बहाव अचानक तेज हो गया, जिससे एक-दो लोग पानी में बहने लगे। सूत्रों के मुताबिक, पानी में संघर्ष कर रहे लोगों को बचाने के लिए अन्य लोग भी नदी में कूद गए। इससे कई और लोग तेज धारा की चपेट में आ गए। अब तक 8 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 2 लोग अब भी लापता हैं। पुलिस, रेस्क्यू टीम और स्थानीय ग्रामीण नदी में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

भारत ने अफ्रीका भेजी मेडिकल सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में फैल रहे इबोला वायरस को बेहद गंभीर खतरा बताया है।

इसके तहत भारत ने अफ्रीका को इबोला से निपटने के लिए तत्काल चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप भेज दी है। जयशंकर ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि रविवार को अफ्रीका को तत्काल मेडिकल सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप भेजी गई। इबोला से जुड़ी उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने में अफ्रीका का सहयोग करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

मार्को रूबियो ने की जयशंकर से मुलाकात

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रूबियो और विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर के बीच रविवार को हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। एस. जयशंकर और मार्को रूबियो के बीच हैदराबाद हाउस में संयुक्त प्रेस वार्ता में भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की।

संयुक्त प्रेस वार्ता में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, जाहिर है, हमारे संबंध हैं और हम दुनिया भर के देशों के साथ काम करते हैं। हमें ऐसा करने की आवश्यकता भी है, ठीक वैसे ही जैसे भारत करता है। एक रणनीतिक साझेदारी बहुत अलग होती है। यह उससे कहीं अधिक व्यापक है। एक रणनीतिक साझेदारी तब होती है जब दो देशों के हित एक समान होते हैं और आप उन समस्याओं को हल करने के लिए रणनीतिक रूप से मिलकर काम करते हैं।

रूसी सेना में 217 भारतीय हुए थे शामिल, 49 की मौत

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध में 217 भारतीयों ने रूसी सेना में भर्ती होकर अपनी जान गंवाई। जिनमें से 49 की मौत हो गई, जबकि छह लापता हैं। इसकी जानकारी केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दी है। धनंजय महापात्रा की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने कहा कि भारतीय दूतावास सैन्य सेवा से रिहा किए गए 139 लोगों को वापस लाने की कोशिश कर रही है।

विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि रूस ने छह भारतीयों के लापता होने की पुष्टि की है, जबकि 23 अन्य लोगों की स्थिति अज्ञात बनी हुई है।

जब रूसी सेना में सेवारत कुछ भारतीयों के परिजनों ने शिकायत की कि भारतीय सरकार प्रत्यावर्तन में मदद नहीं कर रही है, तो भाटी ने कहा कि भारतीय दूतावास शेष मामलों में हुई मौतों के सत्यापन और पुष्टि के लिए रूस के साथ निरंतर संपर्क में है और उनकी भारत वापसी में सक्रिय रूप से सहायता कर रहा है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय रूसी सेना में क्यों शामिल हो रहे हैं, इसका कारण यह है कि रूस आकर्षक पैकेज, सामाजिक सुरक्षा, मुआवजा, नागरिकता के प्रस्ताव और जेल की सजा में छूट देकर विदेशियों को अपनी सेना में शामिल होने के लिए लुभा रहा है।

भाटी ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ भारतीय नागरिकों ने आकर्षक वेतन पैकेज के लालच में आकर रूसी सेना में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसमें लगभग 5,000 अमेरिकी डॉलर का अग्रिम साइनिंग बोनस और 2,500 अमेरिकी डॉलर का मासिक वेतन शामिल है।

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह बोले- रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी

स्वदेशी तकनीक से मजबूत होगा भारत

बेंगलूरू, 24 मई (एजेंसियां)। बेंगलूरू में आयोजित 48वें फ्लाइट टेस्ट कोर्स ग्रेजुएशन समारोह में भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को देश की रणनीतिक आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि मजबूत और टिकाऊ स्वदेशी रक्षा क्षमताएं विकसित करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

बेंगलूरू में आयोजित इस समारोह में एयर फोर्स टेस्ट पायलट्स स्कूल (एएफटीपीएस) के 11 टेस्ट पायलट और छह फ्लाइट टेस्ट इंजीनियरों ने 48 सप्ताह का कठिन और बहु-विषयक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके बाद सभी अधिकारियों को ग्रेजुएशन प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बैच में कुल 17 अधिकारी शामिल थे। इनमें भारतीय वायुसेना के 14 अधिकारी, भारतीय सेना का एक अधिकारी और भारतीय नौसेना के दो अधिकारी शामिल रहे। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद ये अधिकारी एयरक्राफ्ट एंड सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट के एविएशन विंग में अपनी सेवाएं देंगे, जो भारतीय वायुसेना की प्रमुख इकाइयों में से एक मानी जाती है।

स्वदेशी रक्षा तकनीक को बढ़ावा देने की अपील :

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने टेस्ट क्रू की जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें देश में स्वदेशीकरण अभियान को आगे बढ़ाने और एयरोस्पेस इकोसिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने रक्षा उपकरणों की डिजाइन से लेकर डिलीवरी तक की प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि गुणवत्ता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

> आत्मनिर्भर भारत सिर्फ अभियान नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा की रणनीतिक जरूरत है। स्वदेशीकरण, मजबूत एयरोस्पेस इकोसिस्टम और गुणवत्ता-सुरक्षा के उच्चतम मानकों पर तेज काम जरूरी है।
>
> *एयर मार्शल एपी सिंह, वायुसेना प्रमुख*

अधिकारियों को दिए ईमानदारी और उत्कृष्टता के मंत्र :

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि रक्षा प्रणालियों और विमानों को सेवाओं की परिचालन जरूरतों के अनुरूप बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए पेशेवर दक्षता, ईमानदारी, सटीकता और उत्कृष्टता जैसे मूल्यों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने पास आउट अधिकारियों से कहा कि वे भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण में अहम योगदान देंगे। इसलिए उन्हें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना होगा।

मेधावी अधिकारियों को मिले प्रतिष्ठित पुरस्कार :

> समारोह में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को ट्रॉफियां और सम्मान प्रदान किए।

>12

संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुने गए 12 सांसद

चार समितियों पर भी लगी मुहर, सूची में कौन-कौन शामिल

नाम	राज्य
जगदंबिका पाल	उत्तर प्रदेश
प्रवीन पटेल	उत्तर प्रदेश
पी पी चौधरी	राजस्थान
लुंबाराम चौधरी	राजस्थान
निशिकांत दुबे	झारखंड
विद्युत वरण महतो	झारखंड
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे	महाराष्ट्र
डॉ. हेमंत विष्णु सावरा	महाराष्ट्र
स्मिता उदय वाघ	महाराष्ट्र
नरेश गणपत म्हस्के	महाराष्ट्र
डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी	महाराष्ट्र
नरहरि अमीन	गुजरात

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे प्रतिष्ठित विधायी सम्मानों में से एक संसद रत्न पुरस्कार के लिए इस वर्ष के विजेताओं का चयन कर लिया गया है। एक निजी संस्था 'प्राइम पॉइंट फाउंडेशन' ने आधिकारिक बयान जारी कर इस साल पुरस्कार के लिए 12 सांसदों और 4 ससदीय समितियों को चुनने की घोषणा की है। यह चयन सांसदों की ओर से सदन में किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन, जनता के मुद्दों को उठाने और विधायी कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी के आधार पर किया गया है। चुने गए इन सभी विजेताओं को आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

दिग्गज नेताओं और कर्मठ सांसदों का हुआ चयन

फाउंडेशन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, व्यक्तिगत श्रेणी में कई अनुभवी और ऊर्जावान राजनेताओं को इस पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद जगदंबिका पाल, राजस्थान से पीपी चौधरी, झारखंड से निशिकांत दुबे और महाराष्ट्र से शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके अलावा, इस साल बजट सत्र की समाप्ति तक संसद के भीतर शानदार रिकॉर्ड दर्ज कराने वाले कई अन्य सांसदों को भी विभिन्न श्रेणियों में इस सम्मान के लिए चुना गया है। इनमें उत्तर प्रदेश से प्रवीन पटेल, झारखंड से विद्युत वरण महतो, राजस्थान से लुंबाराम चौधरी और महाराष्ट्र से हेमंत विष्णु सावरा का नाम शामिल है। वहीं, महाराष्ट्र से स्मिता उदय वाघ, नरेश गणपत म्हस्के, मेधा विश्राम कुलकर्णी और गुजरात से नरहरि अमीन को भी उनके बेहतरीन विधायी कामकाज के आधार पर इस सूची में जगह मिली है।

इन चार संसदीय समितियों के नाम पर भी मुहर :

सांसदों के साथ-साथ संसद की चार सबसे प्रभावी और सक्रिय समितियों को भी इस साल के पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

इन कमेटियों ने विभिन्न नीतिगत मामलों और जनहित के विषयों पर बेहतरीन समीक्षा और रिपोर्ट पेश की हैं। पुरस्कार के लिए चुनी गई कमेटियों में चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि समिति, भतृहरि महताब की अगुवाई वाली वित्त समिति, सप्तगिरी शंकर उलाका की अध्यक्षता वाली ग्रामीण विकास और पंचायती राज समिति तथा अनुराग ठाकुर के नेतृत्व वाली कोयला और खान समिति शामिल है।

अनुभव और विशिष्ट पृष्ठभूमि का संगम

इस साल चुने गए चेहरों में देश के कई बड़े और अनुभवी राजनेता शामिल हैं, जिन्होंने लंबे समय तक शासन व्यवस्था को करीब से देखा है। इस गौरवशाली सूची में शामिल जगदंबिका पाल और चरणजीत सिंह चन्नी पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वहीं, गुजरात से आने वाले नरहरि अमीन पूर्व उपमुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

नीट पेपर लीक पर राहुल गांधी का हमला

बोले- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक नहीं रुकेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस तब तक शांत नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जाता।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हैदराबाद में छात्रों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया। प्रदर्शनकारी छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा कि जब लाखों युवा सड़कों पर हों, 22 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हो और प्रधानमंत्री चुप रहें, तो यह साफ दिखाता है कि सरकार जवाब देने के बजाय बचने में लगी है।

उन्होंने कहा, जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत और फुलप्रूफ व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस लगातार नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है।

आईटी और डिजिटल सेवाओं के हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है राज्य सरकार: अध्यक्ष माधव

विशाखापत्तनम, 24 मई (एजेंसियां)। राज्य बीजेपी अध्यक्ष पीवीएन माधव ने कहा कि राज्य सरकार विशाखापत्तनम को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और डिजिटल सेवाओं के हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है। शहर में कई कंपनियाँ निवेश और विस्तार की योजनाएँ बना रही हैं। एक बयान में, माधव ने कहा कि डलास टेक्नोलॉजी ने विशाखापत्तनम में अपना काम शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट के लिए ज़रूरी ज़मीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उनके मुताबिक, कंपनी शहर में एक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सपोर्ट सेंटर बनाने की योजना बना रही है।

उम्मीद है कि शुरुआती चरण में इससे करीब 2,000 लोगों को रोज़गार के मौके मिलेंगे। माधव ने बताया कि मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में राज्य सरकार आईटी, फिनटेक और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर खास तौर पर ध्यान दे रही है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा

15 अगस्त से पूरे आंध्र प्रदेश में शुरू होगा 'संजीवनी' प्रोजेक्ट

तिरुपति, 24 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की कि सरकार ने 15 अगस्त से पूरे राज्य में 'संजीवनी' प्रोजेक्ट शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत, लोगों के घरों पर ही 42 तरह के मेडिकल टेस्ट किए जाएंगे और उनकी रिपोर्ट भी सीधे उन्हें ही पहुंचाई जाएगी। सरकार 'संजीवनी' प्लेटफॉर्म के ज़रिए जन स्वास्थ्य से जुड़े हर पहलू पर नज़र रखेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चित्तूर ज़िले में करीब 19.75 लाख लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कदम उठाए हैं।

नायडू ने चित्तूर ज़िले की पुथलपट्टू विधानसभा क्षेत्र के यदामारी मंडल के कांद्रिगा गांव में आयोजित 'संजीवनी' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। 'प्रजावेदिका' को संबोधित करते हुए, सीएम ने रामायण का ज़िक्र किया और याद दिलाया कि कैसे भगवान हनुमान ने राम और रावण के बीच हुए युद्ध के दौरान लक्ष्मण की जान बचाने के लिए जीवन-रक्षक

जड़ी-बूटी 'संजीवनी' लाकर दी थी। इसी विचार से प्रेरित होकर, सरकार ने इस पहल का नाम 'संजीवनी' रखा है, जिसका मकसद डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और आधुनिक मेडिकल मॉनिटरिंग सिस्टम के ज़रिए लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि समाज की तरक्की के लिए लोगों का स्वस्थ रहना बेहद ज़रूरी है; इसीलिए सरकार ने 'संजीवनी' प्रोजेक्ट को 'प्रेडिक्टिव' (रोग का पहले से अनुमान लगाने वाले), 'प्रिवेंटिव' (रोग से बचाव करने वाले) और 'क्यूरेटिव' (रोग का इलाज करने वाले) हेल्थकेयर मॉडल्स पर आधारित करके शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने समझाया कि असली विकास तो इसी में है कि बीमारियों के होने से पहले ही उनकी पहचान कर ली जाए और उसी के अनुसार समय पर उनका इलाज किया जाए। उन्होंने बताया कि 'संजीवनी' प्रोजेक्ट को सबसे पहले जुलाई में 'पायलट प्रोजेक्ट' के तौर पर कुप्पम में शुरू किया गया था, और बाद में 15 मार्च से इसे पूरे चित्तूर ज़िले में विस्तार दिया गया।

नायडू ने कहा कि संजीवनी कार्ड के ज़रिए डॉक्टर से अपॉइंटमेंट, वर्चुअल कंसल्टेशन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड मैनेजमेंट की सुविधाएँ पहले से ही लागू की जा रही हैं। सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ किया जा रहा है और व्यवस्थित तरीके से उनकी निगरानी की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार निकट भविष्य में चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिए संचालित डॉक्टरों को लाने की दिशा में कदम उठा रही है।

टीडीपी नेता महानडू को सफल बनाएं: गृह मंत्री अनीता

अनकापल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। हमने देश पार्टी का आयोजन करके महानडू को और अधिक सफल बनाया है, आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलपुडी अनीता ने यह बात कही। टीडीपी नेताओं को सलाह दी गई कि वे क्लस्टर स्तर पर आयोजित महानडू को सफल बनाएं। आज (रविवार) गृह मंत्री अनीता ने आयोजन स्थल का दौरा किया। महानडू कल्याण का आयोजन 27 और 28 मई को पायकरोपेट आयोजन क्षेत्र में हाइब्रिड मोड में किया जाएगा। उन्होंने मंडपों और विभिन्न स्थलों का जायज़ा लिया। इसके अलावा, पायकरोपेट, नक्कापल्ली, सरायवर्मन और कोतवुरतला मंडलों में भी महानडू के लिए कई व्यवस्थाएं की गई हैं, जिनका उन्होंने निरीक्षण किया।पायकरोपेट निर्वाचन क्षेत्र में लाभार्थियों को सीएम राहत कोष के चेक सौंपे गए।

रायवरम मंडल के पेदगुम्मुलुरु में रहने वाली रुद्र लक्ष्मी और साई शंकर के घर जाकर उन्हें सीएम राहत कोष के चेक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर गृह मंत्री अनीता ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महानडू केवल एक पार्टी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसे शक्ति, त्याग, अनुशासन और संगठनात्मक भावना के प्रतिबिंब के रूप में वर्णित किया गया है। तेलुगु लोगों की प्रगति के लिए गठित इस पार्टी को 'तेलुगु देशम पार्टी' के नाम से भी जाना जाता है। गृह मंत्री अनीता ने कहा कि कोविड काल के दौरान महानडू का आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया गया था।

'डॉलर क्रॉप' को लेकर प्रदर्शन

कड़ी मेहनत के बावजूद चावल का दाम गिरने से किसान परेशान

गोदावरी, 24 मई (एजेंसियां)। पश्चिम गोदावरी जिले के जलीय किसान चावल की कीमतों में अचानक आई गिरावट से बेहद परेशान हैं। उन्होंने कीमतों में 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कटौती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और अपनी चिंता व्यक्त की। चावल की खेती, जिसे कभी 'डॉलर क्रॉप' के नाम से जाना जाता था, आज बढ़ते निवेश और घटते समर्थन मूल्य के कारण किसानों को घाटे की खाई में धकेल रही है। दलाल, निर्यातक और सिंडिकेट मिलकर जलीय किसानों का शोषण कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पश्चिम गोदावरी जिले के पालकोल्लू क्षेत्र में किसानों ने कीमतों में कटौती के खिलाफ सड़कों पर पानी बहाकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। पालकोल्लू के फूलपल्ली केंद्र के पास मुख्य सड़क पर किसानों ने भारी मात्रा में पानी बहाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। जलीय किसान संघों ने इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। निर्यात कंपनियाँ एकतरफा ढंग से चावल की कीमतें 30 रुपये से घटाकर 50 रुपये प्रति किलोग्राम तक कर रही हैं, जबकि फ़ीड (चारा) कंपनियाँ भी अपनी कीमतें मनमाने ढंग से कम कर रही हैं। इस तरह, करोड़ों रुपये का हेरफेर करके किसानों को लूटा जा रहा है।

यह विवाद अभी जारी रहेगा; निर्यातकों ने घोषणा की है कि वे इस महीने के अंत तक वर्तमान में निर्धारित दरों पर ही चावल की खरीद जारी रखेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे 100 काउंट (आकार) वाले चावल 230 रुपये, 40 काउंट वाले 330 रुपये और 30 काउंट वाले 430 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदेंगे। इसी पृष्ठभूमि में, जलीय कृषि संकट को हल करने के लिए राज्य स्तरीय जलीय किसान संघों के नेता इस महीने की 29 तारीख को अमलापुरम में किसानों की एक विशाल बैठक का आयोजन कर रहे हैं। किसानों ने याद दिलाया कि अतीत में उन्होंने फ़ीड की कीमतें कम करवाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था और उसमें सफलता भी पाई थी; अब वे वर्तमान संकट पर सरकार से तत्काल प्रतिक्रिया की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि चावल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए एक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित किया जाए।

साथ ही, उन्होंने निर्यातकों और दलाल सिंडिकेटों द्वारा किए जा रहे शोषण पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नियम लागू करने की मांग की है। उन्होंने विपणन व्यवस्था की निगरानी के लिए एक विशेष तंत्र स्थापित करने की भी मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इन परिस्थितियों पर तत्काल ध्यान नहीं दिया, तो न केवल उनका निवेश (लागत) भी वापस नहीं मिल पाएगा, बल्कि खेती करना भी असंभव हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो आने वाले दिनों में वे 'फसल अवकाश' घोषित करने पर मजबूर हो जाएँगे। किसानों की इस घोषणा से लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस खेती पर निर्भर हैं। इस बात की चिंता है कि श्रमिकों का रोज़गार खतरे में पड़ जाएगा।

कीटनाशक पीकर महिला ने की आत्महत्या

गुंटूर, 24 मई (एजेंसियां)। तेनाली में एक महिला द्वारा आत्महत्या के प्रयास की घटना ने हलचल मचा दी है। पुलिस की प्रताड़ना सहन न कर पाने के कारण लोग कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास कर रहे हैं। एक सेल्फ़ी वीडियो जारी किया गया है। गुंटूर सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मृत्यु हो गई। इस वीडियो में पुलिस पर कई आरोप लगाए गए हैं। इस मामले के संबंध में, पुलिस ने तेनाली वन टाउन पुलिस स्टेशन पर छापा मारा। वीडियो में आरोप लगाए गए हैं। महिला ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि उसने कोई अपराध नहीं किया था, फिर भी उसे मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी।

कुछ समय पहले, मैं अपने पति के साथ कोठापेट के एक अपार्टमेंट में चौकीदार के रूप में काम करती थी। उसी अपार्टमेंट की एक महिला, तिरुपतम्मा ने, सोना देने के मामले में पुलिस से शिकायत की थी। हालाँकि, वे आरोप झूठे थे और पीड़िता ने पुलिस पर उस पर अनावश्यक दबाव डालने का आरोप लगाया। इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा हो रही है। सेल्फ़ी वीडियो जारी होने के बाद, पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

वे हमारी सरकार के खिलाफ अफवाह फैला रहे हैं

मंत्री नारायणा ने जगन और उनके साथियों पर निशाना साधा

नेल्लोर, 24 मई (एजेंसियां)। वाईसीपी नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ एपी के मंत्री नारायणा ने कड़ा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जगन और उनके साथी हमारी सरकार के खिलाफ झूठा प्रचार फैला रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि वाईसीपी शासन के दौरान कल्याण और विकास कार्यक्रमों के लिए फंड का उपयोग क्यों नहीं किया गया? यहाँ तक कि स्वच्छ भारत फंड का भी उपयोग नहीं किया गया। शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने डीएमसी परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित कीं और नियुक्तियां पूरी ईमानदारी से कीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये नियुक्तियां कर दी गई हैं। जगन और उनके साथियों द्वारा हमारी सरकार की आलोचना करना गलत है।

आज (रविवार) नेल्लोर जिले के प्रभारी मंत्री नारायणा ने पर्यटन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने नेल्लोर शहर के परमेश्वरनगर में वक्फ बोर्ड की ज़मीन पर बन रहे एक कॉर्पोरेट स्कूल के निर्माण स्थल का दौरा किया। इस कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़, नेल्लोर की मेयर सुजाता और उप-मेयर रूप कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री नारायणा ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड की ज़मीन पर कॉर्पोरेट स्कूल बनाए जाएंगे। इससे गरीब मुस्लिम बच्चों का बहुत कल्याण होगा, उन्हें स्विमिंग पूल सहित सभी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि शहर के कई नगर निगम स्कूलों का विकास दानदाताओं के सहयोग से कॉर्पोरेट स्तर पर किया जा रहा है। मंत्री नारायणा ने बताया कि एपी की 123 नगर पालिकाओं में 14 लाख करोड़ रुपये के जल निकासी (ड्रेनेज) कार्य किए जा रहे हैं।

केंद्रीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें एमपी ने अधिकारियों से कहा

अमरावती, 24 मई (एजेंसियां)। मछलीपट्टनम के एमपी वल्लभनेनी बालाशौरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्रीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और जिले के समग्र विकास के लिए मिलकर काम करें। कलेक्ट्रेट में कलेक्टर डीके बालाजी और विधायकों - मंडली बुद्ध प्रसाद, वेनिगंडला रामू और कागीथा कृष्ण प्रसाद - के साथ 'दिशा' (दिशा) समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, एमपी ने रोजगार गारंटी, जल, आवास, कृषि, फसल ऋण, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सड़कों से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बालाशौरी ने कहा कि भेड़-बकरी और पशुपालन, मुर्गीपालन, नाव निर्माण और बंदरगाह-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पीएमईजीपी योजना के तहत लगभग 500 करोड़ रुपये के ऋण दिए जाने चाहिए।

अरावा श्रीधर ने विधानसभा व्हिप पद से इस्तीफा दिया

अमरावती, 24 मई (एजेंसियां)। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, जन सेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री (पंचायत राज और ग्रामीण विकास) पवन कल्याण ने रेलवे कोडूर के विधायक अरावा श्रीधर और पोलावरम के विधायक चिर्री बालाराजू के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। ये बैठकें दोनों नेताओं से जुड़े विवादों के बीच हुईं। श्रीधर ने निजी कारणों का हवाला देते हुए विधानसभा व्हिप के पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया।

विधायक पर रेलवे कोडूर में कार्यरत एक महिला सरकारी कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा था। यौन उत्पीड़न के इस मामले में उनके खिलाफ एक केस भी दर्ज किया गया था।श्रीधर पर लगे आरोपों को गंभीरता से लेते हुए, जेएसपी नेतृत्व ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। श्रीधर इस समिति के सामने पेश हुए थे और उन्होंने इस विवाद में अपनी किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार

किया था। बैठक के दौरान, बताया जाता है कि श्रीधर ने पवन कल्याण के सामने अपना पक्ष रखा। सूत्रों के अनुसार, जेएसपी नेतृत्व ने श्रीधर की सफाई और व्हिप पद से उनके इस्तीफे, दोनों बातों का संज्ञान लिया। एक अन्य महत्वपूर्ण बैठक में, बालाराजू ने अपने पोलावरम विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों के मुद्दों पर उपमुख्यमंत्री के साथ चर्चा की। पवन कल्याण ने पोलावरम विधानसभा क्षेत्र में चल रहे पंचायत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, जिनके लिए 147 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। बताया जाता है कि उपमुख्यमंत्री ने पंचायत कार्यों की धीमी गति पर अपनी असंतोष व्यक्त किया, और विधायक को निर्देश दिया कि वे अधिकारियों के साथ मिलकर काम करें ताकि कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पवन कल्याण ने विधायक बालाराजू से उन पर लगे आरोपों के संबंध में स्पष्टीकरण भी मांगा।

बताया जाता है कि बालाराजू ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ चल रहे मुद्दों को सुलझाने के लिए कुछ समय मांगा। पवन कल्याण ने उन्हें स्थिति को ठीक करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। सूत्रों ने आगे बताया कि बालाराजू ने जेएसपी नेतृत्व को आश्वासन दिया कि वे इन मुद्दों को सुलझा लेंगे और अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति को तेज करेंगे।

विशाखापत्तनम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक खास कार्गो टर्मिनल की मांग

विशाखापत्तनम, 24 मई (एजेंसियां)। जैसे-जैसे एयरलाइंस मौजूदा विशाखापत्तनम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से विजयनगरम जिले के भोगपुरम में बनने वाले एएसआर ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने ऑपरेशन शिफ्ट करने की घोषणा कर रही हैं, आंध्र प्रदेश एयर ट्रैवलर्स एसोसिएशन (अपाटा) ने एक खास कार्गो टर्मिनल बनाने और विशाखापत्तनम से कुछ ज़रूरी अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने की मांग की है। एसोसिएशन के के कुमार राजा, डीएस वर्मा और ओ नरेश कुमार ने बताया कि इस इलाके की 150 से ज़्यादा दवा कंपनियाँ विजाग में कार्गो संभालने के लिए खास इंफ्रास्ट्रक्चर न होने की वजह से सड़क के रास्ते चेन्नई और हैदराबाद हवाई अड्डों तक अपना कार्गो पहुँचाती हैं।

अपाटा का मानना है कि नए हवाई अड्डे पर एक कार्गो टर्मिनल बनने से लॉजिस्टिक्स का खर्च कम होगा और एक्सपोर्ट सीधे विजाग के रास्ते हो सकेगा। एसोसिएशन ने अधिकारियों से कोलंबो, कुआलालंपुर और बैंकॉक के लिए सीधी अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी फिर से शुरू करने की अपील की। ये उड़ानें पहले विजाग से ही चलती थीं, लेकिन मौजूदा हवाई अड्डे पर ऑपरेशन से जुड़ी पाबंदियों की वजह से इन्हें बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा, सिंगापुर और अबू धाबी के लिए मौजूदा कनेक्टिविटी के साथ-साथ इन सेवाओं के फिर से शुरू होने से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश से अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क और मज़बूत होगा। स्कूट एयरलाइंस के 8 जुलाई से भोगपुरम हवाई अड्डे से ऑपरेशन शुरू करने के फैसले का स्वागत करते हुए, एसोसिएशन ने कहा कि यह कदम नए हवाई अड्डे की सुविधा की ओर कमर्शियल बदलाव की शुरुआत है। इस बीच, विशाखापत्तनम के सांसद एम। श्रीभरत ने बताया कि भोगपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन की तैयारियाँ तेज़ी से चल रही हैं और राज्य सरकार 5 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस हवाई अड्डे का उद्घाटन करवाने की योजना बना रही है।

कस्टम अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार में अहम भूमिका निभाते हैं

विदेश राज्य मंत्री पंकज चौधरी

अनंतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर और कस्टम अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। वह नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड नारकोटिक्स (नासिन) द्वारा आयोजित आईआर (कस्टम्स और अप्रत्यक्ष कर) अधिकारियों के 76वें बैच के ग्रेजुएशन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस बैच के तहत कुल 79 आईआर (सी एंड आईटी) अधिकारियों ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

मंत्री ने कहा कि कस्टम और अप्रत्यक्ष कर अधिकारी सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करके और सुचारू व्यापार कार्यों को सुविधाजनक बनाकर देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।उन्होंने कहा कि सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) तेजी से एक आधुनिक, तकनीक-आधारित संस्था में बदल रहा है। यह बदलाव फेसलेस असेसमेंट, ऑटोमेशन, डिजिटल अनुपालन और डेटा एनालिटिक्स जैसे सुधारों के माध्यम से हो रहा है, जिससे शासन में पारदर्शिता और दक्षता में सुधार हुआ है।

पंकज चौधरी ने नए शामिल हुए अधिकारियों से आग्रह किया कि वे उभरती चुनौतियों, जिनमें साइबर-आधारित वित्तीय अपराध, तस्करी नेटवर्क और अवैध व्यापार गतिविधियां शामिल हैं, से निपटने के लिए सतर्क और पेशेवर रूप से तैयार रहें। लोक सेवा में ईमानदारी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ईमानदारी और निष्पक्षता ही एक अधिकारी की विश्वसनीयता की नींव होती है।

मंत्री ने कहा कि हर प्रशासनिक निर्णय व्यापारियों के साथ-साथ नागरिकों को भी प्रभावित करता है, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शासन को दक्षता, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ चलाया जाना चाहिए।

ऑनलाइन गेम्स में अजनबियों से सावधान रहें.... सीपी की एंट्री से मामला पलटा

विशाखापट्टनम, 24 मई (एजेंसियां)। क्या आप बहुत ज़्यादा ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं? क्या आप गेम्स में मिलने वाले अजनबियों के साथ अपनी निजी बातें शेयर करते हैं? लेकिन सावधान रहें। ऑनलाइन गेम्स में थोड़ा सा भी लापरवाह होने पर, हमारी ज़िंदगी मुश्किल में पड़ सकती है। विशाखापट्टनम में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पबजी गेम में मिली एक महिला ने एक अजनबी पर भरोसा किया, लेकिन एक साइबर अपराधी ने उसकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया और उसे नग्न वीडियो कॉल करने के लिए प्रताड़ित किया।

इसी क्रम में, गेम खेलते समय, हैदराबाद के नरेंद्र वेणुगोपाल की मुलाक़ात जुलालेती नाम की एक युवती से हुई। दोनों के बीच संपर्क स्थापित हो गया। गेम के ज़रिए हुई यह जान-पहचान सोशल मीडिया अकाउंट्स तक पहुँच गई। रोज़ाना चैट करने से वे एक-दूसरे के बहुत करीब आ गए। वेणुगोपाल की भरोसेमंद बातों पर यकीन करके, महिला ने अपनी निजी जानकारी और डेटा भी उसके साथ शेयर कर दिया। महिला का पूरा भरोसा जीतने के बाद, वेणुगोपाल ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। महिला को वेणुगोपाल पर पूरी तरह भरोसा करने में कुछ समय लगा। वेणुगोपाल ने अपनी कुटिल सोच के साथ, महिला को मानसिक रूप से फँसाने के लिए एक घिनौनी साज़िश रची।

सबसे पहले, उसने नग्न वीडियो कॉल करके महिला को परेशान करना शुरू कर दिया। महिला ने इसका कड़ा विरोध किया। जब महिला ने उसकी बात नहीं मानी, तो आरोपी पीछे नहीं हटा और उसने महिला को और ज़्यादा प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उसने धमकी देते हुए कहा, अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी, तो मैं तुम्हारी निजी जानकारी और तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दूँगा। मैं इन्हें तुम्हारे सभी रिश्तेदारों को भेज दूँगा। इस तरह उसने महिला को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। महिला आरोपी द्वारा किए गए उत्पीड़न और प्रताड़ना को सहन नहीं कर पाई। अत्यधिक तनाव के कारण वह डिप्रेशन में चली गई। एक समय तो उसकी मानसिक हालत इतनी बिगड़ गई कि उसने आत्महत्या करने की कोशिश भी की। लेकिन आखिरी समय में, अपने शुभचिंतकों से मिली हिम्मत के सहारे, उसने पुलिस कमिश्नर शंकब्रत बागची से संपर्क किया और लिखित में शिकायत दर्ज कराई।

महिला की हालत देखकर सीपी ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने साइबर क्राइम पुलिस को इस मामले की जाँच शुरू करने का आदेश दिया। साइबर क्राइम की एक विशेष टीम उस इलाके में पहुँची और तकनीकी साधनों की मदद से छापेमारी की। आरोपी की लोकेशन हैदराबाद में होने का पता चलने पर, टीम वहाँ पहुँची और वेणुगोपाल को हिरासत में ले लिया। विशाखापट्टनम पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और अदालत के आदेशानुसार उसे रिमांड पर भेज दिया है। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर अजनबियों से दोस्ती करने से बचें; विशेष रूप से महिलाएं अपनी निजी तस्वीरें और सोशल मीडिया अकाउंट साझा करके साइबरबुलिंग का शिकार बन रही हैं। पुलिस सतर्क है।

चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फ़ेडरेशन की बैठक में आर्थिक मुद्दों पर ज़ोर

अमरावती, 24 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फ़ेडरेशन ने विजयवाड़ा में अपनी बोर्ड बैठक आयोजित की। सभा को संबोधित करते हुए, स्वर्ण आंध्र पी4 फ़ाउंडेशन के उपाध्यक्ष सी कुटुम्बा राव ने राज्य सरकार की पी4 पहल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल समावेशी विकास को बढ़ावा देने और समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों को ऊपर उठाने में कितनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने एपी चैंबर्स के सदस्यों से अपील की कि वे इस पहल का सक्रिय रूप से समर्थन करें और वंचित समुदायों की सामाजिक-आर्थिक भलाई को बेहतर बनाने में योगदान दें। उन्होंने उन विभिन्न तरीकों के बारे में बताया जिनके ज़रिए उद्योग और व्यापार जगत के नेता इस कार्यक्रम को मज़बूत बनाने में साझेदारी कर सकते हैं।

कुटुम्बा राव ने मौजूदा वैश्विक और राष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियों पर बात की, और सदस्यों को सलाह दी कि इन अनिश्चित समय में सावधानी, तैयारी और ज़िम्मेदार आर्थिक तौर-तरीकों का पालन करना कितना ज़रूरी है। एपी चैंबर्स के अध्यक्ष पोटलुरी भास्कर राव ने कुटुम्बा राव को बोर्ड बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने पी4 पहल और मौजूदा आर्थिक हालात पर सदस्यों के साथ अपने बहुमूल्य विचार साझा करने के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

सुविचार
नम्रता : कड़वी बात का मिठास से जवाब दीजिए, क्रोध आने पर चुप रहिए।

दो जून को शुरू होगी 'इंदिरम्मा बीमा' योजना : भट्टी विक्रमार्क

पूरे राज्य में ऐतिहासिक इंदिरम्मा बीमा योजना लागू

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि तेलंगाना की जन सरकार चुनाव के दौरान किए गए हर वादे को पूरा करते हुए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे गरीबों तक पहुंचा रही है।

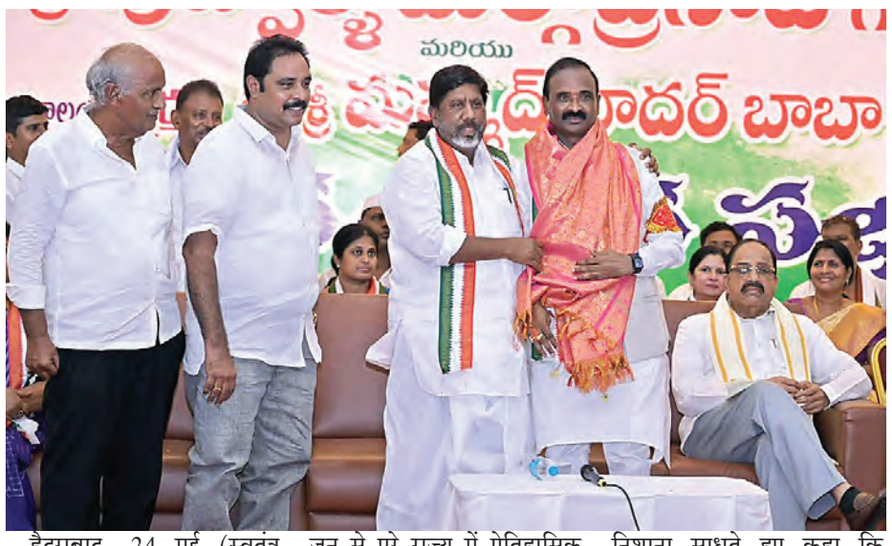

उन्होंने घोषणा की कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 जून से पूरे राज्य में ऐतिहासिक इंदिरम्मा बीमा योजना लागू की जाएगी।

इस योजना के तहत राज्य के 1.15 करोड़ परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति से परे हर पात्र परिवार को इसका लाभ मिलेगा। भट्टी विक्रमार्क ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसान आत्महत्या करने वाले परिवारों को मामूली सहायता के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए सरकार ने दुर्घटना में परिवार के मुखिया की मृत्यु होने पर प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का बीमा कवर देने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि योजना के लिए जल्द ही अधिकारी घर-घर जाकर विवरण एकत्र करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उद्यमी बनाना चाहती है। इसी उद्देश्य से 27 मई को मधिरा विधानसभा क्षेत्र के एर्रुपालेम मंडल स्थित राजुपालेम गांव में महिला स्वयं सहायता समूहों को सौर ऊर्जा संयंत्र आवंटित करने की योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिला समूहों को हर वर्ष 20 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है और आवश्यकता पड़ने पर इसे बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपये तक किया जाएगा। भट्टी ने कहा कि राज्य में महिलाएं पहले से ही आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर रही हैं। जल्द ही महिला उद्यमियों के लिए 550 विशेष आरटीसी बसें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है। उन्होंने कहा कि जन सरकार राज्य की 1.06 करोड़ परिवारों को बाजार में 50 से 55 रुपये प्रति किलो कीमत वाला प्रीमियम फाइन चावल मुफ्त उपलब्ध करा रही है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 'गृहज्योति' योजना के तहत राज्यभर में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिससे 53 लाख परिवारों को राहत मिली है। कई गांवों में करीब 95 प्रतिशत लोगों के बिजली बिल शून्य आ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने दस वर्षों तक डबल बेडरूम मकानों के नाम पर जनता को गुमराह किया। वर्तमान सरकार प्रत्येक गरीब परिवार को अपना घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दे रही है। अब तक राज्यभर में 4.5 लाख मकान स्वीकृत किए जा चुके हैं। भट्टी विक्रमार्क ने यह भी बताया कि हाल ही में मंत्रिमंडल ने अतिरिक्त 2 लाख मकानों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि झोपड़ी मुक्त तेलंगाना बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बारिश से खराब हुए धान का निरीक्षण किया : पूर्व मंत्री

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी ने राज्य सरकार से मांग की है कि वर्षा से भीगे हुए धान की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि धान खरीद प्रक्रिया में प्रशासन की लापरवाही के कारण किसान गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने वनपर्ती कृषि बाजार यार्ड में बारिश से खराब हुए धान का निरीक्षण किया और किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि जब तक न्याय नहीं मिलता, वे किसानों के साथ खड़े रहेंगे। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने अधिकारियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसान कई दिनों से खरीद केंद्रों पर इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक तौल प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई है। उन्होंने किसानों की पीड़ा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल को अपनी आंखों के सामने पानी में बर्बाद होते देख रहे हैं और रोने को मजबूर हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्थिति राज्य सरकार द्वारा अयोग्य एजेंसियों को परिवहन ठेके देने के कारण उत्पन्न हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वालों पर तुरंत मामले दर्ज करती है, लेकिन दो साल पहले हुई श्रीधर रेड्डी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में विफल रही है, जो प्रशासन की गंभीर असफलता को दर्शाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार द्वारा पूरी फसल खरीद लेने के दावे वास्तविकता से दूर हैं।

पूर्व मंत्री ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में सरकार ने बारिश से भीगे अनाज की पूरी खरीद की थी और किसानों को सहायता दी थी। उन्होंने कहा कि इस समय 5.42 लाख हेक्टेयर में धान की खेती हुई है, लेकिन खरीद के लिए कोई तैयार नहीं है। उन्होंने नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी स्टेफन रविंदर से मांग की कि अयोग्य परिवहन एजेंसियों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक को-राइस मिलर ने मंत्री के पुत्र को रेंज रोवर कार उपहार में दी है और इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनियमितताओं में शामिल राइस मिलरों पर बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लगभग 1.4 करोड़ मीट्रिक टन धान और 45 लाख मीट्रिक टन मक्का बाजार में पहुंच चुका है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mrs.Bhawna Jain W/o Late Mukesh Kumar Goel R/o. H.No. 22-5-730/B, Marwadi Bhawan, Chowk Maidan Khan, Charminar, Hyd, TG-500002. Changed My Name/Surname as BHAWANA GOEL and both Names are One for all records purpose.

I, Srinu, Father of No. 14679584H, NK, Appa Rao M, R/o, Dist: Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my name from Srinu to Marupakula Srinu vide Affidavit No. 466837 dt. 21.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Shivamma, Mother of No. 14679584H, NK, Appa Rao M, R/o, Dist : Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my name from Shivamma to M Sivamma vide Affidavit No. 466839 dt. 21.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14679584H, NK, Appa Rao M, R/o, Dist : Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my Daughter's name from Marpakula Prahasa to Marapakula Prahasa vide Affidavit No. 466865 dt. 23.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

खतरनाक तरीके से कार चलाने पर चार युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने साइबराबाद के नॉलेज सिटी क्षेत्र में खतरनाक तरीके से कार चलाने के आरोप में चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार रात करीब साढ़े बारह बजे निलोफर रोड पर कुछ युवक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब एक कार को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने कार की गति बढ़ाकर भागने की कोशिश की।

वाहन रोकने के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल के हाथ में चोट लग गई।

इसके बाद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कार को घेरकर रोक लिया।

पुलिस ने चालक मोहम्मद रेहवान (19) समेत कार में सवार ओवैसिस, अयान और वसीम को हिरासत में ले लिया। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पेड़ से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

संगारेड्डी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापुर मंडल मुख्यालय के पास रविवार तड़के सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार विक्रम (27) और अनिल (30) माछेपल्ली गांव के एक मंदिर में आयोजित जठरा उत्सव में शामिल होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कोंडापुर स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संग्रहालय के पास उनकी बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

हेलमेट न पहनने के कारण दोनों युवकों के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सरकार ने कई जातियों के नाम बदलने को मंजूरी दी

बीसी जातियों के नामों में गरिमा लाने के लिए उठा कदम

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों के आधार पर राज्य सरकार ने पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदाय की कुछ जातियों के नामों में परिवर्तन को मंजूरी दे दी है।

सरकार का कहना है कि कुछ जातियों के प्रचलित नामों को अपमानजनक माना जा रहा था, इसलिए उन्हें अधिक सम्मानजनक स्वरूप देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान सचिव ने इन नाम परिवर्तनों को लागू करने के लिए आदेश जारी किए हैं। सरकारी आदेश के अनुसार समूह 'अ' में क्रम संख्या 4 पर दर्ज 'बुडबुक्कला' जाति का नाम अब 'शिव क्षत्रिय' कर दिया गया है। इसी प्रकार 'वन्नार' नाम को हटाकर उसकी जगह 'धोबी' नाम लागू किया गया है।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि व्यवहार में 'राजका', 'चकली' अथवा 'धोबी' इनमें से किसी भी नाम का उपयोग किया जा सकता है। क्रम संख्या 7 पर दर्ज 'दोम्मरा' जाति का नाम बदलकर 'गड़ा वंशीय' कर दिया गया है। क्रम संख्या 18 पर दर्ज 'पिच्चकुंटला' का नाम अब 'वंशराज' होगा। क्रम संख्या 23 पर दर्ज 'वीरभद्रिया' का नाम बदलकर 'वीरमुष्टि, नेत्ति कोटाला, वीरभद्रिया' कर दिया गया है। समूह 'द' में क्रम संख्या 5 पर दर्ज 'मेरा' जाति का नाम बदलकर 'मेरु' कर दिया गया है।

वहीं क्रम संख्या 29 पर दर्ज 'शूद्र' नाम को हटाकर उसकी जगह 'तम्मली' नाम शामिल किया गया है। सरकार ने कहा है कि इन परिवर्तनों का उद्देश्य सामाजिक गरिमा को बढ़ाना और समुदायों की पहचान को अधिक सम्मानजनक स्वरूप देना है।

तमिलनाडु राज्य में मंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद पी. विश्वनाथन ने जुबली हिल्स, हैदराबाद आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वनाथन का अभिनंदन किया और उन्हें बधाई दी।

मक्का, ज्वार और सूरजमुखी की अतिरिक्त फसल खरीदेगी सरकार

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों और विपक्षी दलों के लगातार दबाव के बाद राज्य सरकार ने मक्का, ज्वार और सूरजमुखी की अतिरिक्त उपज खरीदने का निर्णय लिया है। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने बताया कि केंद्र सरकार से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण अब राज्य सरकार स्वयं किसानों की उपज खरीदेगी।

खरीद में देरी के चलते मक्का और ज्वार किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच राज्य के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश से फसल भीग गई और किसानों को अतिरिक्त नुकसान उठाना पड़ा। किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर सरकार से तुरंत खरीद शुरू करने की मांग की थी।

तमिलनाडु के मंत्री पी. विश्वनाथन ने मंत्री पोंगुलेटी से की मुलाकात

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को रविवार को तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने पुष्पगुच्छ देकर मंत्री पोंगुलेटी को सम्मानित किया। इसके पश्चात मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भी पी. विश्वनाथन को शाल और पुष्प पौधा भेंट कर सम्मानित किया। विश्वनाथन ने हाल ही में वेल्लूर विधानसभा क्षेत्र से विजय प्राप्त कर तमिलनाडु मंत्रिमंडल में स्थान हासिल किया है। इस अवसर पर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तमिलनाडु में लगभग 59 वर्षों के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से किसी प्रतिनिधि को मंत्रिमंडल में स्थान मिलना ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि विश्वनाथन को जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप अधिक जनसेवा करनी चाहिए और कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए।

खरीद कार्य को निर्धारित समय में पूरा किया जाना चाहिए : उत्तम

धान खरीद प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्यभर में चल रही धान खरीद प्रक्रिया को और अधिक तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के तहत सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है और खरीद कार्य को निर्धारित समय में पूरा किया जाना चाहिए।

हैदराबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से धान खरीद प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई। इस बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव, नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क सहित कई मंत्री, सभी जिलों के जिलाधिकारी, सांसद, विधायक एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि राज्य में अब तक एक सौ इकतालीस लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन हुआ है, जिसमें से पचहत्तर लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक आठ हजार पांच सौ पचहत्तर खरीद केंद्रों के माध्यम से इक्यावन लाख मीट्रिक टन धान की खरीद पूरी की जा चुकी है तथा किसानों को लगभग आठ हजार सात सौ उनचास करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। सरकार ने बताया कि इक्कीस करोड़ गनियां उपलब्ध कराई गई हैं। वहीं खरीद केंद्रों पर मौजूद लगभग साढ़े आठ लाख मीट्रिक टन धान को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र खरीदा जाएगा।

मंत्री ने निर्देश दिया कि इस माह के अंत तक पूरी खरीद प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। साथ ही सीमावर्ती जिलों में चेक पोस्ट स्थापित कर बाहरी राज्यों से धान, ज्वार और मक्का की अवैध आवक को रोका जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मिल मालिकों या बिचौलियों द्वारा किसानों को तौल या कटौती के नाम पर परेशान करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीदे गए धान का विवरण तुरंत टैबलेट में दर्ज कर किसानों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने भी कहा कि खरीद प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए और श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि अब किसानों को भुगतान के लिए महीनों तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ रही है।

इसके पश्चात महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दनासारी अनसूया (सीतक्का) ने महिला कल्याण सप्ताह की तैयारियों की समीक्षा की। इसमें ग्राम एवं मंडल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों, आंगनवाड़ी केंद्रों, महिला सुरक्षा, पोषण, सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा महिला मंडल गतिविधियों पर चर्चा की गई। सरकार ने कहा कि किसान एवं महिला कल्याण योजनाओं को तेजी से लागू किया जा रहा है।

मानसून से पहले तीनों नगर निगम सतर्क

बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के एक सप्ताह के भीतर दस्तक देने की आशंका को देखते हुए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, साइबराबाद नगर निगम और मलकाजगिरि नगर निगम अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ से निपटने की तैयारियों में जुट गए हैं। अप्रैल में ही नगर निकायों ने निचले इलाकों में नालियों की सफाई, नालों की बाड़बंदी और रिटेनिंग वॉल के कार्य शुरू कर दिए थे। जीएचएमसी के तीन भागों में विभाजन के बाद यह पहला अवसर है जब तीनों आयुक्तों ने शहरी बाढ़ से निपटने के लिए अलग-अलग रोडमैप तैयार किए हैं।

जीएचएमसी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर नालों की गाद निकालने के लिए मशीनरी तैनात की है। साथ ही नालों का पुनर्निर्माण, पुलियों का निर्माण और अन्य सिविल कार्य भी प्रगति पर हैं। हालांकि सीएमसी और एमएमसी अभी भी गाद निकालने के मामले में जीएचएमसी से पीछे दिखाई दे रहे हैं। पिछले मानसून में साइबराबाद क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आईटी कॉरिडोर में जलभराव से घंटों यातायात जाम रहा था और कई कॉलोनियों में बाढ़ से जनजीवन ठप हो गया था। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरों को नालों की गाद निकालने के तुरंत बाद पैरापेट दीवारों की मरम्मत, चेन फेंसिंग और अन्य सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी हाइड्रा की टीमें भी तीनों नगर निकायों में जरूरी मशीनरी और कर्मियों के साथ तैयार हैं।

खेल युवाओं में अनुशासन विकसित करते हैं : निर्मला जग्गारेड्डी

जमायम्मा जग्गारेड्डी क्रिकेट टूर्नामेंट- सीजन 2 का समापन

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के डॉ.बी.आर. अंबेडकर स्टेडियम में एक सप्ताह से चल रहे जमायम्मा जग्गारेड्डी क्रिकेट टूर्नामेंट- सीजन 2 का रविवार को भव्य समापन हुआ। स्थानीय युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। समापन समारोह में टीजीआईआईसी (टीजीआईआईआईसी) चेयरपर्सन निर्मला जग्गारेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनजीसीसी टीजेआर संगारेड्डी टीम ने खिताब अपने नाम किया और 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीता। वहीं उपविजेता रही निरंजन-11 पटनचेरू टीम को 50 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न श्रेणियों बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और मैन ऑफ द सीरीज में विशेष नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का संचालन काउंसलर फैज बाज़वेर के पर्यवेक्षण में तथा आयोजकों सरफराज, अज़र, फहीम, यबा और इमरान के समन्वय से सफलतापूर्वक किया गया। निर्मला जग्गारेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों में जीत और हार स्वाभाविक हैं, लेकिन असली महत्व खेल भावना के साथ भाग लेने का है। उन्होंने युवाओं से खेलों में अधिक रुचि लेने की अपील करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक मजबूती भी प्रदान करते हैं। अनुशासन और समयपालन जैसे मूल्य भी खेलों के माध्यम से विकसित होते हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि संगारेड्डी में इनडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की निधि मंजूर की गई है, जो जग्गारेड्डी के सहयोग से स्वीकृत हुई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा इस परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा। सरकार जिले में खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। कार्यक्रम में नगर पालिका चेयरपर्सन वनिता संतोष कुमार, उपाध्यक्ष हफीज शेख शफी सहित कई जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी, आयोजक, युवा और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मृतक किसानों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की मांग : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के महासचिव एवं पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी ने रविवार को राज्य सरकार से मांग की कि धान खरीद केंद्रों में मृत्यु होने वाले किसानों के परिवारों को तत्काल एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाए। उन्होंने यह मांग हैदराबाद स्थित तेलंगाना भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में की। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण किसानों में आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं, जो अत्यंत चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल किया कि हाल ही में हुई मंत्रिमंडल बैठक में किसानों की धान खरीद से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा क्यों नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि खरीद प्रक्रिया में किसानों को प्रति क्विंटल लगभग 250 रुपये का नुकसान हो रहा है, जिसे उन्होंने आर एंड आर टैक्स करार दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार बनने के बाद से किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि किसान घोषणा के नाम पर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में किसानों को प्रत्येक फसल सीजन में रायतु बंधु योजना का लाभ मिलता था। उन्होंने आरोप लगाया कि करीमनगर जिले के प्रभारी मंत्री ने अब तक जिले का दौरा नहीं किया और न ही धान खरीद की समीक्षा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सौंदर्य प्रतियोगिताओं और खेल आयोजनों में रुचि दिखा रही है, लेकिन किसानों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभी भी लगभग पचास प्रतिशत धान खलिहानों में पड़ा हुआ है और मक्का खरीद में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फार्मा सिटी परियोजना की भूमि को मुख्यमंत्री के सहयोगियों को देने का प्रयास किया जा रहा है।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट ; लाखों का सामान जलकर राख

औरैया, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी के औरैया जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित नारायणपुर कंजर बस्ती में गैस सिलेंडर लीक होने के बाद हुए जोरदार धमाके से इलाके में हड़कंप मच गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। हादसे के बाद घर में भीषण आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना का वीडियो स्थानीय लोगों ने मोबाइल में कैद कर लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग की लपटें काफी दूर तक दिखाई दे रही थीं। घर के अंदर रखा शादी का सामान, जेवर, कपड़े, फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार ने बताया कि घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, जिसके चलते बड़ी मात्रा में कीमती सामान रखा हुआ था। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक हादसे में करीब 10 से 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

जल्द हो सकता है भाजपा संगठन पर बड़ा फैसला

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश संगठन में बदलाव को लेकर चल रही बैठकों का दौर अभी दो दिन और चलेगा। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन की गैरमैजूदगी की वजह से यह बैठक एक दिन और टल गई है। हालांकि बैंगलुरू और गाजियाबाद के कार्यक्रमों से खाली होकर दिल्ली पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के साथ उनके आवास पर दो घंटे से अधिक समय तक यूपी संगठन की सूची को लेकर मंथन जरूर किया।

सूत्रों का कहना है जिसे सोमवार या मंगलवार को जारी किया जा सकता है। बता दें कि प्रदेश स्तर पर संगठन में महामंत्री, उपाध्यक्ष मंत्री के अलावा प्रवक्ता, मीडिया और युवा, अल्पसंख्यक और किसान मोर्चा के अध्यक्षों के साथ ही छह क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक कई दौर की बैठकें हो चुकी है। प्रस्तावित नामों की सूची पर अंमित मुहर लगवाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन पिछले तीन दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

दरअसल संगठन तमाम पदाधिकारी पिछले एक दशक से कब्जा जमाए हुए हैं और कई पदाधिकारियों की छवि को लेकर गंभीर सवाल भी उठते रहे हैं। इसे देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ऐसे सभी पुराने पदाधिकारियों को बदलने का फैसला किया है, लेकिन कई बड़े नेता अपने-अपने चहेतों को दुबारा संगठन में बनाए रखने और पदोन्नति दिलाने को लेकर जोर लगाए हुए हैं, इस वजह से सहमति नहीं बन रही है।

सूत्रों का कहना है कि कई नेताओं ने अपने चहतों के बारे में गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन से सिफारिश करा रहे हैं।

जबकि प्रदेश नेतृत्व उन नामों पर सहमत नहीं है, इस वजह से अंतिन निर्णय नहीं हो पा रहा है। प्रदेश के अलावा खासतौर से क्षेत्रीय अध्यक्षों और मोर्चों के पदाधिकारियों को लेकर अभी पेंच फंसा हुआ है। संगठन के मुख्य पदाधिकारियों के अधिकांश नाम पर तो सहमति बन गई है, कुछ नाम पर जिच कायम है।

ऐसे ही क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदलने और उनको समायोजित करने को लेकर भी सहमति नहीं बन पाई है। जबकि केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश नेतृत्व से विभिन अनुषांगिक मोर्चों के अध्यक्षों के नाम भी मांगे हैं। इन पदों पर भी दावेदारों की भारी भीड़ ने मामला उलझा दिया है। सूत्रों का कहना है कि रविवार या सोमवार तक सभी अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

तेरहवीं का बचा हुआ खाना बना कालः गौशाला में 10 गायों की दर्दनाक मौत, 20 की बिगड़ी हालत

मथुरा, 24 मई (एजेंसियां)। मथुरा के एक गांव में ग्राम प्रधान की तेरहवीं कार्यक्रम का बचा हुआ खाना खाने के बाद शनिवार को एक गौशाला में 10 गायों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ। एनएन शुक्ला ने बताया कि तेरहवीं के बाद बड़ी मात्रा में भोजन बच गया था, जिसे 22 मई को गौशाला के जानवरों को दिया गया था। शुक्ला ने कहा कि बचा हुआ खाना खाने के बाद कुल 30 गायें एसिडोसिस (शरीर के तरल पदार्थों में एसिड की अधिकता से जुड़ी एक चिकित्सीय स्थिति) के कारण बीमार पड़ गईं। 10 गायों की मौत हो गई। डॉक्टर अन्य 20 गायों को बचाने में कामयाब रहे, जो अब ठीक हैं। यह घटना रिफाइनरी पुलिस थाने के तहत आने वाले भैसा गांव में हुई। अधिकारी ने बताया कि ग्राम प्रधान की तेरहवीं 20 मई को थी, जिसके बाद बड़ी मात्रा में बचे हुए खाने को 22 मई को गौशाला में पशुओं को दिया गया।

यूपी में नौतपा का अग्निबाणः आज से शुरू होगा 6 दिनों का महा-टॉर्चर

इन 10 जिलों में 45 डिग्री पार जाएगा पारा, 24 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 54 जिलों में हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। इनमें 10 जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है, जहां लू का असर बेहद गंभीर रहने की संभावना है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी और संत रविदास नगर समेत आसपास के क्षेत्रों में भीषण लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने लोगों को दोपहर में घरों से बाहर न निकलने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है।

बांदा प्रदेश में सबसे गर्म जिला

बांदा प्रदेश में सबसे गर्म वाला जिला बना हुआ है। अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार से नौतपा शुरू हो रहा है। इस दौरान अगले कम के कम 6 दिनों तक पूरे प्रदेश में भयंकर गर्मी पड़ेगी और झुलसा देने वाली गर्म हवाएं चलेंगी। आईएमडी के अनुसार इसके बाद बारिश की संभावना है।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

इसके अलावा सोनभद्र, जौनपुर, गाजीपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुलतानपुर, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के क्षेत्र में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में तेज गर्म हवाएं चलने और हीट स्ट्रोक का खतरा बना हुआ है।

21 जिलों में येलो अलर्ट

वहीं आजमगढ़, मऊ, बलिया, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज एवं आसपास के क्षेत्र में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां सामान्य से अधिक तापमान और उमस लोगों को परेशान कर सकती है।

24 जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

पश्चिमी यूपी के कई जिलों में मौसम अचानक बदलने के आसार हैं। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल एवं आसपास के क्षेत्र में तेज आंधी, हल्की बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े न होने की अपील की है। भीषण गर्मी और बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है। डॉक्टरों ने बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

जेडीयू से आरजेडी और अब बीजेपी का दमन थामेंगी रितु पासवान

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब कोई मजबूत और मुखर चेहरा अचानक पाला बदलता है तो राजनीतिक हलचल तेज हो जाती है। ऐसा ही एक बड़ा घटनाक्रम अब बिहार में देखने को मिल रहा है। चर्चित महिला नेता और आरजेडी की पूर्व प्रवक्ता रितु जायसवाल अब बीजेपी में शामिल होने जा रही हैं।

जानकारी के मुताबिक 26 मई को वह आधिकारिक तौर पर बीजेपी का दामन थाम लेंगी। रितु जायसवाल उन नेताओं में गिनी जाती थीं जो टीवी डिबेट से लेकर जनसभाओं तक खुलकर आरजेडी का पक्ष रखती थीं। पार्टी ने भी उन पर भरोसा जताते हुए कई अहम जिम्मेदारियां दी थीं। उन्हें आरजेडी महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। इसके अलावा वह 2021 से 2023 तक पार्टी की आधिकारिक प्रवक्ता भी रहीं। उनकी पहचान तेज-तर्रार और आक्रामक नेता के तौर पर बनी। दिलचस्प बात यह है कि रितु जायसवाल का राजनीतिक सफर जेडीयू से शुरू हुआ था।

बाद में उन्होंने लालू यादव की पार्टी आरजेडी का दामन थामा और तेजी से पार्टी में अपनी जगह बनाई। हालांकि अब वह तीसरी बार राजनीतिक पाला बदलने जा रही हैं। इससे यह भी संकेत मिल रहा है कि बिहार में चुनाव से पहले नेताओं की नई राजनीतिक पोजिशनिंग शुरू हो चुकी है। हाजीपुर की रहने वाली रितु जायसवाल का जन्म 1977 में हुआ था। राजनीति में सक्रिय होने से पहले वह सामाजिक कार्यों से जुड़ी रहीं।

विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

उड़ान भरते ही आई तकनीकी खराबी; दोनों पायलट सुरक्षित

अलीगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। धनीपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरने वाले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद जलाली क्षेत्र के पास उसकी आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी।

गनीमत रही कि विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बच गए। बताया जा रहा है कि विमान पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट था, जो नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। सुबह करीब 11 बजे उड़ान के दौरान तकनीकी खामी आने पर पायलटों ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने विमान और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई।

प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी को हादसे का कारण माना जा रहा है। प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।

होटल में छात्रा के साथ छेड़खानी एक युवक गिरफ्तार

दानापुर, 24 मई (एजेंसियां)। दानापुर के रूपसपुर थाना क्षेत्र स्थित कालीकेट इलाके के हिडेन विला होटल में बीती रात पॉलिटेक्निक की एक छात्रा के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत एक युवक ने लगातार कमरे का दरवाजा पीटकर उत्पात मचाया और बाद में छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार किया। जानकारी के अनुसार, बेगूसराय जिले के निवासी संतोष कुमार अपनी पुत्री को पॉलिटेक्निक परीक्षा दिलाने दानापुर आए थे। वे कालीकेट स्थित होटल के कमरा नंबर 103 में ठहरे हुए थे। नशे में धुत एक युवक बार-बार कमरे का दरवाजा पीटने लगा।

जब छात्रा ने दरवाजा खोला तो आरोपी ने उसका हाथ पकड़कर छेड़खानी शुरू कर दी। छात्रा ने तुरंत इसका विरोध किया और शोर मचाया। शोर सुनकर उसके पिता की नींद खुल गई, जिसके बाद उन्होंने होटल प्रबंधन से शिकायत की। इस घटना के बाद होटल परिसर में हंगामा शुरू हो गया। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। रूपसपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

समझौते के बाद सुसाइडः थाने में हुआ था घरेलू क्लेश का अंत

सुल्तानपुर, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी के सुल्तानपुर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित ओदरा गांव में पारिवारिक विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब 55 वर्षीय अधेड़ ने अपनी लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार ओदरा गांव निवासी मुफीद उर्फ बरसाती का अपनी दूसरी पत्नी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि आए दिन होने वाले घरेलू झगड़ों के कारण परिवार में तनाव बना रहता था। ग्रामीणों के मुताबिक कुछ दिन पहले विवाद इतना बढ़ गया था कि मामला कोतवाली देहात थाने तक पहुंच गया था। वहां पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर समझौता कराया और घर भेज दिया था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच कर रही पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। क्षेत्राधिकारी लंभुआ रितिक कपूर ने बताया कि घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जस्टिस मीनाक्षी राय होंगी पटना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश

केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट को नई मुख्य न्यायाधीश मिल गई हैं। जस्टिस मीनाक्षी एम राय पटना हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश होंगी। केंद्र सरकार ने नियुक्ति को मंजूरी दी है। मीनाक्षी एम राय सिक्किम हाई कोर्ट में जज के पद पर हैं। वह दिल्ली हाई कोर्ट और देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर चुकी हैं। बता दें कि 22 मई 2026 को हुई कॉलेजियम की बैठक में यह फैसला लिया गया।

यह नियुक्ति भारतीय न्यायपालिका के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि इसके जरिए पूर्वोत्तर भारत के सबसे अनुभवी जजों में से एक को देश के सबसे पुराने और बड़े हाई कोर्ट की कमान सौंपी जा रही है। पटना हाई कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संगम कुमार साहू आगामी 4 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वह इसी साल जनवरी में पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे और 62 वर्ष की आयु पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। उनकी जगह अब जस्टिस मीनाक्षी एम राय पदभार संभालेंगी। 12 जुलाई 1964 को जन्मीं जस्टिस मीनाक्षी मदन राय ने अपनी स्कूली शिक्षा सिक्किम में पूरी की। इसके बाद प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान (ऑनर्स) में स्नातक किया और बाद में 1989 में कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की।

1990 में दिल्ली बार एसोसिएशन में पंजीकृत होने के बाद, उन्होंने कुछ समय के लिए वकालत की और फिर 11 दिसंबर, 1990 को सिक्किम न्यायिक सेवा में शामिल हो गईं। ऐसा करके वे सिक्किम राज्य के इतिहास में पहली महिला न्यायिक अधिकारी बनीं।

आरपीएफ ने चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया

बक्सर, 24 मई (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत त्वरित कार्रवाई की। इस दौरान एक चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में चोरी किया गया सोने का लॉकेट भी बरामद किया गया है। आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार के निर्देश पर स्टेशन परिसर में लगातार गश्त और निगरानी की जा रही थी। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर खड़ी पैसेंजर ट्रेन में अचानक चोर-चोर का शोर सुनाई दिया। इसी दौरान आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए प्लेटफॉर्म नंबर 2-3 के बीच भाग रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। टीम में उप निरीक्षक विजेंद्र मुवाल, सहायक उप निरीक्षक उमेश कुमार राय, आरक्षी दीपक कुमार और आरक्षी करण सिंह शामिल थे।

10 साड़ी और 16000 रुपये' की लालच में मां ने अधेड़ को बेची 12 साल की बेटी

वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी से रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक ऐसी रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा दहल उठे। यहां एक कलयुगी मां ने चंद रुपयों और साड़ियों के लालच में अपनी ही 12 साल की सगी बेटी की आबरू का सौदा कर डाला। इस घिनौने अपराध में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़िता की मां, खरीदार अधेड़ और एक ऑटो ड्राइवर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता की मां मूल रूप से बिहार के अरवल (अलवर) की रहने वाली है। उसकी मुलाकात इस साल जनवरी में बनारस रेलवे स्टेशन पर चंदौली के बलुआ निवासी लहरू यादव से हुई थी।

दो बच्चों का बाप लहरू यादव अपनी उम्र कम दिखाने के लिए दिल्ली से हेयर ट्रांसप्लांट कराकर लौटा था और किसी कम उम्र की लड़की की तलाश में था। रेलवे स्टेशन पर ही मां ने महज 16 हजार रुपये और 10 साड़ियों के बदले अपनी मासूम बेटी को लहरू के हवाले कर दिया। इस सौदे को छिपाने के लिए चंदौली के चहनिया स्थित एक मंदिर में जबरन शादी का ढोंग भी रचा गया। कमरे में मासूम को रोता देख आसपास के पड़ोसियों को शक हुआ। जब लोगों ने कड़ाई से पूछताछ की, तो पीड़िता ने अपनी पूरी दर्दनाक कहानी बयां कर दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत मामले की सूचना सारनाथ थाना पुलिस को दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पॉक्सो एक्ट सहित कई अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तीनों मुख्य आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

स्मैक के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार, पुलिस ने घेराबंदी कर रंगेहाथ दबोचा

मुजफ्फरपुर, 24 मई (एजेंसियां)। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र के आदेश पर जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अहियापुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने भीखनपुर गांव के समीप घेराबंदी कर भारी मात्रा में स्मैक के साथ दो शातिर धंधेबाजों को रंगेहाथ दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अहियापुर के भीखनपुर निवासी शिवम झा और साजन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 18.63 ग्राम अवैध स्मैक और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

नगर डीएसपी टू विनिता सिन्हा ने बताया कि अहियापुर पुलिस को शाम गुप्त सूचना मिली थी कि भीखनपुर गांव के पास मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के लिए तस्कर जुटने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही दोनों संदिग्ध भागने लगे, जिन्हें मुस्तैद जवानों ने खदेड़कर दबोच लिया।

एआई समिट में सीएम के बयान पर रोहिणी ने किया पलटवार; कहा- डंडे से नहीं, न्याय से आता है सुशासन

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में सुशासन की परिभाषा को लेकर वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है। पटना में आयोजित एआई समिट 2026 के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा दिए गए एक बयान पर राष्ट्रीय जनता दल की नेता रोहिणी आचार्य ने तीखा पलटवार किया है। रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार सरकार को घेरा है। आज पटना के ऊर्जा भवन में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से एआई समिट 2026 का आयोजन किया गया था। इस खास कार्यक्रम का उद्घाटन सूबे के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया, जबकि विभागीय मंत्री नीतीश मिश्रा भी इस मौके पर मौजूद रहे।

समिट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार के विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका और नई तकनीकों के इस्तेमाल पर खुलकर बात की। हालांकि, अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सुशासन और व्यवस्था को लेकर एक ऐसी बात कह दी, जिसपर रोहिणी आचार्या ने आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयान पर तंज कसते हुए लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को संबोधित करते हुए लिखा है कि सरकार ने सुशासन की पूरी परिभाषा को ही छोटा कर दिया है। रोहिणी ने लिखा है कि मुख्यमंत्री जी, सुशासन का रास्ता सिर्फ पुलिस के भरोसे तय नहीं किया जा सकता।

सुशासन डंडे से नहीं, बल्कि शासन के न्याय और जवाबदेही से आता है। जहां हर समस्या का समाधान सिर्फ पुलिस हो, उसे सुशासन नहीं बल्कि डर का शासन कहा जाता है। रोहिणी ने लिखा है कि मुख्यमंत्री जी ।।। आपने तो सुशासन की पूरी परिभाषा एवं अवधारणा ही बदल और सीमित कर दी। मुख्यमंत्री जी।

सुशासन का रास्ता सिर्फ पुलिस नहीं है। सुशासन का रास्ता पुलिस के भरोसे से नहीं तय किया जा सकता है, सुशासन जनता के विश्वास से हासिल होता है। जहाँ हर समस्या का जवाब और समाधान पुलिस हो, वो सुशासन नहीं डर का शासन होता है। सुशासन डंडे से नहीं, शासन के न्याय और जवाबदेही से आता है। रोहिणी ने लिखा है कि मुख्यमंत्री जी। पुलिस व्यवस्था का हिस्सा है, सुशासन का एकमात्र विकल्प नहीं। सुशासन में कानून के साथ इंसाफ भी दिखना चाहिए। सुशासन सिर्फ पुलिसिया हथकंडों, दमन और जातिगत भेद भरे मुठभेड़ों से नहीं आता बल्कि व्यवस्था में सार्थक सुधारने लाने से आता है।

क्या बीजेपी में शामिल होंगे खेसारी लाल यादव

नितिन नवीन से मुलाकात के बाद अटकलें तेज

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। भोजपुरी सिंगर और अभिनेता खेसारी लाल यादव के उस समय बीजेपी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गईं जब उन्होंने पटना में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का बड़ा विषय बन गई है। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे, जो उसी समय नितिन नवीन से मिलने पहुंचे थे। हालांकि, बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर खुद खेसारी लाल यादव ने विराम लगा दिया और साफ कहा कि उनका किसी पार्टी में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के घर पहुंचे। उन्होंने कहा, मुझे खुशी इस बात की है कि बिहार का एक बेटा पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। नितिन नवीन हिन्दुस्तान के गौरव हैं। एक व्यक्तिगत संबंध शुरू से है। अगर बिहार का कोई आदमी बड़े स्तर पर जाता है और बिहार को बेहतर बनाने की बात करता है तो हम सब को उसके साथ रहना चाहिए। आज उनका जन्मदिन था। मैंने उन्हें आकर शुभकामना दी। मैं किसी पार्टी में नहीं जाने वाला। मैं एक कलाकार हूं और मुझे कलाकार ही रहने दीजिए। मैं आरजेडी के साथ था, हूं और आगे भी रहूंगा।

मालिक व प्रबंधन पर एफआईआर दर्ज

बहादुरगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। बहादुरगढ़ में एमआईई पार्ट-बी स्थित प्लॉट नंबर 2224 में बॉयलर फटने से हुए हादसे में एक श्रमिक की मौत और पांच अन्य के झुलसने के मामले में पुलिस ने फैक्टरी मालिक व प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 105, 125ए और 125बी के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिक शैलेश के शव का रविवार तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका। परिजन नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराने और इंसाफ की मांग कर रहे हैं।

मृतक के परिजनों ने 20 लाख रुपये मुआवजा, बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्च देने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि फैक्टरी प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

ईरान-अमेरिका 60 दिन के सीजफायर पर लगभग सहमत

इसके तहत होर्मुज फिर खोला जाएगा, ईरान अपना यूरेनियम प्रोग्राम छोड़ेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 24 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच बड़ा समझौता होने की खबर है। एक्सियोस न्यूज के मुताबिक, दोनों देश 60 दिन के युद्धविराम समझौते के बेहद करीब हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समझौते के तहत होर्मुज को फिर से खोला जाएगा, ताकि जहाजों की आवाजाही सामान्य हो सके।

ईरान इस दौरान होर्मुज में लगाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने पर सहमत हो सकता है। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी रोक में ढील देगा और कुछ प्रतिबंधों में राहत देकर ईरान को खुलकर तेल बेचने की इजाजत दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित समझौते में ईरान यह वादा भी करेगा कि वह कभी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करेगा। साथ ही यूरेनियम एनरिच्ड प्रोग्राम को सीमित करने और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम के भंडार को हटाने पर बातचीत होगी।

'कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा

अब उन पर विश्वास नहीं करेंगे' डीएमके की बैठक में भड़के स्टालिन

चेन्नई, 24 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में बढ़ती दरार के बीच द्रमुक की युवा इकाई के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा न करें। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने चुनावी लाभ लेने के बाद द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा है। उदयनिधि ने द्रमुक युवा इकाई की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, '20 वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस हमारी पीठ पर सवार रही। आज उसने हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। इसे कोई नहीं भूलेगा।

भविष्य में किसी भी परिस्थिति में कांग्रेस पर भरोसा नहीं करना है और न ही उन्हें दोबारा हमारे करीब आने देना है।' उन्होंने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा की लगातार जीत के मुख्य कारण हैं, लेकिन अब उनकी राय बदल गई है। उन्होंने कहा, 'लेकिन ऐसा नहीं है। भाजपा की जीत का सबसे बड़ा कारण कांग्रेस पार्टी है। अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है।'

पश्चिम एशिया संकट

इस्लामाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। दुनिया भर में चल रहे तेल के संकट और मंदी के बीच एक बहुत बड़ी खबर आ रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बरसों पुराना झगड़ा अब खत्म होने वाला है। दावा किया जा रहा है कि दोनों देश एक ऐतिहासिक शांति समझौते के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। इसके पीछे पाकिस्तान बिचौलिया बना हुआ है।

लेकिन इस पूरे मामले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ एक बार फिर खेला हो गया है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों की तारीफ में कसीदे पढ़ डाले। शरीफ ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर समेत दुनिया के कई बड़े नेताओं के साथ एक बहुत ही जरूरी और पॉजिटिव फोन कॉल की है।

ट्रंप ने सऊदी अरब, कतर, तुर्किये, मिस्र, यूएई, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं को लाइन पर लिया था। लेकिन हैरत और मजे की बात यह रही कि डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर से तो तसल्ली से बात की, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सीधे किनारे लगा दिया यानी भाव ही नहीं दिया!

ट्रंप ने शहबाज शरीफ से फोन पर बात करना भी मुनासिब नहीं समझा। इसके बावजूद, चीन के दौरे पर गए शहबाज शरीफ सोशल मीडिया पर ट्रंप को बधाई देने में जुटे रहे। उन्होंने अपने सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भी पीठ थपथपाई कि उन्होंने इस डील के लिए दिन-रात एक कर दिया है।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला

मॉस्को ने बरसाईं ओरेश्निक मिसाइल मलबे के ढेर में तब्दील हुईं कई इमारतें

कीव, 24 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने एक बार फिर घातक हवाई हमला किया है। रविवार की रात रूस ने मिसाइलों और ड्रोन से कीव को निशाना बनाया। इस जोरदार हमले से पूरा शहर थर्रा उठा। सरकारी दफ्तरों, रिहायशी इमारतों और स्कूलों के पास एक के बाद एक कई शक्तिशाली धमाके हुए। स्थानीय अधिकारियों के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं।

रातभर हवाई हमले के सायरन बजते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों और पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में बेहद तेज विस्फोटों की आवाजें सुनीं। सूरज उगने तक यह हमला जारी था और अधिकारियों ने आशंका जताई है कि कीव की तरफ अभी और मिसाइलें व ड्रोन्स बढ़ रहे हैं। कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में भारी तबाही दर्ज की गई है। रिहायशी इमारतों को सीधा नुकसान पहुंचा है।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत हमले की चपेट में आ गई। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि धमाके के वक्त लोग उसी स्कूल के अंदर बने बंकर में शरण लिए हुए थे। इसके अलावा पूरे शहर में कई सुपरमार्केट और गोदाम भी तबाह हो गए हैं। क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने कहा कि कीव के आसपास के कई अन्य इलाकों में भी भारी नुकसान हुआ है।

टीएमसी को मिला 'तृणमूल भवन' खाली करने का नोटिस

इमारत मालिक ने दिया सुरक्षा कारणों का हवाला

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को पूर्वी कोलकाता स्थित पार्टी के अस्थायी मुख्यालय 'तृणमूल भवन' को खाली करने का नोटिस मिला है। ईएम बाईपास के पास टॉपसिया इलाके में स्थित किराए की उस बहुमंजिला इमारत के मालिक ने पार्टी से इमारत खाली करने को कहा है। यह इमारत पिछले कुछ वर्षों से तृणमूल कांग्रेस का मुख्यालय रही है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद इमारत के बाहर हुई तोड़फोड़ की घटनाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

इस आलीशान बहुमंजिला इमारत के मालिक मोंटू साहा हैं। वह राज्य की जानी-मानी कंपनी 'मॉडर्न डेकोरेटर्स' के प्रमुख हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने मौखिक रूप से तृणमूल नेतृत्व को इमारत खाली करने के बारे में सूचित किया है। साहा ने यह भी स्पष्ट किया है कि इमारत खाली करने के लिए समय सीमा तय कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उनकी तृणमूल नेतृत्व से बातचीत हुई थी और पार्टी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले दो महीनों के भीतर इमारत पूरी तरह खाली कर दी जाएगी। हाल के दिनों में राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है।

हालांकि, मोंटू साहा ने कहा कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद, दबाव या अन्य कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद उस इमारत के बाहर बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई थी। अगर इमारत को कोई नुकसान पहुंचता है, तो उसका नुकसान मुझे ही होगा। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। साहा ने कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से सुरक्षा कारणों से तृणमूल से इमारत खाली करने को कहा था और पार्टी के प्रति उनकी कोई निजी रंजिश नहीं है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि तृणमूल नेतृत्व ने हमेशा समझौते के अनुसार किराया चुकाया है।

सुबह एएसआई की गोली मारकर हत्या, स्कूटी से ड्यूटी पर जा रहे थे जोगा सिंह

अमृतसर, 24 मई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर जिले में एएसआई जोगा सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार की सुबह जब वह स्कूटी से ड्यूटी के लिए जा रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उनपर गोली चला जिससे जोगा सिंह की मौत हो गई। गोली लगने से एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

अमृतसर एसएसपी सुहेल कासिम मीर ने जानकारी दी, आज सुबह मजीठा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हमजा गांव के पास एक घटना की सूचना मिली है, जिसमें एएसआई जोगा सिंह, निवासी गनिक-ए-बंगार, बटाला, जो वर्तमान में अमृतसर यातायात पुलिस में तैनात हैं,

राजौरी में मुठभेड़ के बाद बढ़ी चौकसी

जम्मू के अखनूर में भी आतंकवादियों की तलाश तेज

जम्मू, 24 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादियों की तलाश में घेराबंदी को मजबूत करते हुए रविवार को अपना तलाशी अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इलाके में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच संक्षिप्त मुठभेड़ हुई थी। इस गोलीबारी के बाद सुरक्षा बलों ने डोरिमल-गंभीर मुगला क्षेत्र के वनक्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान जारी रखा है और अभियान का दायरा बढ़ा दिया है।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में दो से तीन आतंकवादियों की गतिविधि का संदेह था। संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में विशिष्ट सूचना मिलने के बाद शनिवार को सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की एक संयुक्त टीम ने इस इलाके में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। अब संदिग्धों की तलाश में सहायता के लिए अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को भी मौके पर भेजा गया है। दूसरी ओर, संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने जम्मू जिले के अखनूर के गुढ़ा ब्राह्मणा क्षेत्र में भी एक अन्य तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि एक स्थानीय महिला ने सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी थी कि उसने अपने घर के पास तीन से चार नकाबपोश व्यक्तियों को देखा, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध लग रही थीं।

पुलिस ने 5 साइबर अपराधियों को दबोचा

बैंक अधिकारी बनकर करते थे ठगी

जामताड़ा, 24 मई (एजेंसियां)। साइबर अपराध पर लगातार शिकंजा कस रही जामताड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी शंभु कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में छापेमारी कर करमाटांड़ और नारायणपुर थाना क्षेत्र से पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि करमाटांड़ थाना क्षेत्र के गांव मट्टांड़ स्थित विष्णु मंडल के घर पर छापेमारी के दौरान दो अपराधियों को साइबर ठगी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। वहीं सियाटॉड और झिलुवा जंगल क्षेत्र से एक अन्य आरोपी को पकड़ा गया। दूसरी ओर नारायणपुर थाना क्षेत्र के लोकनियां गांव में किशोर दास के घर पर छापेमारी कर दो अन्य साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में विष्णु मंडल, सचिन मंडल, सागर नायक, किशोर दास और विश्वजीत दास शामिल हैं। विश्वजीत दास मूल रूप से पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर का निवासी है, जो वर्तमान में लोकनियां गांव में रह रहा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 मोबाइल फोन, 14 सिम कार्ड, 4 एटीएम कार्ड, 2 लैपटॉप और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।

बीजेपी एमएलए रेणुका सिंह का कथित ऑडियो वायरल

बघेल का जिक्र कर कही बड़ी बात, सियासी हलचल तेज

भरतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भरतपुर सोनहत से बीजेपी विधायक रेणुका सिंह एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। रेणुका सिंह का कथित ऑडियो वायरल हो रहा है। इस वायरल ऑडियो में बीजेपी विधायक रेणुका सिंह अपनी सरकार से नाराजगी व्यक्त करते हुए भूपेश सरकार की वापसी की बात कर रहीं हैं। विष्णु देव साय मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बीच वायरल ऑडियो ने राजनीतिक गलियारे में हलचल मचा दी है। भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह के कथित वायरल ऑडियो पर पुलिस में शिकायत भी की गई है।

ऑडियो की फोरेंसिक जांच और वायरल करने वाले पर कार्रवाई की मांग हुई है। एमसीबी जिले के भाजपा जिला महामंत्री ने विधायक रेणुका सिंह को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शिकायत की थी। इसमें जिला महामंत्री ने बीजेपी विधायक रेणुका सिंह पर अपने विधानसभा क्षेत्र से गायब रहने का आरोप लगाया था। इसके बाद अब बीजेपी विधायक रेणुका सिंह का ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में रेणुका सिंह भूपेश सरकार की वापसी का दावा कर रही हैं। कथित वायरल वीडियो में रेणुका सिंह अपनी ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ही कांग्रेस के सीएम बनेंगे और वर्तमान सीएम विष्णु देव साय को जेल भेजेंगे। इसके अलावा ब्यूरोक्रेसी को लेकर भी उन्होंने बड़ी बात कही।

वायरल ऑडियो के मुताबिक रेणुका सिंह ने कहा, "यहां की सरकार ऊपर से संचालित है लेकिन किसी को सीएम बनाकर तत्काल हटा तो नहीं सकते हैं। ऊपर के लोग इनसे बहुत खुश थोड़ी हैं।" हालांकि वायरल ऑडियो का अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। जानकार इसे बीजेपी के अंदर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देख रहे हैं।

'भाजपा के सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं'

आप नेता मनीष सिसोदिया का बीजेपी पर तीखा वार

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें बीजेपी पर तंज कसा गया। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर शेयर की गई पोस्ट में लिखा, बीजेपी ने दिल्ली का क्या हाल कर दिया है। सारे इंजन पैसे लूटने में लगे हैं। एक महीने से हजारों लोगों की जिंदगी बिना पानी के मुश्किल में है।

औरतें नहाने के लिए अपने ऑफिस जाने को मजबूर हैं, बहुत शर्मनाक। उन्होंने आगे लिखा कि दिल्ली की जनता से वोट मांगने वाले प्रधानमंत्री ने जनता को एक भ्रष्ट और नाकाबिल सरकार के भरोसे छोड़ दिया है, और टॉफियां बांटने की रील बनाने में लगे हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे देश में बढ़ती पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों को लेकर भी आप ने बीजेपी पर हमला बोला था।

कोटद्वार में नकली दवाइयों की फैक्ट्री सील

देहरादून, 24 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में नकली दवाइयों के कारोबार के खिलाफ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोटद्वार क्षेत्र में संचालित एक अवैध फैक्ट्री को सील कर दिया है। यह कार्रवाई राज्य में चलाए जा रहे "ड्रग्स फ्री देवभूमि" अभियान के तहत की गई, जिसका उद्देश्य मानव जीवन से खिलवाड़ करने वाले अपराधियों पर सख्त प्रहार करना है।

प्रेस नोट के अनुसार, एसटीएफ द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन फेक पिल" के तहत यह 24 घंटे के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई है। टीम को सूचना मिली थी कि कोटद्वार के सिडकुल सिगड्डी क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में अवैध रूप से नकली दवाइयों का निर्माण किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद एसटीएफ ने संबंधित विभागों के साथ मिलकर "मैसर्स नैक्टर हर्ब्स एंड ड्रग्स" नामक प्रतिष्ठान में छापेमारी की। जांच के दौरान पाया गया कि फैक्ट्री का औषधि निर्माण लाइसेंस वर्ष 2024 में ही निरस्त किया जा चुका था, इसके बावजूद परिसर में दवा निर्माण की मशीनें और उपकरण सक्रिय रूप से मौजूद थे।

मौके से लगभग 3 किलोग्राम कम्प्रेस्ड टैबलेट और टैबलेट बनाने में प्रयुक्त 34 पंच उपकरण बरामद किए गए। प्रथम दृष्टया यह मामला औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 का उल्लंघन पाया गया। फैक्ट्री के मालिक की पहचान विशद कुमार पुत्र भीम सिंह, निवासी चांदपुर, जिला बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। एसटीएफ ने फैक्ट्री को सील कर दिया है।

दिल्ली जिमखाना क्लब को नोटिस पर किरण बेदी का 'दुर्भाग्यपूर्ण' पोस्ट

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में लुटियंस इलाके में स्थित जिमखाना क्लब की स्थापना अंग्रेजों ने की थी। कभी भारतीयों के लिए प्रतिबंधित था और आज भी यह सत्ता व सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। हाल ही में, केंद्र सरकार ने क्लब परिसर को खाली करने का निर्देश दिया है, जिससे इसकी सदस्यता और विवादों पर फिर से चर्चा हो रही है। वहीं, पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने केंद्र सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए अपने आफिशयल एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है। पूर्व आईपीएस किरण बेदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'यह बहुत बुरा है। यह सच में बहुत दुखद है।

कहा, 'उम्मीद है इस प्रपोजल पर दोबारा सोचा जाएगा'। उन्होंने अरुण जेटली को टैग करते हुए लिखा कि अरुण जेटली ने अपनी जिंदगी में एक नया पूल बनवाया था। यहां कुछ बेहतरीन टेनिस मैच खेले गए हैं। किरण बेदी ने कहा, 'इस जगह से बहुत सारा इतिहास, बहुत सारी यादें और कई पीढ़ियों का बेहतरीन खेल जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली जिमखाना क्लब सिर्फ एक प्रॉपर्टी नहीं है।

श्राद्ध कर्म के दौरान आयोजित भोज खाने से 4 लोगों की मौत

25 लोग पड़े बीमार, मचा हड़कंप

झारसुगुड़ा, 24 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के झारसुगुड़ा और सुंदरगढ़ से बेहद दुखद और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां 10वीं के श्राद्ध कर्म के दौरान आयोजित भोज खाने के बाद चार लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 25 लोग बीमार पड़ गए। शुरुआती जांच में फूड पॉइजनिंग को इस हादसे की वजह माना जा रहा है।

दोनों जिलों में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीमें जांच में जुट गई हैं। सबसे पहला मामला सुंदरगढ़ जिले के हेमगिरी ब्लॉक के नुआडीही गांव से सामने आया। यहां एक परिवार में 10वीं का श्राद्ध कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गांव के कई लोग इस भोज में शामिल हुए थे और भोजन किया था।

128 करोड़ के फर्जी जीएसटी रैकेट पर ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई दिल्ली- भोपाल कनेक्शन का खुलासा, 8 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 128 करोड़ के फर्जी जीएसटी इनवॉइसिंग घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस हाई-प्रोफाइल फर्जीवाड़े में अब तक कुल 8 आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं। जांच में सामने आया है कि बेरोजगारी का झांसा देकर लोगों के दस्तावेज हासिल किए जाते थे और उनके नाम पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये का जीएसटी फ्रॉड किया जा रहा था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक यह पूरा खेल फर्जी कंपनियां बनाकर नकली जीएसटी बिल और फर्जी टैक्स रिफंड के जरिए सरकारी खजाने को चूना लगाने का था। शिकायतकर्ता के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर आर.के. एंटरप्राइजेज नाम से फर्जी फर्म बनाई गई थी।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पुनीत जो शिकायतकर्ता का परिचित थाने नौकरी दिलाने के बहाने उसके पहचान पत्र और वित्तीय दस्तावेज हासिल किए। बाद में इन्हें भोपाल निवासी

हेमंत मुलानी उर्फ हनी को भेज दिया गया। हेमंत मुलानी ने इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली जीएसटी में फर्जी फर्म रजिस्टर करवाई और इसके डिजिटल क्रेडेंशियल्स दूसरे आरोपियों को बेच दिए। बदले में मोटी रकम वसूली गई। पुलिस के अनुसार आरोपी जीएसटी सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर फर्जी इनवॉइस और नकली जीएसटी रिटर्न दाखिल करते थे। गिरफ्तार आरोपी हेमंत मुलानी भोपाल का रहने वाला कॉमर्स ग्रेजुएट है और अकाउंटेंट के तौर पर काम करता था।पूछताछ में सामने आया कि उसे जीएसटी रिफंड सिस्टम और उसकी तकनीकी कमियों की अच्छी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने कई फर्जी फर्में खड़ी कीं और उनके डिजिटल एक्सेस बेचने लगा।वहीं दूसरा आरोपी पुनीत दिल्ली के यमुना विहार में टीवी मैकेनिक का काम करता है।

काम के दौरान लोगों के दस्तावेजों की डिजिटल कॉपी उसके पास पहुंचती थी, जिन्हें वह पैसों के लालच में गिरोह को उपलब्ध कराता था। ईओडब्ल्यू की टीम ने एसीपी वीरेंद्र कादयान की निगरानी में दिल्ली-एनआरसी के कई इलाकों में लगातार छापेमारी की। इसके बाद 19 मई को हेमंत मुलानी और पुनीत को गिरफ्तार कर लिया गया। ईओडब्ल्यू अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लाभार्थियों, फर्जी कंपनियों और टैक्स चोरी के बड़े सिंडिकेट की जांच में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

कपूरथला जेल में कैदियों के दो गुटों में हिंसक झड़प, पुलिस ने लाठीचार्ज कर दागे आंसू गैस के गोले, 3 जख्मी

कपूरथला, 24 मई (एजेंसियां)। पंजाब में कपूरथला सेंट्रल जेल के ब्लॉक नंबर 4 में कैदियों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। पुलिस और जेल अधिकारियों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की लेकिन स्थिति को नियंत्रण में करने में कामयाब नहीं हुए। बाद में कैदियों को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। हालांकि कैदी किस मुद्दे को लेकर आपस में लड़ रहे थे ये अभी जेल विभाग ने नहीं बताया है। कई कैदी बैरेक की छत पर चढ़ गए थे। घटना में तीन कैदी घायल हुए हैं। कुछ कैदियों ने जेल की छत पर कुछ कपड़ों में भी आग लगा दी।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 25 मई - 2026

मुई नारि भई संपत्ति नासी-मूड़ मुड़ाइ भए संन्यासी

रघु ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों में दो बार सार्वजनिक रूप से देश के लोगों से अपील की और सावधान भी किया है। दस तारीख को उन्होंने रविवार के दिन अपने मन की बात में विस्तार से कहा कि लोग गैस, डीजल, पेट्रोल का इस्तेमाल कम से कम जरूरत के मुताबिक करें। सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करें, फिजूलखर्ची दिखावा न करें ताकि उपयोग की मात्रा कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि सोना न खरीदें, क्योंकि सोने के दाम अंतरर्राट्रीय स्तर पर बहुत बढ़े हैं। 4 मई 2026 को उन्होंने अपने इस अपीलनुमा बयान को दोहराया तथा कहा कि कोरोना सदी का सबसे बड़ा संकट था, जंग दबाव का सबसे बड़ा संकट है। उन्होंने तो विदेश यात्रा में नीदरलैंड तक में जाकर इन बातों को भिन्न शब्दों में दोहराया, हालांकि अधिकारियों ने भी तथ्य रखते हुए कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, अभी देश के पास 60 दिनों का तेल व गैस का भण्डार है तथा यह भी कहा कि फिर भी कम खर्च करें ताकि 1619 करोड़ रोज का अतिरिक्त खर्च कम हो सके। इस कथन के दो पहलू हैं, एक तो प्रधानमंत्री के सावधान करने के बाद देश में पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर अफरा तफरी न मच जाये, लंबी-लंबी लाइनें न लग जाएं। दूसरे रुपये का अपमूल्यन होकर वह 1 डालर 95.28 रुपये पर पहुंच गया है। यह ऐतिहासिक गिरावट है। स्वाभाविक है कि रूपये का अपमूल्यन का फर्क विदेशी मुद्रा पर पड़ता है, क्योंकि तेल, गैस आदि का व्यापार डॉलर में होता है और उसकी तुलना में हमें अरबों रुपये रोज का भारतीय मुद्रा में घाटा होता है।

पहले तो मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद दूं, उन्होंने इस संकट की सूचना समय रहते दे दी। क्योंकि कोरोना संकट के समय उनके विलंबित सूचना देने के कारण लाखों या करोड़ों लोग असुविधा, पलायन और बड़ी संख्या में बीमारी व मौत के शिकार हुए थे इसलिये उनकी इस पूर्व सूचना का मैं उनकी समझदारी पूर्ण सुधार मानता हूँ। यह सुविदित है कि युद्ध का संकट भारी है और इसमें भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अगर इस सरकार के अलावा कोई और सरकार होती तो भी वह इस युद्ध के संकट के लिये कुछ करने की स्थिति में नहीं थी। इसलिये मैं गैस, तेल आदि के दामों के बढ़ने या कठिनाई के लिये अकेले सरकार को जिम्मेवार नहीं मानता। परंतु एक बात अवश्य है कि जो अपील या लाचारी प्रधानमंत्री जी को अब मई 2026 में नजर आ रही है,क्या इसके मूल कारणों के बारे में उन्होंने पहले विचार किया है? हमारा देश गैस के संकट से भले ही इस प्रकार परेशान पूर्व में न रहा हो परंतु प्रदूरुाण से रहा है। प्रतिवर्ष कई लाख मौतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूरुाण के कारण होती हैं। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से लगभग 1998 से धरना, प्रदर्शन, पत्रकार वार्ता और भारत सरकार को ज्ञापन देकर, यह मांग की जाती रही है कि देश में प्रदूरुाण का बड़ा कारण कारें हैं। अकेले दिल्ली शहर में पंजीद्धत और अपंजीद्धत कारों की संख्या 80 लाख से 1 करोड़ है, औसतन 5-10 लाख कारें प्रतिदिन दिल्ली के समीप बाहर के राज्यों से दिल्ली में आती रहती हैं। क्या इतनी कारों की उपयोगिता है? यह प्रश्न विचार योग्य है। हमने निरंतर एक सुझाव दिया है कि श्एक घर-एक कार्य हो और अगर यह सुझाव सरकार ने माना होता तो आज देश की कितनी विदेशी मुद्रा बचती, देश में डीजल, पेट्रोल और गैस की कितनी बचत हुई होती, यह सोचा जाना चाहिए। अगर सरकार ने यह कानून बनाया होता तो देश में लगभग 4 करोड़ कारें सड़कों से हटी होती। याने 40 करोड़ लीटर डीजल, पेट्रोल जिसका आज की दर पर मूल्य लगभग 4000 करोड़ रुपया होगा जो कि प्रतिदिन का बचता। याने एक साल में लगभग 15 लाख करोड़ रुपया सरकार, देश और जनता का बचेगा। प्रदूरुाण 60 प्रतिशत कम हो जायेगा, सड़कों पर जाम कम हो जायेगा और खेती की जमीन का अधिग्रहण कर नये नये फोरलेन, आठ लेन सड़कों व फ्लाई ओवरों की आवश्यकता उतनी नहीं होगी। परंतु यह काम प्रधानमंत्री जी को आसान नहीं है, क्योंकि कार बनाने वाली कंपनियां अकेले दीपावली के दिन ही 1 लाख से अधिक कारें दिल्ली राजधानी में बेचकर लगभग 10 हजार करोड़ का मुनाफा में कमा लेती हैं और जाहिर है कि इस मुनाफे का एक हिस्सा सत्ता, पार्टी और सत्ता के नजदीक के सत्ताकांक्षी दलों में बंटता है। इस सरकार और राजनीति से ऐसे रारुद्रहित की अपेक्षा करना भूत से पूत मांगने जैसा है। हालांकि इस युद्ध के संकट को समझकर आज की सरकार यह कदम उठाये तो वह श्रेरुठकर होगा।

परंतु प्रधानमंत्री जी का आचरण तो उनकी अपनी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री छोड़ो, विधायक, सांसद छोड़ो, साधारण कार्यकर्ता को भी नहीं है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री जी के निरंतर झूठ के प्रयोग से वे अपनी नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता खो चुके हैं। 11 मई को मप्र में उनकी पार्टी के उज्जैन के कार्यकर्ता जिन्हें शायद मुख्यमंत्री और संघ की द्धपा से मप्र पाठयपुस्तक निगम का अध्यक्ष मनोनीत किया गया था, अपने पद का प्रभार लेने उज्जैन से चलकर भोपाल आये थे। दैनिक भास्कर के अनुसार उनके काफिले में 800 से अधिक गाड़ियां थीं, याने एक छोटे से पद ग्रहण करने में लगभग 40 लाख रुपये का डीजल पेट्रोल जल गया। इस आक्रमणकारी पद ग्रहण में कितना टोल टैक्स का नुकसान हुआ, कितना जाम लगा, लोगों को कितनी परेशानी हुई, वह तो चर्चा में ही नहीं है। प्रधानमंत्री की अपील के बाद भी मंत्री विधायकों के कार के काफिले, पायलट गाड़ियों के सायरन के साथ-साथ आम जनता को भयभीत करते हुए सड़कें रोंद रहे थे। मुझे एक अधिकारी ने बताया कि एक मुख्यमंत्री जी तो प्रत्येक दिन रात को हैलीकाप्टर से घर जाकर सुबह राजधानी में आ जाते हैं। अभी तो भाजपा और सरकार बंगाल के चुनाव को शाम दाम दंड भेद की जीत के जश्न मनाने में लगी है।

हालांकि प्रधानमंत्री जी का आंकलन सही है कि युद्ध के समाप्त होने की संभावनायें जल्दी नजर नहीं आती। अमेरिकी रारुट्रपति श्री ट्रंप ने बयान दिया कि युद्ध के विराम की वार्ता वेंटिलेटर पर है और एक बार वेंटिलेटर पर जाने के बाद मरीज की सांस तभी तक चलती है जब तक वेंटिलेटर पर मरीज रहता है। परंतु कई दिनों के बाद ट्रम्प का यह पहला बयान आया है जो सच के करीब व गंभीर है। दरअसल अमेरिका ईरान से परास्त नहीं हुआ है बल्कि अपनी रणनीति में असफल होने के कारण फँस गया है।

जहाँ तक मेरी जानकारी में है और सीपरी के आंकड़ों के अध्ययन से निरुकर्रा निकलता है कि अमेरिका के पास आज भी ईरान व दुनिया को मिटाने की ताकत है। एक छोटा सा परमाणु बम 20 लाख लोगों की जान ले सकता है, परंतु इसका प्रयोग करना अमेरिका के लिये लगभग असंभव कार्य है। ईरान, अमेरिका और इजराइल युति का जो एक बड़ा लक्ष्य था कि ईरान के प्रभावकारी नेतृत्व को खत्म करने के बाद हताश ईरान को समर्पण के लिये लाचार किया जाये तथा जो 4600 किलो संवर्धित यूरेनियम याने परमाणु की शक्ति ईरान ने तैयार कर ली है उसे छीन लिया जाये। ईरान इसके लिये तैयार नहीं है।

देश को शर्मसार करती राजनीतिक बदजुबानी

राज कुमार सिंह

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'गद्दार' कहना हमारी राजनीति के भाषाई पतन की पराकाष्ठा है। अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के दौरे के समय जब राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की, तब प्रधानमंत्री पांच देशों की यात्रा पर थे। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री पर देश की आर्थिक व्यवस्था को बेच देने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि आर्थिक तूफान आ रहा है, जिससे मोदी सरकार आपको नहीं बचा पायेगी। एक जनसभा में दिये गये राहुल गांधी के इस भाषण से साफ है कि वह पश्चिम एशिया में जारी टकराव से स्टेट ऑफ हार्मुज बंद हो जाने के परिणामस्वरूप गहराते वैश्विक ऊर्जा संकट की बात कर रहे हैं, जिसका असर भारत पर भी दिखने लगा है। जाहिर है, जब संकट वैश्विक है, तो उसके असर से भारत भी अछूता नहीं रह सकता।

यह भी कि ऐसी संकटकालीन परिस्थितियों से निपटने की जिम्मेदारी हर देश की सरकार की है, जिसमें जन सहयोग भी जरूरी है। बेशक संकट से निपटने के सरकारी उपायों और उनकी सफलता का विश्लेषण होना चाहिए और उन पर राजनीतिक टीका-टिप्पणी भी, लेकिन संकट की आहट के साथ ही सरकार पर नाकामी की ठप्पा लगाना राष्ट्र ही चिंता कम, आपदा में राजनीतिक अवसर की तलाश ज्यादा लगती है। यह तो दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा की संभावनाएं प्रभावित हो सकने की चिंता में सरकार ने घरेलू मोर्चे पर तत्काल जरूरी सख्त कदम नहीं उठाये, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उसने संकट से निपटने के लिए तैयारियां ही नहीं कीं। जिस स्टेट ऑफ हार्मुज जलमार्ग से वैश्विक ऊर्जा जरूरतों का लगभग 20-22 प्रतिशत कच्चा तेल आयात होता हो, उसके अचानक बंद हो जाने पर रातोंरात वैकल्पिक व्यवस्था संभव ही नहीं, लेकिन ईरान से संपर्क के अलावा ऊर्जा आपूर्ति के नये स्रोत तलाशने की हरसंभव कोशिश की गयी है। हां, अमेरिकी अड़चनों के बावजूद उसमें मिली सफलता की समीक्षा की जानी चाहिए कि क्या और बेहतर किया जा सकता था, पर शायद वैसी सकारात्मक सोच किसी भी ओर भी नहीं है। बेशक लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनादेश से ही बनी है, लेकिन हमारे देश में राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति पर राजनीतिक सहमति की परंपरा रही है, जो भाजपा और विपक्ष की बीच कटुता की भेंट चढ़ती गयी है। पिछले 12 साल में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर ही अपवाद रहा, जब केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुला कर सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेने की पहल की। उसका सकारात्मक परिणाम भी निकला, हालांकि राजनीतिक कटुता के ही चलते वह ज्यादा दिन टिका नहीं रह सका तथा सत्तापक्ष और विपक्ष फिर एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने में लग गये। बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक हितों और एजेंडा का टकराव स्वाभाविक है। इसीलिए असहमति को लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व माना गया है, लेकिन वैचारिक 'मतभेद' के 'मनभेद' में तब्दील हो कर राजनीति का अमर्यादित हो जाना न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही राष्ट्र हित में। अगर सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को 'देशद्रोही' या 'गद्दार' कहने लगें तो मानना चाहिए कि हम गंभीर राजनीतिक संकट के मुहाने पर पहुंच गये हैं। बेशक यह एकतरफा नहीं है। प्रधानमंत्री पर नेता प्रतिपक्ष की आपत्तिजनक टिप्पणी के जवाब में कांग्रेस पर 'अर्बन नक्सल' सोच का आरोप लगानेवाली भाजपा ने अतीत में भी राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं की बाबत कुछ भी कहने में संकोच नहीं किया। खुद नरेंद्र मोदी ने संसद में बोलते हुए 'बाल बुद्धि' संबंधी टिप्पणी के सहारे नेता प्रतिपक्ष पर ही, बिना नाम लिये, निशाना साधा था, पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को 'गद्दार' कह कर राहुल गांधी राजनीतिक और भाषाई मर्यादा की तमाम सीमाएं लांघ गये हैं।

चंद उद्योगपतियों के प्रति सरकार के कथित प्रेम तथा अमेरिका-चीन से रिश्तों में उतार-चढ़ाव को ले कर राहुल गांधी अकसर मोदी सरकार से सवाल पूछते रहे हैं। बेशक समस्याओं और नीतियों को ले कर सरकार से सवाल पूछने का अधिकार मीडिया समेत आम आदमी को भी है। उचित माध्यम से सरकार को उनके जवाब भी देने ही चाहिए, लेकिन जिम्मेदार देश और सभ्य समाज में सवाल पूछने के भी कुछ स्वीकार्य तरीके होने ही चाहिए। विपक्ष की शिकायत है कि मीडिया सवाल नहीं पूछता। अगर यही धारणा जनता की बन गयी तो खुद मीडिया की भूमिका पर सवालिया निशान लग जायेगा।

संसदीय लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं। न सिर्फ लोकतंत्र की सफलता के लिए, बल्कि बेहतर समाज और देश बनाने के लिए भी जरूरी है कि दोनों ही परस्पर सम्मान के साथ समन्वय से अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वाह करें। विडंबना यह है कि पिछले एक दशक में यह आस, निराशा में ही ज्यादा बदलती गयी है। शायद दशकों तक देश पर निष्कंटक राज करनेवाली कांग्रेस इस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर पा रही है कि देश और ज्यादातर प्रदेशों ने भी अब सरकार चलाने के लिए भाजपा को चुना है, पर सच से कब तक मुंह चुराया जा सकता है? बेशक दशकों के संघर्ष के बाद मिले सत्ता के ऐसे व्यापक जनादेश से भाजपा में भी अहमन्यता के बजाय दायित्व और फलदार वृक्ष की तरह विनम्रता का भाव ज्यादा आना चाहिए। वैसे चार राज्योंः हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और केरलम में तो कांग्रेस की सरकारें हैं। झारखंड, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है।

शेष प्रदेशों और केंद्र में उसकी भूमिका विपक्ष की है, जिसे कमतर नहीं आंका जा सकता, पर निभाने में कांग्रेस बहुत सफल नजर नहीं आती। लोकतंत्र और देश के प्रति सत्तापक्ष और विपक्ष की जिम्मेदारीपूर्ण भूमिकाओं जितना ही अहम् है परस्पर व्यवहार और आचरण। दरअसल दोनों ही इन जन अपेक्षाओं पर खरा उतरते नजर नहीं आते। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और सम्मान भाव की जगह परस्पर कटुता की खाई लगातार चौड़ी होती जाना किसी के भी हित में नहीं है। अगर विपक्ष सरकार पर 'देश बेचने' का आरोप लगाये और सत्तापक्ष जवाब में उसे 'अर्बन नक्सल' बताते हुए 'देशद्रोही' का प्रमाणपत्र बांटने लगे तो परस्पर संवाद की संभावनाएं लगातार क्षीण ही होती जायेंगी।

अमेरिका-ईरान युद्ध से महंगाई के कारण आमजन प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की संभावना ना हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात ना हो फिर भी एक बात साफ है कि अमेरिका-ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। चाहे एशिया के देश हो या फिर योरोपीय देश सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल ही हो रहे हैं। पिछले दस-पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल- एलपीजी-सीएनजी-पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हांलाकि वर्तमान हालातों में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये या आंदोलन-प्रदर्शन करें पर अंतरराष्ट्रीय हालातों से आंख नहीं मूंदनी चाहिए। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए। वैसे भी जब संकट का दौर हो और उस संकट के लिए हम या हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं हो तो फिर देश में नकारात्मक माहौल बनाने के स्थान पर सकारात्मक माहौल बनाया जाना चाहिए। यह किसी एक व्यक्ति या किसी एक दल का नहीं अपितु सभी राजनीतिक दलों का दायित्व हो जाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका-ईरान युद्ध ना होकर अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हार्मुज संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रुप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनावद्ध तरीके से तेजी से और बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है।

आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। एक देश की दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लोजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाएं तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि के कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लोजिस्टिक का हो तो उसका सीधा सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ ही वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रष्न है देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं। खाद्य तेलों में भी आयात पर निर्भरता अधिक है। लाख प्रयासों के बावजूद तिलहन मिशन से तिलहनों का उत्पादन तो बढ़ा है पर अभी विदेशी निर्भरता बनी हुई ही है। इसी तरह से अन्य वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक सेवा क्षेत्र का प्रष्न है स्वीगी-जोमेटो आदि सेवा प्रदाताओं ने पिछले दिनों में अपने दामों में 16 फीसदी से भी अधिक की बढ़ोतरी कर दी है। मोबाइल सेवा प्रदाताओं ने प्लानों को रिवाइज किया हैं तो उबेर-ओला जैसे सेवा प्रदाताओं ने किराया बढ़ा दिया है। हो तो यहां तक रहा हैं कि बैंकों द्वारा जमाओं पर ब्याज दर में कमी लाना शुरु कर दिया है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोजिस्टिक लागत बढ़ेगी तो उसका असर सभी वस्तुओं में देखने को मिलेगा। भारत सरकार वेनेजुएला से वैकल्पिक तरीके से कच्चे तेल लाने का प्रयास कर रही है तो अन्य विकल्प भी खोजे जा रहे हैं। पर यह साफ हो जाना चाहिए कि कच्चे तेल की आपूर्ति जब तक सामान्य नहीं हो जाती तब तक पूरी तरह से संकट समाप्त होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इन वैश्विक हालातों के पीछे अमेरिका-ईरान की हठधर्मिता ही है। अमेरिका-इजरायल ने ईरान से लड़ाई शुरु करते समय रुस यूक्रेन युद्ध के हालातों से सबक नहीं लिया। रुस के सामने यूक्रेन पिद्दी सा देश होने के बावजूद आज तीन साल से भी अधिक समय होने के बावजूद निर्णायक स्तर पर नहीं पहुंचा है। पर अमेरिका ने यह सोचा था कि दो-तीन दिन में ही ईरान को घुटने टिकवा देंगे और यही अमेरिका की नासमझी रही। मानो या ना मानो पर वास्तविकता यह है कि आज अमेरिका के सामने अपनी प्रतिष्ठा बनाये रखने का संकट आ गया है और यही कारण है कि अंदरखाने अमेरिका और ट्रंप किसी भी तरह से सीज फायर के लिए प्रयासरत है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि युद्ध में नुकसान अमेरिका को ही अधिक हो रहा है। ईरान तो अपने घर से लड़ रहा है और उसके निशाने पर आसपास के देश है। ऐसे में स्टेक तो अमेरिका-इजरायल का ही हो जाता है। इसके अलावा एक बात और समझनी होगी कि ट्रंप 2 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आये दिन तुगलकी फरमान जारी कर दुश्मन ही दुश्मन बनाएं है। गली के गुंडे जैसी पहचान बन गई है ट्रंप की तो दूसरी और अमेरिका के ही अधिकांश लोगों का भरोसा ट्रंप ने खो दिया है।

ऐसे में सम्मानजनक सीजफायर ही अमेरिका के लिए अब इस संकट से निकलने का रास्ता रह गया है और इसके लिए ही अंदरखाने प्रयास जारी है।

सीमा सुरक्षा बल : छह दशक बाद बढ़ी जिम्मेदारी और चुनौतीपूर्ण मोर्चे

अनिकेत सिंह

सीमा सुरक्षा बल (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) नाम का एक अर्धसैनिक बल वैसे तो वर्ष 1965 से अस्तित्व में है। लेकिन हाल ही में पश्चिम बंगाल राज्य में जो राजनीतिक उथल-पुथल हुई, उसके बाद इस बल का महत्व अचानक बहुत बढ़ गया है। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं की बहुत बड़ी संख्या भारत में घुस आई है और आज भी उनका प्रवेश जारी है।

प्रश्न उठता है कि क्या पश्चिम बंगाल की सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स तैनात नहीं थी? इसका उत्तर है कि यह अर्धसैनिक बल बांग्लादेश सीमा पर पहले से मौजूद था। लेकिन उन्हें अपनी ड्यूटी निभाने में राज्य सरकार की ओर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा था। अब परिस्थितियां तेजी से बदलेंगी। राज्य में बनी नई भाजपा सरकार खुली हुई सीमाओं को जल्द सील करने की तैयारी में है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि कश्मीर सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों की संख्या के बाद दूसरा सबसे बड़ा मोर्चा बांग्लादेश सीमा पर है। पूरे पूर्वोत्तर भारत में चीन की घुसपैठ भी जारी है। साथ ही हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए नेपाल, बांग्लादेश और बर्मा की कुछ कड़ियां पूर्वोत्तर भारत से जुड़ी हुई हैं। इस क्षेत्र में इंटेलिजेंस ब्यूरो तथा रॉ (रिसर्च एंड एनालिसिस विंग) के 800 से अधिक अधिकारी सक्रिय हैं। इसके अलावा बीएसएफ की अपनी खुफिया शाखा 'जी ब्रांच' भी यहां कार्यरत है। इसके बावजूद बांग्लादेश ने अपने 3000 सैनिकों को राकेट लॉन्चर और मोर्टार तोपों के साथ हमारे क्षेत्र में घुसा दिया था।

प्रकृति की गोद में बसे भारत के उत्तर में आकाश छूती हिमालय की बर्फीली पर्वतमालाएं हैं, तो पश्चिम और दक्षिण में गरजता हुआ महासागर। उत्तर-पश्चिम में पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसता कच्छ-राजस्थान का रेगिस्तान है, तो पूर्वोत्तर में नदियों, झरनों और घने जंगलों का जाल। ऐसा लगता है मानो प्रकृति ने हिंदुस्तान को चारों ओर से प्राकृतिक सुरक्षा कवच प्रदान किया हो। लेकिन प्रकृति की इस व्यवस्था के बावजूद भारत का इतिहास प्राचीन काल से अनेक विदेशी आक्रमणों का साक्षी रहा है। हर युग, हर सदी में भारत ने असंख्य आघात झेले हैं और अनेक हमलों का सामना किया है। आज भी हमारे पड़ोसी अपनी हरकतों से बाज नहीं आते।

1962 में चीन ने पहली बार मित्रता का दिखावा कर भारत पर अचानक हमला किया था। तब पूरा देश स्तब्ध रह गया था। इसके तीन वर्ष बाद 1965 में पाकिस्तान ने कच्छ के रण क्षेत्र में घुसपैठ कर भारत की सीमा सुरक्षा की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

9 अप्रैल,1965 को पाकिस्तानी सेना की 51वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड कच्छ के रण में घुस आई थी। उस समय गुजरात राज्य की सीमाओं की सुरक्षा राज्य आरक्षित पुलिस बल करता था। पाकिस्तानी सेना ने सरदार पोस्ट, छाड़ बेट और बेरिया बेट जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। राज्य पुलिस इस घुसपैठ का सामना करने में असमर्थ साबित हुई, तब तत्काल सीआरपीएफ तथा भारतीय सेना की मदद लेनी पड़ी। दिसंबर,1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध छिड़ गया। तब सीमा पर अग्रिम पंक्ति में किसी अर्धसैनिक बल को तैनात करने की आवश्यकता महसूस हुई।

इन दो घटनाओं के बाद भारत सरकार सीमा सुरक्षा के विषय में गंभीरता से विचार करने लगी। उस समय देश की सीमाओं की सुरक्षा विभिन्न राज्यों की सशस्त्र पुलिस टुकड़ियां करती थीं। लेकिन अलग-अलग राज्यों के पुलिस बलों में प्रशासनिक एकरूपता नहीं थी, जबकि उनका उद्देश्य एक ही था, सीमा सुरक्षा। अंततः केंद्र सरकार ने देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए एक अलग बल गठित करने का निर्णय लिया और उसका नाम रखा गया सीमा सुरक्षा बल अर्थात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, जिसे संक्षेप में बीएसएफ कहा जाता है।

कुमार कृष्णन

हाँ साहब हम कॉकरोच हैं!

सुबह के ठीक सवा छह बजे थे। अलार्म ने चिल्ला कर अपनी ड्यूटी पूरी की मगर चादर के भीतर से जो हाथ मोबाइल को स्नूज़ करने निकला, वह सामान्य हाथ नहीं था। उसमें ढेर सारे बारीक कांटेदार पैर थे। कबीर जो रात को एक अदद बेरोजगार, रील स्क्रॉलर और जिंदगी से हारा हुआ इंसान बनकर सोया था, सुबह उठते ही एक चमकीले कत्थई कॉकरोच में तब्दील हो चुका था। उसकी रीढ़ की हड्डी अब एक कड़े खोल में बदल चुकी थी और सिर पर दो एंटीना हवा में किसी अदृश्य वाईफाई सिग्नल को ढूंढने की नाकाम कोशिश कर रहे थे। एक ऐसा युवा जिसके पास कल तक केवल एक पुराना लैपटॉप और रिज्यूमे की ढेरों रिजेक्शन मेल थीं, आज उसके पास छह पैर थे। उसने करवट लेने की कोशिश की, मगर उसकी पीठ का वह नया कड़ा कवच जमीन से चिपक गया। यह ठीक वैसा ही था जैसे कोई मिडिल क्लास लड़का अचानक से किसी कॉरपोरेट कंपनी के एग्रीमेंट में फंस जाए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता सीधे एचआर के केबिन की तरफ जाता है, मगर रास्ता हमेशा बंद मिलता है। कबीर ने खिड़की से आती धूप को देखा जो अब उसे जीवन की रोशनी नहीं, बल्कि एक बड़ा सा सर्चलाइट लग रही थी जो उसकी बेबसी को पूरी दुनिया के सामने एक्सपोज करने के लिए बेताब थी।

कमरे का दरवाजा खुला और मां चाय का कप लेकर अंदर आईं। उन्होंने बिस्तर पर एक बड़े से कीड़े को छटपटाते देखा तो उनकी चीख निकल गई। कबीर कहना चाहता था कि मां, डरो मत, यह मैं ही हूं, आपका अपना कबीर, जो कल रात तक सरकारी नौकरी के फॉर्म भरने की फीस मांग रहा था। मगर उसके मुंह से सिर्फ एक अजीब सी सरसराहट निकली जो किसी बिना नेटवर्क वाले फोन के स्पीकर जैसी थी। मां ने तुरंत चाय का कप साइड में रखा और हाथ में झाड़ू थाम ली। वह लड़का जो कल तक घर का सबसे बड़ा निकम्मा माना जाता था, आज अचानक सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कबीर अपनी छह टांगों के सहारे तेजी से ड्रेसिंग टेबल के नीचे छुपा। वहां पड़े पुराने अखबारों और धूल के बीच उसे लगा कि समाज में उसकी हैसियत पहले भी तो यही थी। बेरोजगार युवक भी तो एक कॉकरोच ही होता है जो हर किसी की नजरों से बचकर कोने में पड़ा रहता है, जिसका होना या न होना किसी के बजट को प्रभावित नहीं करता। झाड़ू की तीलियां उसकी पीठ पर बज रही थीं और वह अपनी पूरी ताकत से उस अंधेरे कोने को जकड़े हुए था, जैसे कोई डूबता हुआ आदमी अपने आखिरी तिनके को पकड़ता है।

दोपहर होते-होते कबीर को अपनी नई जिंदगी का पूरा गणित समझ आ गया था। कॉकरोच होना और इस दौर का युवा होना, दोनों में कोई खास अंतर नहीं है। दोनों को अंधेरे से प्यार होता है, दोनों को बचे-खुचे टुकड़ों पर जिंदा रहना पड़ता है और दोनों से ही समाज को एक अजीब सी घिन होती है। कबीर ने देखा कि उसकी बहन अपने कमरे में बैठकर किसी रील पर हंस रही थी, वही बहन जो कल तक कबीर से अपनी नेटफ्लिक्स आईडी का पासवर्ड मांगती थी।

कबीर दीवार के सहारे रेंगते हुए ऊपर चढ़ा ताकि वह अपनी मां की ममता को एक बार फिर से परख सके। मां फोन पर अपनी सहेली से कह रही थीं कि पता नहीं कबीर सुबह से कहां गायब है, उसका फोन भी यहीं पड़ा है और ऊपर से घर में इतने बड़े-बड़े कीड़े निकल आए हैं, कल ही लक्ष्मण रेखा लाकर पूरे घर में खींचनी पड़ेगी। कबीर को लगा कि यह लक्ष्मण रेखा तो उसके चारों तरफ सालों से खिंची थी, जिसे पार करने की कोशिश में वह हर इंटरव्यू से बाहर फेंक दिया जाता था। आज बस वह रेखा सफेद चाक से बदलकर उसकी सगे-संबंधियों की नजरों में तब्दील हो गई थी। शाम ढली तो घर में कबीर के पिताजी की एंट्री हुई। वह दफ्तर की राजनीति और बॉस की गालियों का सारा बोझ अपने कंधों पर उठाए घर लौटे थे।

कैसे हुआ मां गंगा का धरती पर अवतरण

राजा भागीरथ और शिव जी की दिव्य कथा

हिंदू धर्म में गंगाा दशहरा का बहुत खास महत्व है। हर साल ज्येष्ठ माह में गंगा दशहरा का त्योहार मनाया जाता है। इस बार गंगा दशहरा 25 मई को मनाया जाएगा। माना जाता है कि ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर ही मां गंगा धरती पर उतरी थी। यही वजह है कि इस दिन को गंगा दशहरा के तौर पर मनाया जाता है।

इस दिन गंगा में स्नान करने, जप-तप और दान-पुण्य का विशेष महत्व है। माना जाता है कि सच्चे मन से गंगा में स्नान करने और शिव जी की पूजा करने से जीवन में आने वाली हर परेशानी से छुटकारा मिलता है। इस दिन पूजा के साथ मां गंगा की कथा पढ़ने से जीवन में आने वाले हर परेशानी से छुटकारा मिलता है और सभी पापों का नाश होता है। तो आइए जानते हैं गंगा दशहरा की कथा के बारे में-

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में अयोध्या में राजा भागीरथ हुआ करते थे। वह भगवान श्रीराम के पूर्वज भी माने जाते हैं। राजा भागीरथ के पूर्वजों की मुक्ति के लिए गंगा के जल में उनका तर्पण करने की जरूरत थी। उस समय गंगा नदी सिर्फ स्वर्ग में बहती थी। भागीरथ के दादा और पिता ने गंगा को धरती पर लाने के लिए कई सालों तक तपस्या की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद राजा भागीरथ भी हिमालय में चले गए और कठोर तपस्या में लीन हो गए। एक दिन गंगा देवी भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न हो गईं और उन्होंने धरती पर आने का आग्रह स्वीकार कर लिया। मगर भागीरथ के सामने एक दुविधा आ खड़ी हुई। दरअसल, गंगा का वेग इतना ज्यादा था कि उसके धरती पर कदम रखते ही तबाही का खतरा हो सकता था।

राजा भागीरथ बेहद विचलित हो गए और भगवान शिव की अराधना करने लगे। इस बीच माता गंगा अपने गति को लेकर अहंकार में थीं। सिर्फ महादेव यानी भगवान शिव ही थे जो गंगा के वेग को नियंत्रित कर सकते थे। राजा भागीरथ को जब ये पता चला तो उन्होंने शिवजी की तपस्या शुरू कर दी। करीब एक साल तक वे एक पैर के अंगूठे पर खड़े होकर बिना कुछ खाए पिए शिवजी की आरधना करते रहे। भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न हुए और गंगा को धरती पर लाने में उनकी सहायता करने का आग्रह स्वीकार कर लिया।

फिर ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से गंगा की धारा प्रवाहित की। शिवजी ने अपने जटाओं में उस धारा को समेट लिया। लगभग 32 दिनों तक गंगा नदी शिव की जटाओं में विचरण करती रही। फिर ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी के दिन महादेव ने अपनी एक जटा खोली और गंगा का धरती पर अवतरण हो गया। भागीरथ ने हिमालय के दुर्गम पहाड़ों के बीच गंगा नदी का रास्ता बनाया और उसका पानी मैदानी इलाके तक पहुंचाने में मदद की।

इसके बाद राजा भागीरथ ने अपने पूर्वजों का गंगाजल से तर्पण कर उन्हें मुक्ति भी दिलाई। राजा भागीरथ के वजह से माता गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था इसीलिए उन्हें भागीरथी भी कहा जाता है। स्कन्दपुराण में गंगा दशहरे के दिन का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा नाम के स्मरण मात्र से ही सभी पापों का अंत हो जाता है।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक इस दिन जल, अन्न, फल, वस्त्र,पूजन व सुहाग सामग्री, घी, नमक, तेल, शक्कर और स्वर्ण का दान करने व्यक्ति को हर तरह का लाभ मिलता है।

इसके अलावा गंगा दशहरा के दिन मां गंगा की वरदान पाने के लिए इस मंत्र का जाप भी करना चाहिए। मंत्र है "ॐ नमो गंगायै विश्वरूपिण्यै नारायण्यै नमो नमः' मान्यता है कि इस मंत्र के जाप से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं और उसे परम पुण्य की प्राप्ति होती है।

गंगा स्नान के समय न करें ये गलतियां, वरना बनेंगे पाप के भागी!

गंगा दशहरा पर्व 25 मई को मनाया जाएगा, जो मां गंगा के धरती पर अवतरण का दिन है. इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है, जिससे पापों का नाश होता है और मोक्ष मिलता है. हालांकि, शास्त्रों में गंगा स्नान के कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका पालन अनिवार्य है.

सनातन धर्म शास्त्रों में ज्येष्ठ माह बहुत महत्वपूर्ण माना गया है. इस माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि बड़ी पवित्र और विशेष मानी गई है. पौराणिक मान्यता है कि यही वो दिन था जब मां गंगा स्वर्गलोक से धरती पर अवतरित हुईं थीं. मां गंगा के धरती पर अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के पर्व के रूप में मनाया जाता है. इस साल गंगा दशहरा का पर्व 25 मई को मनाया जाने वाला है. इस दिन मां गंगा की पूजा और गंगा स्नान का विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा दशहरा के पावन दिन पर गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है. साथ ही मां गंगा का आशीर्वाद मिलता है, जिससे जीवन सुख-शांति और सकरात्मकता बनी रहती है, लेकिन धर्म शास्त्रों में गंगा स्नान स्नान के कुछ विशेष और कठोर नियम सनातन धर्म शास्त्रों में बताए गए हैं. इन नियमों का पालन करने पर ही गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त होता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि गंगा स्नान के समय किन गलतियों से बचें?

गंगा स्नान के समय न करें ये गलतियां

बिना आशीर्वाद के नदी में डुबकी नहीं: गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करते समय एक खास बात का ध्यान रखें. कभी भी गंगा नदी में सीधी डुबकी न लगाएं. पहले दोनों हाथों से मां गंगा को प्रणाम करें. फिर, जल में पांव रखने के लिए मां से क्षमा मांगे. इसके बाद मां गंगा का आशीर्वाद लेकर गंगा नदी में डुबकी लगाएं. ऐसा करने से गंगा स्नान का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

महिलाएं बाल खुले न रखें: महिलाएं गंगा नदी में डुबकी लगाने से पहले अपने बाल बांध लें. मान्यता है कि गंगा नदी में कभी भी महिलाओं को बाल खुले रखकर स्नान नहीं करना चाहिए. ऐसा करना अशुभ माना जाता है. पीरियड्स के दौरान गंगा स्नान उचित नहीं है.

5 या 7 बार डुबकी जरूर लगाएं: गंगा नदी में डुबकी लगाते समय कम से कम 5 या 7 बार डुबकी लगाएं. 5 या 7 बार डुबकी लगाने से ही पूर्ण फल मिलता है, पापों से मुक्ति मिलती है और और मोक्ष के द्वार खुलते हैं।

कपड़े न धोएं: गंगा स्नान के बाद कभी भी वहां बैठकर कपड़े न धोएं. शास्त्रों में ऐसा करना वर्जित माना गया है. ऐसा करने वाले स्नान के फल से वंचित रह जाते हैं. इसके अलावा स्नान करते समय साबुन, शैंपू आदि का इस्तेमाल न करें, कुल्ला न करें और मल-मुत्र न त्यागें।

बिना वस्त्र पहने डुबकी न लगाएं: गंगा में हमेशा वस्त्र पहनकर ही डुबकी लगाएं. बिना वस्त्र के पवित्र नदी में स्नान करना शुभ नहीं माना जाता है।

घर में लगाएं शहतूत का पौधा, खुल जाएंगे बंद किस्मत के ताले और तरक्की के रास्ते

शहतूत का पौधा घर में लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। शहतूत के पौधे की उम्र काफी लंबी होती है ऐसे में वास्तु के अनुसार, घर में जब इसे लगाया जाता है तो घर में स्थिरता बनी रहती है साथ ही माना जाता है कि परिवार के सदस्यों की उम्र भी लंबी होती है। शहतूत का पेड़ मजबूत माना जाता है। कहते हैं इसकी जड़े जमीन में काफी गहरीई तक फैली होती है और यह चारों ओर फैलता है। ऐसे में इसे घर के आंगन में या खुली जगह में लगाएं। वास्तु के अनुसार, ठीक इसी प्रकार इसे घर में लगाने पर घर की आर्थिक स्थिति, व्यापार और नौकरी में स्थिरता आती है। माना जाता है कि जैसे-जैसे यह पौधा घर में फलता-फूलता है उसी तरह घर में सुख समृद्धि बढ़ने लगती है।

शहतूत का पौधा किस दिशा में लगाया गया है, यह भी बहुत मायने रखता है। वास्तु के अनुसार, शहतूत का पौधा हमेशा उत्तर या फिर पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। माना जाता है कि इस दिशा में शहतूत का पेड़ लगाना बेहद फलदायी माना जाता है। शहतूत के पौधे को गलती से भी बेडरुम में न रखें।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शहतूत का पेड़ सुरक्षा कवच की तरह भी काम करता है क्योंकि कहा जाता है कि जिस भी घर के पास शहतूत का पेड़ होता है वहां पर कभी भी किसी का किया, ऊपरी हवा और किसी की बुरी नज़र नहीं लगती। कहते हैं कि शहतूत का पेड़ पास होने से नकारात्मक ऊर्जा भी असर नहीं करती।

हरा भरा वातावरण हमेशा सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है। ऐसे में शहतूत के पेड़ के पत्ते आस-पास के वातावरण को साफ करता है। कहते हैं कि इससे मानसिक शांति मिलती है और विचार भी शुद्ध रहते हैं। इतना ही नहीं मान्यताओं के अनुसार जैसे-जैसे इस पेड़ पर मीठे फल आते हैं, वैसे-वैसे घर से आर्थिक परेशानियां दूर होती जाती है।

मुख्य द्वार पर इस रंग का पायदान रखने से बरसती है मां लक्ष्मी की कृपा, घर से दूर होगी दरिद्रता!

वास्तु शास्त्र में घर के हर कोने का अपना महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके घर के मैन गेट पर रखा एक छोटा सा पायदान आपके दिन बदल सकता है? अक्सर लोग घर की डैकोरेशन पर तो लाखों रुपए खर्च कर देते हैं लेकिन एंट्रेंस पर रखे पायदान को नजरअंदाज कर देते हैं। वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार वह स्थान है जहां से पॉजिटिव एनर्जी घर में प्रवेश करती है और पायदान उन नेगेटिव वाइब्स को बाहर रोकने का काम करता है, जो कोई व्यक्ति अपने साथ लाता है।

उत्तर दिशा : वास्तु के मुताबिक उत्तर दिशा में हल्के नीले रंग का डोरमेट रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। कहते हैं इस जगह पर भगवान कुबेर का वास होता है और इसी जगह से ही धन का आगमन होता है। इस रंग का पायदान रखने से घर में पैसों की बरकत बनी रहती है।

उत्तर-पूर्व दिशा : घर की आर्थिक स्थिति को पहले से भी ज्यादा बेहतर करने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा में हल्के पीले रंग का डोरमेट रखना चाहिए। ऐसा करने से पैसों के साथ-साथ घर में खुशियां भी बनी रहती हैं।

दक्षिण-पूर्व दिशा : वास्तु के मुताबिक इस दिशा में लाल रंग का पायदान रखना शुभ होता है। घर की उन्नति के लिए ऐसा करना फायदेमंद साबित होता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा : पीले और क्रीम कलर के डोरमेट रखने से घर में मां लक्ष्मी का वास हमेशा बना रहता है और सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

आर्थिक तंगी दूर करने के अचूक उपाय

यदि घर में आर्थिक तंगी चल रही है तो पायदान के नीचे एक छोटे से कपड़े या कागज में लपेटकर थोड़ा सा खड़ा नमक रखें।

अपने घर को बुरी बला या कुदृष्टि से बचाने के लिए फिटकरी का एक छोटा टुकड़ा पायदान के नीचे रखें।

भूलकर भी न करें ये गलतियां

किसी भी तरह का अवशेष या गंदगी पायदान पर कभी भी कोई गंदगी, धूल या अवशेष नहीं होना चाहिए। यह घर की ऊर्जा को दूषित कर सकता है।

पायदान पर किसी भी नकारात्मक चित्र या कृत्रिम प्रतीकों का इस्तेमाल न करें। जैसे कि काले रंग के चित्र या चित्रण जो नकारात्मकता को प्रकट करते हों।

पायदान को हमेशा साफ-सुथरा रखें क्योंकि गंदा पायदान घर में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकता है। नियमित रूप से इसे धोकर रखें और सुनिश्चित करें कि यह हमेशा साफ और ताजगी से भरा रहे।

बुध, शुक्र, केतु का गोचर... नौतपा में ग्रहों का होगा बड़ा उलटफेर, जानें किन राशियों के बदलेंगे दिन

हिंदू धर्म में नौतपा का विशेष महत्व है. नौतपा का संबंध सूर्य गोचर से बताया जाता है. कहा जाता है कि जब सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब नौतपा की शुरुआत होती है. ये नौ दिनों का होता है. इसमें सूर्य देव की पूजा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है. इस दौरान सूर्य देव धरती के सबसे करीब होते हैं और उनकी सीधी किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे इन नौ दिनों में भयंकर गर्मी पड़ती है. इस साल नौतपा के नौ दिनों की शुरुआत 25 मई से होगी, जोकि 02 जून तक रहेगा।

ज्योतिषविदों के अनुसार, इस साल नौतपा बड़ा विशेष रहने वाला है, क्योंकि नौतपा में एक बड़ा ही दुर्लभ संयोग निर्मित होगा. पंचांग के अनुसार, नौतपा में बड़े ग्रहों का गोचर होगा. इसमें 25 मई को सूर्य रोहिणी नक्षत्र गोचर करेंगे. बुध का मृगशिरा नक्षत्र में गोचर होगा. चंद्रमा भी कई बार राशि बदलेंगे. 29 मई को केतु बुध के नक्षत्र में प्रवेश करेगा. गुरु, शुक्र और राहु का भी गोचर होगा. ज्योतिषविदों का मानना है कि ग्रहों के इस दुर्लभ संयोग से चार राशि के जातकों को बहुत ही शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

मेष राशि

ये समय मेष राशि वालों के लिए बड़ा शुभ रहने वाला है. इस दौरान कार्यस्थल पर आपको बहुत बड़ी उपलब्धि मिल सकती है. प्रेम संबंधों में भी सकारात्मक माहौल बना रह सकता है. संबंधों की उलझनें कम हो सकती हैं.

वृषभ राशि

इस समय में वृषभ राशि के जातकों का कोई जरूरी रुका हुआ काम पूरा हो सकता है. नौकरी-व्यापार के लिहाज से यह आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है.मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है. आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के पारीवारिक जीवन में इस समय खुशियां आ सकती हैं. धन से जुड़े मामलों में भी इस दौरान गति आ सकती है. पैसों से संबंधित परेशानियां समाप्त हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों के लिए इस समय सफलता का नया दौर शुरू हो सकता है. आपको हर काम में सफलता मिल सकती है. करियर के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं. परिवार में सुख-शांति और प्यार-प्रेम बढ़ सकता।

इस कहानी से जानें, किस एक आदत में छिपा है सफलता और समृद्धि का राज

एक किसान को खूब पैतृक संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते। धीरे-धीरे किसान गरीब होने लगा। एक दिन उसका मित्र उससे मिलने आया। यह हालत देखकर उसे बड़ा कष्ट हुआ। उसने किसान मित्र से कहा कि यह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे।

यह सुनकर वह अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास गया। महात्मा ने समस्या सुनने के बाद किसान से कहा, "हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गौशाला और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन से तुम्हारी गरीबी दूर हो जाएगी।"

अगले दिन किसान सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गौशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। अगले कुछ दिनों तक वह खेत व गौशाला के चक्कर लगाता रहा।

इसके परिणामस्वरूप किसान के रिश्तेदार और नौकर अपना काम ईमानदारी से करने लगे। अब किसान आलस्य से मुक्त हो गया, लेकिन उसे नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, "तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ कर्त्तव्य है।" यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

जीवन में आनंद और शांति चाहते हैं, तो अपने भीतर के परमात्मा को पहचानने का प्रयास करें

हमारा शरीर और स्वभाव समय के साथ बदलते रहते हैं, लेकिन हमारी आत्मा कभी नहीं बदलती। आत्मा परमात्मा से अलग नहीं है, हम परमात्मा के ही अंश हैं, जो लोग ये बात समझ लेते हैं, उनके जीवन में आनंद और शांति आ जाती है। जब व्यक्ति अपनी नित्यता और नवीनता का अनुभव करता है, तब उसका तनाव धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इसलिए व्यक्ति को बाहरी परिवर्तन नहीं, बल्कि अपने भीतर की आत्म सत्ता को, परमात्मा को पहचानने का प्रयास करना चाहिए।

बॉलीवुड में मेरी मदद करने वाला कोई नहीं था : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हुए हॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया लिया है और आज एक ग्लोबल स्टार बन चुकी है। हॉलीवुड की बिग बजट फिल्में इस समय उसकी झोली में हैं। इसके अलावा, प्रियंका एस. एस. राजामौली की अगली फिल्म 'वाराणसी' में भी है, जो भारतीय सिनेमा की दूसरी सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही है। प्रियंका ने अपने 20 साल से ज्यादा के फिल्मी करियर में काफी बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। हालांकि, प्रियंका का यह सफर उतना आसान नहीं था, जितना लगता है ।

प्रियंका ने करीब 12 साल तक बॉलीवुड में काम किया, मगर उसे वैसी पहचान नहीं मिली जैसी उसने हॉलीवुड जाकर कमाई है। प्रियंका ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बॉलीवुड के सफर पर बात की और बताया कि कैसे उसने बिना किसी कनैक्शन अपने दम पर पहचान बनाई ।

'देसी गर्ल' के नाम से मशहूर प्रियंका ने कहा, मुझे सीधे मैदान में फेंक दिया गया था। मैं वैसी इंसान हूं कि अगर कोई मुश्किल आ जाए, तो मैं न सिर्फ बचना चाहती हूं, बल्कि उसमें अच्छे से आगे भी निकलना चाहती हूं। मैं हमेशा से बहुत कॉम्पिटिटिव रही- यहां तक कि खुद भी। चाहे सौंदर्य प्रतियोगिता की दुनिया हो या सिनेमा, मेरे परिवार में किसी का भी इस लाइन से कोई कनैक्शन नहीं था इसलिए इस बिजनैस में मेरी मदद करने वाला कोई नहीं था। मुझे बहुत जल्दी सब कुछ खुद सीखना पड़ा ।'

उसने आगे कहा कि वह शुरू-शुरू में अच्छी डांसर नहीं थी। अपने को-स्टार, कोरियोग्राफर के साथ ठीक तरह से तालमेल नहीं बिठा पाती थी । उसको शुरुआत में एक्टिंग करने में भी तकलीफ महसूस होती थी ।

उसके अनुसार उस उम्र में उसके लिए इतना सब सीखना काफी मुश्किल था । उसने इससे जुड़ा एक किस्सा भी सुनाया, जब एक कोरियोग्राफर ने उसे सभी के सामने माइक पर डांट दिया था । उसने कहा, मैं साऊथ अफ्रीका में राजू खान के साथ एक गीत फिल्मा रही थी । मैं बार- बार स्टैप्स और पोजीशन भूल रही थी ।

मेरे 19 या 20 साल के दिमाग के लिए यह सब एक साथ करना बहुत मुश्किल लग रहा था। राजू खान इतने नाराज हो गए कि उन्होंने माइक नीचे फेंक दिया और बोले कि तुम सौंदर्य प्रतियोगिता जीत कर आई हो, लेकिन एक्ट्रैस बनने से पहले डांस तो सीख लेती। फिर वह चले गए। मैं बहुत शर्मिंदा हो गई थी... अब हम अच्छे दोस्त हैं।

प्रियंका ने बताया कि इसके बाद एक बेहतर डांसर बनने के लिए उसने डांस सीखा। कैटरीना कैफ ने उनकी मदद की जिसके साथ रोजाना उसने 6 घंटे प्रैक्टिस की।

उस समय, कैटरीना भी बॉलीवुड की एक उभरती हुई स्टार थी। हालांकि, वह अपने डांस के लिए पहले से ही मशहूर थी। डांस सीखने के बाद प्रियंका 'देसी गर्ल' और 'राम चाहे लीला' जैसे लोकप्रिय डांस नंबर्स में नजर आई।

प्रियंका ने इस साल हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' में काम किया है और हाल ही में उसकी वैब सीरीज 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन रिलीज हुआ । प्रियंका अब सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसैट' में मुख्य भूमिका निभाएगी और इसे सह- ह - प्रोड्यूस भी करेगी।

क्या बुमराह ने भी उड़ाया राम चरण का मजाक? अभिनेता का फोटो शेयर कर यश से की तुलना!

'पेद्दी' फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक्टर राम चरण से ऐसी गलती हो गई, जिसकी वजह से उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्टेज पर बुमराह को फुटबॉलर बता दिया, जिसके बाद उन्होंने माफी भी मांगी। अब इस पूरे मामले पर खुद बुमराह का रिएक्शन सामने आया।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल इवेंट के दौरान एक रैपिड-फायर सेगमेंट में राम चरण ने जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि वो बुमराह के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने 'फुटबॉल को बहुत आगे पहुंचाया है।' यह सुनते ही वहां मौजूद लोग हंस पड़े और सोशल मीडिया पर भी यह क्लिप तेजी से वायरल हो गई। इसके बाद एक्टर को इस स्टेटमेंट के लिए काफी ट्रोल किया गया।

राम चरण ने मांगी माफी

हालांकि बाद में राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर इस गलती के लिए माफी भी मांगी। उन्होंने लिखा, 'उफ्फ... मैं सच में कई बार नाम भूल जाता हूं। जसप्रीत बुमराह जी से इस मिक्स-अप के लिए माफी चाहता हूं। भीड़ और एक्साइटमेंट के बीच यह एक इंसानी गलती थी। मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं और उनके खेल का बड़ा फैन हूं। वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराते हैं।'

जसप्रीत बुमराह का कूल रिप्लाई

अब इतना सब होने के बाद खुद जसप्रीत बुमराह मैदान में उतर आए, और एक मजेदार पोस्ट शेयर की। उन्होंने काफी कूल अंदाज में इस पूरे मामले पर रिएक्ट किया। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बुमराह ने स्टोरी शेयर की, जिसमें राम चरण नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में माफी का जवाब देते हुए लिखा- 'कोई बात नहीं यश भाई। मैं भी आपका बहुत बड़ा फैन हूं। टोक्सिक फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।'

'पेद्दी' फिल्म के बारे में

फिल्म में राम चरण एक मजदूर और स्पोर्ट्समैन के किरदार में नजर आएंगे। 'पेद्दी' में राम चरण और जाह्नवी कपूर के अलावा शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु शर्मा, रवि किशन और बोमन ईरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिकनी वाले वीडियो को लेकर रुक्मिणी वसंत ने दर्ज कराई शिकायत

कहा- 'लड़कियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा'

'कांतारा चैप्टर 1' फेम अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत हाल ही में एआई का शिकार हो गईं। किसी ने बिकिनी में उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए और दावा किया कि ये किसी फिल्म शूट के हैं। हालांकि, शनिवार को एक्ट्रेस ने एआई के इस गलत इस्तेमाल की आलोचना की और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उसी दिन शाम को वह एक इवेंट में पहुंचीं। यहां उन्होंने बताया कि उन्होंने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई है।

मीडियाकर्मी को दिया बयान

शनिवार शाम को, रुक्मिणी बेंगलुरु के अवंतरा में एक इवेंट में शामिल हुईं। जब एक मीडियाकर्मी ने उनसे उनकी एआई-जेनरेटेड तस्वीरों के बारे में पूछा, तो उन्होंने पहले जवाब दिया, 'क्या आपका इंस्टाग्राम या ट्विटर अकाउंट है? मैंने वहां एक बयान पोस्ट किया है, तो आप उसे पढ़ सकते हैं।'

रुक्मिणी ने दर्ज कराई शिकायत

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है, तो

उन्होंने जवाब दिया, 'मैंने अभी-अभी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसलिए, मुझे पूरा भरोसा है कि हमारा साइबर क्राइम विभाग इस मामले को देखेगा। एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि बहुत सी लड़कियों के साथ ऐसा होता है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ किया जाना चाहिए। इसकी शुरुआत तो एक्ट्रेस से होती है, लेकिन अगर यह सिलसिला जारी रहा तो लड़कियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए, लोगों को इस बारे में सोचना चाहिए। एआई के कुछ फायदे भी हैं, लेकिन तभी जब आप इसका इस्तेमाल अच्छे तरीके से करें, न कि नकारात्मक तरीके से।'

रुक्मिणी ने जारी किया बयान

रुक्मिणी की एआई-जेनरेटेड तस्वीरें वायरल होने के बाद, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। उसमें लिखा 'मेरी टीम और मुझे कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें मिली हैं, जो ऑनलाइन प्रसारित हो रही हैं और दावा है कि ये मेरी हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि ये तस्वीरें पूरी तरह से फर्जी और मनगढ़ंत हैं। इस तरह की छेड़छाड़ किए गए किसी भी तरह के कंटेंट को बनाना और उसका प्रसार करना गैर जिम्मेदाराना और प्राइवेसी का उल्लंघन है। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने में शामिल लोगों के खिलाफ जरूरी कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। सभी से अनुरोध है कि ऐसे कंटेंट को शेयर करने या उससे जुड़ने से बचें।'

रुक्मिणी का काम

रुक्मिणी ने इवेंट में अपने काम के बारे में भी बात की और बताया कि उनकी आने वाली फिल्मों में 'टॉक्सिक' और 'ड्रैगन' शामिल हैं। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' में यश, कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया भी हैं। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित 'ड्रैगन' में जूनियर एनटीआर भी हैं

8 साल बाद किया इकरार : 'नेहा धूपिया'

हा धूपिया और अंगद बेदी ने साल 2018 में शादी की थी। उस समय इनकी शादी की खबर सभी के लिए चौंकाने वाली थी। दोनों ने कभी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की थी, इसलिए उनकी अचानक शादी चर्चा का विषय बन गई।

शादी के सिर्फ 6 महीने बाद ही उसने बेटी मेहर का स्वागत किया, जिसके बाद नेहा की नैंसी के समय को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं। हाल ही में इस कपल ने अपनी अनोखी लव स्टोरी के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे सालों की दोस्ती और प्रैग्नैंसी ने उन्हें साथ ला दिया ।

अंगद ने कहा, मैं 8 साल तक नेहा के पीछे था। इतने सालों तक कोशिश करता रहा, लेकिन उसने कभी हां नहीं कहा। वह अपने काम में बहुत व्यस्त थी । ,नेहा ने माना कि उस समय उसका पूरा ध्यान अपने करियर पर था। उसके अनुसार, मैं सोचती थी कि मुझे उठना है, एक्सरसाइज करनी है, काम पर जाना है। मेरा पूरा फोकस सिर्फ काम पर था । ऐसा नहीं था कि मैं सिर्फ काम पर ध्यान देना चाहती थी, लेकिन अगर रास्ते में कोई दिलचस्प इंसान मिलता, तो ठीक था।

अंगद ने उसके करीब आने के लिए उसके साथ काम भी किया । अंगद ने बताया, उसने मुझे एक फिल्म करने के लिए कहा और बोला कि कोई नैरेशन नहीं होगा, बस सैट पर आ जाना। मैं गया। मैंने सैट पर उसके साथ समय

बिताया, लेकिन उसकी मां भी वहां थीं। मैं ज्यादा समय उसकी मां के साथ बिताने लगा। मैंने सोचा, अगर उसकी मां इतनी अच्छी हैं, तो वह भी अच्छी ही होगी । फिर भी बात आगे नहीं बढ़ी। अंगद ने कहा, उसके आसपास 56 दिलचस्प लोग थे। मैं तो उसकी नजरों में भी नहीं था। मैं उसके माता-पिता के पास गया और उन्होंने कहा, हमें कोई दिक्कत नहीं उससे पूछो लेकिन उसने मुझे सालों तक साइड में रखा। नेहा ने कहा, मैं कहना चाहती हूं कि शुक्र है हम प्रैग्नेंट हुए। हमारी बेटी वह आशीर्वाद है जिसने हमारी लव स्टोरी को जन्म दिया। वरना इंसान हमेशा इधर-उधर तलाशता रहता है। जिस प्यार को आप ढूंढ रहे होते हैं, वह आपके बिल्कुल पास होता है, लेकिन हम हमेशा दूर देखते हैं। वह पूरे समय मेरे पास ही था ।

नेहा ने आगे कहा, हमारी बेटी ने ही हमें एक किया, क्योंकि जब मैं प्रैग्नेंट हुई तोहमने सोचा बस अब शादी कर लेते हैं। पूरा ब्रह्मांड पहले उसके लिए, फिर मेरे लिए और फिर हम दोनों के लिए साथ आ गया।

इस तरह मिस इंडिया बनी साधवी

मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का खिताब अपने नाम करने वाली साध्वी सैलने एक सहज लेकिन चुनौतियों के साथ आगे बढ़ने वाली शख्सियत है । उसे बचपन से ही क्रिएटिविटी से प्यार रहा और जब भी मौका मिला, उसने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति से सभी का दिल जीत लिया।

वह बहुत शांत स्वभाव की भी है और हमेशा एकाग्रता को महत्व देती है। यही कारण कि उसकी यह विशेषता उसे बाकी प्रतियोगियों से अलग बनाती है । साध्वी का बचपन गोवा के किनारे शांत इलाके में बीता, लेकिन अपने करियर को बनाने के लिए मुंबई का रुख किया।

7 भाषाएं जानती है साध्वी

साध्वी की खासियतों के बारे में बात करें तो वह केवल एक-दो नहीं बल्कि 7 अलग-अलग भाषाओं को पढ़, लिख और बोल सकती है। उसने कनाडा की एक यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स और इंटरनैशनल रिलेशन्स में डबल मेजर किया है।

खास बात है कि 'मिस वर्ल्ड इंडिया' में हिस्सा लेने से पहले उसका वजन ज्यादा था । वह बताती है, मेरा वजन लगभग 10 किलो ज्यादा था, लेकिन बात सिर्फ वजन की नहीं थी। मुझे महसूस होने लगा था कि मैं धीरे-धीरे गलत आदतों की तरफ जा रही हूं।

मैं ज्यादा सुस्त हो गई थी, अपने प्लान कैंसिल करने लगी थी, बाहर जाना कम हो गया था। तभी मुझे लगा कि लाइफस्टाइल बदलना जरूरी है। यह मेरे लिए एक तरह की खतरे की घंटी थी। मुझे फिर से कॉन्फिडेंट महसूस करना था ।

मैंने छोटे-छोटे बदलावों से शुरुआत की। अपनी बॉडी को समझना शुरू किया। खाने से पहले थोड़ा एप्पल साइडर विनेगर लिया । स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की और साथ में वॉक को अपनाया। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि मैं रोज करीब 10 हजार कदम चलूं।

इसके साथ ही मैंने अपनी नींद पर ध्यान देना शुरू किया, क्योंकि मुझे पहले यह समझ ही नहीं था कि आराम कितना जरूरी है। मैं पहले सात दिन जिम जाती थी, लेकिन बाद में इसे चार-पांच दिन तक सीमित किया, रिकवरी को भी उतनी ही अहमियत दी। मैंने प्रोटीन सेवन पर भी ध्यान दिया लेकिन मैं हमेशा कहती हूं कि यह सब मेरे लिए काम कर गया, हर किसी के लिए तरीका अलग हो सकता है।

महीने के अंत में ख़ाली हो जाता है बटुआ, तो अपनाएं ये बचत के नियम, आसान हो जायेगा बजट प्रबंधन

हर महीने वेतन रूपी बारिश होती है, फिर भी बटुआ सूखे कुएं-सा ख़ाली रह जाता है। वजह सिर्फ़ सीमित या कम कमाई नहीं, बिखरा हुआ वित्तीय अनुशासन भी है।

महीने का आख़िरी हफ़्ता आते-आते अक्सर जेब और बैंक बैलेंस दोनों हल्के पड़ने लगते हैं। वेतन खाते में आते ही कुछ दिनों तक सब सामान्य लगता है, लेकिन धीरे-धीरे ख़र्च बढ़ते जाते हैं और महीने के अंत तक खाते की रकम लगभग शून्य हो जाती है। फिर इंतज़ार रहता है, अगली सैलरी का। यह समस्या केवल कम आय वालों की नहीं है। चाहे वेतन 30 हज़ार रुपये हो या 60 हज़ार रुपये, अनियोजित ख़र्च और वित्तीय अनुशासन की कमी किसी को भी आर्थिक तनाव में डाल सकती है।

आख़िर पैसे जल्दी ख़त्म क्यों हो जाते हैं?

अक्सर हम बिना योजना बनाए ख़र्च करते रहते हैं। छोटे-छोटे ख़र्च, सुविधा के नाम पर होने वाला व्यय, अचानक की गई ख़रीदारी और बचत को टालने की आदत धीरे-धीरे पूरे बजट को बिगाड़ देती है। हालांकि कुछ आसान बदलाव अपनाकर इस स्थिति को काफ़ी हद तक सुधारा जा सकता है।

वेतन मिलते ही बजट बनाएं

अधिकांश लोग यह तय ही नहीं करते कि उनकी आय का कितना हिस्सा कहां ख़र्च होना चाहिए। हर महीने कुछ ख़र्च निश्चित होते हैं, जैसे- मकान का किराया, राशन, पेट्रोल, बिजली-पानी आदि। इन ज़रूरी ख़र्चों के लिए पहले से राशि तय कर लेने से अनावश्यक ख़र्चों पर नियंत्रण आसान हो जाता है।

पैसों को हिस्सों में ख़र्च करें

कई लोग महीने की शुरुआत में ही खुलकर ख़र्च कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि आख़िरी दिनों में आर्थिक दबाव बढ़ने लगता है। इसलिए ज़रूरी ख़र्चों के बाद बची रकम को

पूरे महीने के हिसाब से अलग-अलग हिस्सों में बांटें, जैसे-

01 से 10 तारीख का ख़र्च...

11 से 20 तारीख का ख़र्च...

21 से 30/31 तारीख का ख़र्च

पहले बचत करें, फिर ख़र्च

अक्सर लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो बचेगा, उसे बचत में डाल देंगे। लेकिन ऐसा कम ही हो पाता है। बेहतर तरीक़ा यह है कि सैलरी मिलते ही 20-30 प्रतिशत राशि बचत के लिए अलग कर दी जाए। यही बचत भविष्य में आर्थिक सुरक्षा का आधार बनती है।

आपातकालीन निधि बनाएं

बीमारी या नौकरी में बदलाव जैसी परिस्थितियां बिना तैयारी के आर्थिक दबाव बढ़ा सकती हैं। ऐसे में 3 से 6 महीने के ख़र्च के बराबर एक आपातकालीन निधि होना मानसिक व आर्थिक दोनों तरह की सुरक्षा देता है

बचत के साथ निवेश भी करें

सिर्फ़ पैसा बचाना ही काफ़ी नहीं है, उसे सही दिशा देना भी ज़रूरी है। इसलिए धीरे-धीरे निवेश की आदत विकसित करें।

बचत में काम आएंगे ये सुझाव

ख़र्च-मुक्त दिन गुज़ारें महीने में कुछ दिन ऐसे तय करें, जब केवल ज़रूरी चीज़ों पर ही ख़र्च करें। इससे अनावश्यक ख़र्चों की पहचान होगी।

24 घंटे का नियम बनाएं कोई विलासिता की वस्तु ख़रीदने से पहले 24 घंटे इंतज़ार करें। इससे आवेग में किए जाने वाले ख़र्च कम होंगे।

अलग-अलग बैंक खाते रखें ज़रूरी ख़र्च, रोज़मर्रा के व्यय और बचत के लिए अलग-अलग खाते रखने से बजट व्यवस्थित रहता है।

सुविधा ख़र्च पहचानें... बार-बार ऑनलाइन सामान मंगाने जैसे सुविधाजनक ख़र्चों पर नियंत्रण, बचत बढ़ाने में मदद कर सकता है।

ख़ुद को दें कैश चैलेंज... हर सप्ताह एक तय नकद राशि में काम चलाने की कोशिश करें। इससे आप सोच-समझकर ख़र्च करेंगे।

वित्तीय जांच करते रहें... हर 15 दिन में ख़र्चों का हिसाब ज़रूर देखें। इससे समय रहते बजट को बिगड़ने से बचाया जा सकता है।

इन ख़र्चों को भी बजट में शामिल करें

अक्सर लोग केवल किराया, राशन या बिल जैसे तय ख़र्चों को ही बजट में शामिल करते हैं, लेकिन रोज़मर्रा के कई छोटे और अनियोजित व्यय धीरे-धीरे पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ देते हैं। ये ख़र्च मामूली लगते हैं, पर महीने के अंत तक जेब पर बड़ा असर डालते हैं। इन्हें समझें और बजट में शामिल करें।

उपहार ख़रीदना, फल-सब्ज़ियों की बढ़ती क़ीमतें, बाहर खाना, यात्रा, मेडिकल ख़र्च या दफ़्तर के छोटे योगदान जैसे व्यय अतिरिक्त ख़र्चों में आते हैं।

ये ख़र्च पहले से तय नहीं होते, इसलिए अक्सर बजट से बाहर चले जाते हैं। लगातार दो महीने तक हर अतिरिक्त ख़र्च को लिखकर रखें।

इससे समझ आएगा कि कौन-सा ख़र्च कितनी बार हो रहा है और उसकी अधिकतम राशि कितनी पहुंच रही है। इसके आधार पर हर महीने होने वाले औसत अतिरिक्त व्यय का अनुमान लगाएं।

बजट बनाते समय अनियोजित ख़र्च के लिए अलग राशि निर्धारित करें। ऐसा करने से अचानक होने वाले व्यय भी नियंत्रित रहेंगे और बचत प्रभावित नहीं होगी।

12वीं के बाद बच्चे के करियर को लेकर कन्फ्यूज

कभी इंजीनियर बनना है तो कभी आईएएस, सही राह चुनने में उसकी मदद कैसे करें?

पिछले कुछ समय से मेरा बच्चा अपने करियर को लेकर काफी कन्फ्यूज रहता है। कभी कहता है, इंजीनियरिंग करनी है, कभी सिविल सर्विस में जाने की बात करता है। क्लैरिटी न होने के कारण वो स्ट्रेस में भी रहता है। बतौर पेरेंट, हमारी फिक्र ये है कि हम उसे सही रास्ता कैसे दिखाएं, उसकी मदद कैसे करें?

किसी भी बच्चे के लिए 12वीं के बाद का समय बहुत क्रिटिकल होता है। उम्र भी नाजुक होती है। ऐसे में कन्फ्यूजन होना लाजिमी है। आपका बेटा पढ़ाई में अच्छा है। टीचर्स भी उसकी तारीफ करते हैं। जाहिर है कि उसकी क्षमता में कोई कमी नहीं है।

प्राइमरी तौर पर बच्चे को कन्फ्यूजन की वजह से दो समस्याएं होती हैं-

तनाव

गिल्ट

जब बच्चे को क्लैरिटी नहीं होती तो–

बच्चा स्ट्रेस में होता है।

दबाव महसूस करता है।

डरता है कि "सब आगे बढ़ रहे हैं, मैं पीछे रह जाऊंगा।"

ओवरथिंकिंग करता है।

दिमाग उलझा रहता है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन बढ़ता है।

उसे गिल्ट होता है कि मैं पेरेंट्स को निराश कर रहा हूं।

इससे सेल्फ-एस्टीम और कॉन्फिडेंस धीरे-धीरे कम होता है।

इसलिए सबसे पहले बच्चे को नॉर्मल फील कराना जरूरी है। सबसे पहले कन्फ्यूजन को नॉर्मलाइज करें।

बच्चे से कहें–

"इस उम्र में कन्फ्यूज होना नॉर्मल है।"

"हम भी तुम्हारी उम्र में ऐसे ही कन्फ्यूज होते थे।"

"कन्फ्यूजन का मतलब है कि अभी तुम एक्सप्लोर कर रहे हो।"

"चलो, हम सब साथ मिलकर एक्सप्लोर करते हैं।"

बच्चे से ये न कहें-

"जल्दी फैसला करो।"

"तुम सोचने के लिए बहुत समय ले रहे हो।"

"तुम इतना कन्फ्यूज क्यों हो?"

ये कहें-

"तुम अभी जो सोच रहे हो, चाहो तो हमसे शेयर कर सकते हो।"

"तो अभी तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है?"

"किस चीज से तुम्हें एक्साइटमेंट महसूस होता है?"

12वीं के बाद करियर कन्फ्यूजन क्यों होता है?

12वीं के बाद बच्चों को पहली बार अपने भविष्य से जुड़ा बड़ा फैसला लेना होता है। लेकिन इस समय उन्हें न तो कोई अनुभव होता है और न ही खुद की समझ पूरी तरह विकसित होती है। ऐसे में जब अचानक इतने सारे विकल्प, अपेक्षाएं और तुलना सामने आ जाती हैं, तो बच्चे के लिए सही डायरेक्शन चुनना मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चा यह नहीं समझ पाता कि वह क्या करे। इसके कई कारण हैं-

माता-पिता क्या करें?

करियर कन्फ्यूजन के इस फेज में बच्चे को सपोर्ट की जरूरत होती है। इस समय माता-पिता का रोल समझने और संभालने वाला होना चाहिए। अगर आप इस स्थिति को सही तरीके से हैंडल करते हैं तो बच्चे का आत्मविश्वास मजबूत होगा। लेकिन अगर यहां प्रेशर देंगे तो यही कन्फ्यूजन स्ट्रेस और गिल्ट में बदल सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप खुद को इन तीन रोल्स में ढालें-

बच्चे का गाइड बनना है।

बच्चे का इमोशनल एंकर (इमोशनल सपोर्ट सिस्टम) बनना है।

बच्चे का डॉक्टर बनना है।

आइए इन पॉइंट्स को समझते हैं-

बच्चे के गाइड बनें

हर फील्ड के चैलेंज और फायदे समझाएं, लेकिन चुनने की स्वतंत्रता दें।

यूट्यूब, मेंटर्स और प्रोफेशनल्स से सही जानकारी दिलाएं।

'क्या बनना है' से पहले 'किसमें रुचि है' समझने में मदद करें।

अलग-अलग फील्ड पर रिसर्च/ट्रायल करने दें।

इसके साथ ही नीचे ग्राफिक में दी गई कुछ और बातों का ध्यान रखें-

इमोशनल एंकर बनें

घर में ओपन कम्युनिकेशन का माहौल बनाएं।

बिना जजमेंट के बच्चे की बात सुनें।

उसकी फीलिंग्स को वैलिडेट करें।

कहें-"ऐसा महसूस होना स्वाभाविक है।"

अनकंडीशनल सपोर्ट दें।

हर बच्चे की जर्नी अलग होती है। इसलिए तुलना न करें।

उसकी छोटी कोशिश की भी तारीफ करें।

बच्चे के डॉक्टर बनें

इस समय बच्चे को स्ट्रेस होता है। इसे मैनेज करना सिखाएं।

कम नींद, चिड़चिड़ापन और लो मोटिवेशन जैसे स्ट्रेस सिग्नल पहचानें।

डीप ब्रीदिंग की आदत बनवाएं। इससे दिमाग शांत होता है, एंग्जाइटी कम होती है।

पॉजिटिव सेल्फ-टॉक सिखाएं, जैसे "मैं सीख रहा हूं, धीरे-धीरे समझ आ जाएगा।"

सोशल मीडिया यूज के लिए लिमिट तय करें।

फिजिकल एक्टिविटी को रूटीन का हिस्सा बनाएं।

बड़े काम को छोटे हिस्सों में बांटकर पूरा करना सिखाएं।

जरूरत पड़े तो एक्सपर्ट की मदद लें।

काउंसलर/करियर गाइड से काउंसलिंग दिलवाएं।

क्या गलतियां न करें?

करियर कन्फ्यूजन के समय माता-पिता की छोटी-छोटी गलतियां भी बच्चे के मन पर बड़ा असर डालती हैं। कई बार हम अनजाने में ऐसी बातें या व्यवहार करते हैं, जो बच्चे के स्ट्रेस और गिल्ट को और बढ़ा सकते हैं। याद रखें, इस समय बच्चे को आपके जजमेंट की नहीं, समझ और सपोर्ट की जरूरत है। इसलिए इन बातों का खास ध्यान रखें-

दूसरे बच्चों से तुलना न करें।

जल्दी निर्णय लेने का दबाव न डालें।

'सेफ' करियर के लिए मजबूर न करें।

बच्चे की बात को नजरअंदाज न करें।

अपने अधूरे सपनों को बच्चों पर न थोपें।

बच्चे के करियर स्ट्रेस को हल्के में लें।

अंत में यही कहूंगी कि करियर का कन्फ्यूजन किसी भी बच्चे के लिए खुद को समझने की एक प्रक्रिया है। इस दौर में उसे धैर्य, भरोसे और इमोशनल सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। याद रखें, हर बच्चे की अपनी गति और अपनी दिशा होती है। जरूरी यह नहीं कि वह कितनी जल्दी फैसला लेता है, बल्कि यह है कि वह समझदारी और आत्मविश्वास के साथ अपनी क्षमता के अनुसार फैसला ले।

गर्मियों में स्टाइलिश रहने के लिए ट्रैंडी मैक्सी ड्रैसिज

गर्मियों का फैशन पूरी तरह से इस बारे में है कि आप अपने स्टाइल से समझौता किए बिना भी 'कूल' कैसे रहें। कैजुअल लुक से लेकर शाम के स्टाइलिश आऊटफिट तक, सही कपड़ों का चुनाव आरामदायक और सहज रूप से स्टाइलिश महसूस करा सकता है। गर्मी के मौसम में लॉन्ग ड्रैसिज (मैक्सी ड्रैसिज) स्टाइल और कम्फर्ट का परफैक्ट कॉम्बिनेशन होती हैं। ये न सिर्फ आपको 'कूल' रखती हैं बल्कि बहुत एलीगेंट लुक भी देती हैं। यहाँ कुछ ट्रेंडी और यूजफुल आइडियाज दिए गए हैं।

पोल्का डॉट ड्रैस

पोल्का डॉट्स आजकल बहुत ट्रैंड में हैं। यह प्रिंट मैक्सी ड्रैस स्टाइल पर एकदम सही लगता है, और आजकल इसके बहुत सारे ऑप्शन मौजूद हैं। एक चमकीले रंग के हैंडबैग के साथ इसमें थोड़ा रंग भरें।

फ्लोरल प्रिंट मैक्सी ड्रैस

गर्मियों में फ्लोरल प्रिंट हमेशा ट्रैंड में रहता है। हल्के रंगों (पेस्टल, पीच, बेबी पिंक) में फ्लोरल मैक्सी ड्रैस पहनने से फ्रैश और सॉफ्ट लुक मिलता है। डे आऊटिंग, ब्रंच या शॉपिंग के लिए यह परफैक्ट है। कॉटन या लिनन मैक्सी ड्रैस

गर्मी में कॉटन और लिनन फैब्रिक सबसे ज्यादा आरामदायक होते हैं। ये पसीना सोखते हैं और बॉडी को ठंडा रखते हैं। डेली वियर या ट्रैवल के लिए यह बैस्ट ऑप्शन है।

टी-शर्ट ड्रैस

टी-शर्ट ड्रैस के साथ आप कभी गलत नहीं हो सकते। यह हवादार और स्टाइलिश होती है, और इसे पहनने के लिए ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती। लैदर फ्लिप फ्लॉप और ध्यान खींचने वाली बालियों के साथ अपने लुक को और भी स्मार्ट बनाएं।

वेस्ट मैक्सी ड्रैस

वेस्ट मैक्सी ड्रैस को अपने कलैक्शन में जरूर शामिल करें। इसे पहनना बहुत आसान है और यह गर्म, धूप वाले दिनों के लिए एकदम सही है। अपने लुक को और भी दिलचस्प बनाने के लिए अपनी ज्वैलरी को लेयर करके पहनें।

क्रोशे मैक्सी ड्रैस

अपनी क्रोशे मैक्सी को सिर्फ छुट्टियों के लिए बचाकर न रखें। क्रोशे ड्रैस गर्मियों के खास पहनावे में से एक हैं। ये हवादार लिनन और हल्के कॉटन ड्रैस, मैचिंग सैट, और ऐसे आसान कपड़ों की तरह ही हैं जिन्हें आप बार-बार पहनना पसंद करेंगी।

स्लिप मैक्सी ड्रैस विद शर्ट

स्लिप मैक्सी ड्रैस पहनना इस मौसम के लिए परफैक्ट है। इसके साथ कमर पर बांधी गई एक ओवरसाइज्ड बटन डाऊन शर्ट न सिर्फ देखने में अच्छी लगती है, बल्कि आपके कंधों धूप से बचाने में भी काम आ सकती है।

ऑफ-शोल्डर या स्ट्रैपी मैक्सी ड्रैस

ऑफ-शोल्डर या स्पेगेटी स्ट्रैप ड्रैसेस गर्मी में बहुत 'कूल' और स्टाइलिश लगती हैं। बीच वेकेशन या समर पार्टी में इसे आसानी से कैरी किया जा सकता है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया में हाई सैलरी वाली 48 वैकेंसी, बीई-बीटेक वालों के लिए मौका

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) ने दुर्गापुर स्टील प्लांट, IISCO स्टील प्लांट और अलॉय स्टील प्लांट में यंग प्रोफेशनल (YP-1, YP-2, YP-3) के कुल 48 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन SAIL की आधिकारिक वेबसाइट (sail.co.in) के करियर पेज पर किया जा सकता है। योग्य उम्मीदवार 6 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) या योग्यता जांच होगी, उसके बाद उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस भर्ती के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या यूनिवर्सिटी से B.E. या B.Tech की डिग्री (फुल टाइम) होनी चाहिए और उसमें कम से कम 65% अंक होने चाहिए। यह डिग्री मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, कंप्यूटर, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि जैसे संबंधित विषयों में होनी चाहिए। इसके अलावा जिन उम्मीदवारों के पास M.E./M.Tech, MBA या अन्य उच्च डिग्री है, उन्हें अतिरिक्त लाभ मिल सकता है।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क

इस भर्ती के लिए सभी उम्मीदवारों को आवेदन करने से पहले 500 रुपये शुल्क देना होगा। बिना शुल्क के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा और उसे रद्द कर दिया जाएगा।

चयन प्रक्रिया

SAIL यंग प्रोफेशनल भर्ती में उम्मीदवारों का चयन कई चरणों में किया जाएगा। सबसे पहले जरूरत पड़ने पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) या योग्यता/मनोमितीय टेस्ट लिया जाएगा। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों को व्यक्तिगत इंटरव्यू (साक्षात्कार) के लिए बुलाया जाएगा, जिसमें उम्मीदवार के ज्ञान और कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा।

अंत में चयनित उम्मीदवारों की मेडिकल जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे नौकरी के लिए पूरी तरह फिट हैं। सभी चरणों को पास करना जरूरी है, तभी अंतिम चयन होगा।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले SAIL की आधिकारिक वेबसाइट sail.co.in जाएं।

फिर "Careers" सेक्शन पर क्लिक करें।

अगर आप नए यूजर हैं तो पहले One Time Registration (OTR) करें।

इसमें अपना नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल भरना होता है।

रजिस्ट्रेशन के बाद लॉगिन करके सभी जानकारी सही-सही भरें।

अपनी फोटो, सिग्नेचर और जरूरी दस्तावेज स्कैन करके अपलोड करें।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन मोड (डेबिट/क्रेडिट कार्ड या UPI) से जमा करें।

सब कुछ भरने के बाद फॉर्म को अच्छे से चेक करें और Final Submit कर दें।

आखिर में अपने आवेदन फॉर्म की प्रिंट कॉपी सेव कर लें।

भारतीय नौसेना में बी.टेक कैडेट एंट्री 2026 के लिए नोटिफिकेशन जारी

भारतीय नौसेना ने 10+2 (बी.टेक) कैडेट प्रवेश योजना के तहत तकनीकी शाखाओं में स्थायी कमीशन अधिकारी पदों के लिए भर्ती जारी निकाली है। इस भर्ती में कुल 60 पद हैं, जो मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के लिए बराबर-बराबर विभाजित हैं।

इस योजना के तहत योग्य अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवार, जिन्होंने जेईई (मेन) 2026 परीक्षा दी है और 10+2 में निर्धारित अंक प्राप्त किए हैं, 29 मई 2026 से 18 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती युवाओं को भारतीय नौसेना में एक प्रतिष्ठित और स्थायी करियर का अवसर प्रदान करती है।

क्या है आवेदन की शर्तें?

पात्रता नियमः इस भर्ती के लिए केवल अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवार ही आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान यदि कोई उम्मीदवार विवाह करता है, तो उसे प्रशिक्षण से बाहर कर दिया जाएगा और पूरी प्रशिक्षण लागत वापस करनी होगी। यह नियम भर्ती की सख्त पात्रता शर्तों में शामिल है।

शैक्षणिक योग्यताः उम्मीदवारों को 10+2 (सीनियर सेकेंडरी) परीक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (PCM) विषयों में कम से कम 70% अंक और अंग्रेजी में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त होने चाहिए। इसके साथ ही JEE (Main) 2026 परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। SSB चयन JEE (Main) की ऑल इंडिया रैंक (CRL) के आधार पर किया जाएगा।

चयन प्रक्रियाः SSB के बाद चयनित उम्मीदवारों को निर्धारित मेडिकल परीक्षण से गुजरना होगा। जो उम्मीदवार पहले से NDA/INA के लिए मेडिकल रूप से फिट घोषित हो चुके हैं, उन्हें दोबारा जांच नहीं करानी होगी। मेडिकल मानकों में किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और जांच केंद्र बदलने की अनुमति भी नहीं होगी।

कुल 60 महिलाओं के लिए कुल मिलाकर अधिकतम 08 रिक्तियां -

कैसे कर सकेंगे आवेदन?

भारतीय नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट joinindiannavy.gov.in पर जाएं।

अब "Officer Entry" सेक्शन में 10+2 B.Tech इसके बाद Cadet Entry Scheme नोटिफिकेशन खोलें।

पहले रजिस्ट्रेशन करें और लॉगिन आईडी बनाएं।

लॉगिन करके आवेदन फॉर्म को भरें।

JEE (Main) 2026 की जानकारी (CRL रैंक सहित) दर्ज करें।

आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें (फोटो, सिग्नेचर आदि)।

फॉर्म को ध्यान से चेक करके सबमिट करें।

ये हैं देश के दिग्गज पारसी और गुजराती अरबपति

कारोबार में कौन किस पर भारी? एक ने उधार के 10 हजार से बनाए अरबों

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारत में कई समुदाय ऐसे हैं, जो कारोबार की दुनिया में अलग पहचान रखते हैं। इनमें पारसी और गुजराती समुदाय शामिल हैं। इन दोनों समुदायों ने कारोबार की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों ही समुदाय बिजनेस, भरोसे और दूरदर्शिता के लिए जाने जाते हैं।

पारसी कारोबारियों ने शुरुआती दौर में बैंकिंग, शिपिंग, स्टील और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में बड़े उद्योग खड़े किए और देश के औद्योगिक विकास में अहम योगदान दिया।

वहीं गुजराती कारोबारी व्यापारिक कौशल, जोखिम लेने की क्षमता और मजबूत नेटवर्क के दम पर कपड़ा, हीरा, केमिकल, फार्मा और रिटेल जैसे सेक्टरों में छाए हुए हैं। मेहनत, ईमानदारी और परिवार-आधारित कारोबारी संस्कृति इन दोनों समुदायों की खास पहचान रही है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ वैश्विक स्तर पर भी इनकी साख बनाई है। इस समय इन समुदायों के कौन से दिग्गज कारोबारी देश में मौजूद हैं, आइए बताते हैं।

पारसी कारोबारी

अदार पूनावाला: सायरस और उनके बेटे अदार पूनावाला भारत की वैक्सीन इंडस्ट्री के सबसे बड़े नामों में गिने जाते हैं। इन्होंने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनियों में शामिल किया। कोविड काल में इनके काम ने भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई। सायरस पूनावाला की नेटवर्थ इस समय 26.4 अरब डॉलर है।

शापूर पी. मिस्त्री: शापूर पी. मिस्त्री देश के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और कंस्ट्रक्शन कारोबारी माने जाते हैं। वे शापूरजी पल्लोनजी समूह के हेड हैं, जिसने भारत और विदेशों में कई बड़े प्रोजेक्ट बनाए हैं। उनका ग्रुप रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग और ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखता है। उनकी नेटवर्थ 5.6 अरब डॉलर है।

नोएल टाटा: टाटा समूह का प्रमुख चेहरा हैं नोएल टाटा। परिवार से विरासत में मिले बिजनेस ग्रुप को वे और आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही उन्होंने ग्रुप के रिटेल और उपभोक्ता कारोबार को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई। ट्रेंट लिमिटेड और टाटा इंटरनेशनल जैसे कारोबारों में उनके नेतृत्व को काफी अहम माना जाता है। टाटा ग्रुप का रेवेन्यू सालाना 165 अरब डॉलर है।

आदि गोदरेज और नादिर गोदरेज: आदि गोदरेज और नादिर गोदरेज ने गोदरेज ग्रुप को उपभोक्ता उत्पादों से लेकर रियल एस्टेट और कृषि तक कई क्षेत्रों में विस्तार दिया। 129 साल पुराने गोदरेज ग्रुप को गोदरेज परिवार संभलात है, जिसमें बंटवारा हो चुकी है। ये भारत के सबसे सम्मानित कारोबारी परिवारों में गिना जाता है। आदि और नादिर गोदरेज की नेटवर्थ मिलाकर 7.9 अरब डॉलर है।

नुस्ली वाडिया

नुस्ली वाडिया भारत के पुराने कारोबारी घरानों में से एक वाडिया परिवार के हेड हैं। उन्होंने बॉम्बे डाइंग और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसे बड़े ब्रांड्स को मजबूत पहचान दिलाई। उनकी नेटवर्थ 5.1 अरब डॉलर है।

गुजराती कारोबारी

गौतम अडानी

अदाणी ने छोटे स्तर के व्यापार से शुरुआत कर अदानी समूह को बंदरगाह, एयरपोर्ट, बिजली और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों का बड़ा समूह बना दिया। आज वे सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शामिल हैं। उनकी नेटवर्थ 81.7 अरब डॉलर है।

मुकेश अंबानी: एशिया के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन हैं और भारत के सबसे प्रभावशाली कारोबारियों में गिने जाते हैं। पेट्रोकेमिकल, टेलीकॉम और रिटेल सेक्टर में उनके विस्तार ने भारतीय बाजार को काफी बदल दिया। उनकी नेटवर्थ 91.9 अरब डॉलर है।

दिलीप संघवी: दिलीप ने सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज़ को भारत की सबसे बड़ी फार्मा कंपनियों में बदल दिया। वे कम प्रोफाइल रहने वाले लेकिन बेहद सफल उद्योगपति माने जाते हैं। उन्होंने अपने पिता से 10000 रुपये लेकर कारोबार शुरू किया और आज उनकी नेटवर्थ 26 अरब डॉलर है।

उदय कोटक ने कोटक महिंद्रा बैंक को भारत के प्रमुख निजी बैंकों में शामिल किया। उनकी पहचान एक ऐसे कारोबारी के रूप में है जिन्होंने फाइनेंस सेक्टर में भरोसे और स्थिरता पर जोर दिया।

गेहूं की रिकॉर्डतोड़ सरकारी खरीद, इन राज्य सरकारों ने दिखाई फुर्ती, तो लक्ष्य से अधिक की खरीद

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। देश में गेहूं खरीद का सीजन अब बीतने वाला है और अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। किसानों के लिए खुशखबरी की बात ये है कि सरकार ने गेहूं खरीद का जो लक्ष्य रखा था वो उसके करीब पहुंच चुकी है। 21 मई तक सरकारी एजेंसियों ने 33.39 मिलियन टन (मीट्रिक टन) गेहूं की खरीद कर ली है। ये आंकड़ा पिछले साल की इसी अवधि तक के मुकाबले करीब 13 फीसदी अधिक है। पिछले साल इस अवधि तक 9.64 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद की गई थी। सरकार ने इस बार रिकॉर्ड उत्पादन के अनुमान को देखते हुए 34.5 मिलियन टन गेहूं खरीद का लक्ष्य तय किया था।

पंजाब में बढ़ी गेहूं की खरीद

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में गेहूं की खरीद पिछले साल के 11.92 मिलियन टन के मुकाबले 12.16 मिलियन टन हुई, जो 2 फीसदी की बढ़ोतरी है। केंद्र ने 2026-27 में पंजाब से 12.2 मिलियन टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य रखा है, जबकि पूरे वर्ष 2025-26 में 11.92 मिलियन टन गेहूं खरीदा गया था। बता दें कि पंजाब में इस साल की खरीद में लगभग पूरी मात्रा कम गुणवत्ता वाली थी, क्योंकि कई जिलों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की चमक बड़े पैमाने में फीकी पड़ गई थी।

हरियाणा में लक्ष्य से अधिक की खरीद

हरियाणा में 15 मई को खरीद समाप्त होने तक लगभग 8.12 मिलियन टन गेहूं की खरीद हुई है, जो 7.2 मिलियन टन के लक्ष्य से अधिक है। मार्केटिंग सीजन 2025-26 में केंद्र सरकार ने हरियाणा से 7.14 मिलियन टन गेहूं खरीदा था।

मध्य प्रदेश में भी तगड़ी खरीद

मध्य प्रदेश में इस साल गेहूं की खरीद में काफी उथल-पुथल देखी गई, जिसके बाद सबसे अधिक ध्यान इसी राज्य ने खींचा है। मध्य प्रदेश में केंद्र ने पिछले वर्ष के 7.8 मिलियन टन के मुकाबले 9.5 मिलियन टन की खरीद की है, जो 22 प्रतिशत की वृद्धि है। दिलचस्प बात ये है कि मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद की अनुमति 15 मार्च को ही दे दी गई थी, लेकिन 30 अप्रैल तक राज्य में खरीद पिछले साल के मुकाबले 59 प्रतिशत कम चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 1 मई से 21 मई के दौरान राज्य में लगभग 9.2 मिलियन टन की खरीद हुई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह केवल 3.8 मिलियन टन थी।

अन्य राज्यों में भी ठीक-ठाक खरीद

उत्तर प्रदेश में खरीद 1.02 मिलियन टन से बढ़कर 1.48 मिलियन टन हो गई है। राजस्थान में खरीद की बात करें तो एक साल पहले के 1.81 मिलियन टन से बढ़कर 2.03 मिलियन टन हो गई है। बिहार में खरीद 33,295 टन तक पहुंच गई है, जो एक साल पहले के 17,609 टन से 89 प्रतिशत अधिक है।

रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर! सरकार ने बढ़ा दिया डीए

जानें अब कितनी बढ़कर आएगी पेंशन?

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 22 मई को एक आधिकारिक आदेश जारी कर कुछ पुराने केंद्रीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने इनके लिए महंगाई राहत को बढ़ाने का फैसला लिया है।

यह फैसला उन रिटायर्ड कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों के लिए है, जो अब भी 5वें वेतन आयोग के दायरे में आते हैं। नए डीआर रेट 1 जुलाई 2025 और 1 जनवरी 2026 से लागू होंगे। यह बढ़ा हुआ डीआर सीमित श्रेणी के पुराने सीपीएफ लाभार्थियों और उनके परिवार के पात्र सदस्यों को ही मिलेगा। पहली श्रेणी में वे जीवित सीपीएफ लाभार्थी आएंगे, जो 18 नवंबर 1960 से 31 दिसंबर 1985 के बीच रिटायर हुए हैं और जिन्हें बेसिक एक्स-ग्रेशिया पेमेंट मिल रहा है।

इन लोगों के लिए डीआर की नई दरें इस प्रकार होंगी:-1 जुलाई 2025 से 474% 1 जनवरी 2026 से 483% दूसरी कैटेगरी मृत सीपीएफ लाभार्थियों की विधवाएं और पात्र आश्रित बच्चे, साथ ही 18 नवंबर 1960 से पहले रिटायर हुए कर्मचारी आएंगे, जिन्हें एक्स-ग्रेशिया पेमेंट मिल रहा है। इनके लिए डीआर की नई दरें इस प्रकार होंगी:-1 जुलाई 2025 से 466% 1 जनवरी 2026 से 475% चूंकि ये दरें पिछली तारीखों (जुलाई 2025 और जनवरी 2025) से लागू होंगी इसलिए, पात्र लाभार्थियों को पिछले महीनों के बकाए का भी सरकार ने यह साफ कर दिया है कि डीआर की कैलकुलेशन करते वक्त अगर कोई राशि पैसों में आती है, तो उसे नियमों के तहत अगले उच्च रुपये में बदल दिया जाएगा। मिसाल के तौर पर- अगर कैलकुलेशन 200.15 में आती है, तो उसे 201 माना जाएगा. सरकार ने यह भी कह दिया है कि हर मामले में सही डीआर कैलकुलेशन की जिम्मेदारी पेंशन देने वाली एजेंसियों और सरकारी बैंकों की होगी. बता दें कि यह डीआर हाइक पुराने सीपीएफ योजना के तहत एक्स-ग्रेशिया प्राप्त करने वाले गिने-चुने वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।

केंद्र सरकार ने लॉन्च की भव्य योजना

देश भर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे; 33,660 करोड़ का बजट मंजूर

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को 'भव्य (भारत औद्योगिक विकास योजना) योजना' के दिशा-निर्देश लॉन्च कर दिए हैं। जिसके तहत सरकार देश भर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की तैयारी कर रही है। इस योजना के लिए 33,660 करोड़ का वित्तीय परिव्यय यानी फाइनेंशियल आउटले तय किया गया है, जो राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क के जरिए मैन्युफैक्चरिंग और इन्वेस्टमेंट हब बनाएगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने करीब दो महीने पहले इस योजना को मंजूरी दी थी। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि राज्य सरकारें औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराएंगी।

अगले 4 महीनों में राज्यों से मांगे आवेदन, पहले फेज में 20 पार्कों की अर्जी आएगी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पहले दो महीनों में 20 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके बाद के दो महीनों में अन्य 30 पार्कों के लिए आवेदन लिए जाएंगे, जबकि बचे हुए 50 पार्कों को अगले फेज में शामिल किया जाएगा।

सरकार अगले चार महीनों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आवेदन आमंत्रित कर रही है। केंद्र सरकार की योजना शुरुआत में 50 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन हासिल करने की है, ताकि देश भर में इस योजना को तेजी से लागू किया जा सके।

डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत होगा विकास

इस योजना का उद्देश्य पहले से स्वीकृत जमीन, तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटीग्रेटेड सर्विसेज के साथ निवेश के लिए तैयार इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाना है। इससे उद्योगों को अपना कामकाज जल्दी शुरू करने में मदद मिलेगी। इन पार्कों का विकास नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम के स्ट्रक्चर के तहत राज्यों और प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ मिलकर किया जाएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रति एकड़ 1 करोड़ तक की वित्तीय सहायता

सरकार द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, इन इंडस्ट्रियल पार्कों का आकार 100 से 1,000 एकड़ के बीच होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए सरकार प्रति एकड़ 1 करोड़ तक की वित्तीय सहायता देगी। इस सहायता के तहत आंतरिक सड़कें, अंडरग्राउंड यूटिलिटीज, ड्रेनेज सिस्टम, कॉमन ट्रीटमेंट फैसिलिटीज, वेयरहाउसिंग, टेस्टिंग लैब्स और श्रमिकों के लिए आवास की सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

पहाड़ी राज्यों के लिए 25 एकड़ जमीन पर भी इंडस्ट्रियल पार्क को मंजूरी दी जा सकती है।

कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को भी सपोर्ट

केंद्र सरकार ने मौजूदा ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रोजेक्ट कॉस्ट के 25 प्रतिशत तक बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट का प्रस्ताव भी दिया है।

इस योजना के तहत प्रोजेक्ट का चयन एक चैलेंज-बेस्ड प्रोसेस के जरिए किया जाएगा, जो निवेश के लिए तैयार और रिफॉर्म-ओरिएंटेड प्रस्तावों पर केंद्रित होगा।

राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने जताई रुचि

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो राज्य जमीन, पानी और बिजली जैसी बेहतर सुविधाएं देंगे, वे निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने इस योजना में रुचि दिखाई है। राज्यों के पास प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ साझेदारी करके प्रस्ताव सौंपने का भी प्रावधान है, जिसके तहत केंद्र सरकार 50 लाख प्रति एकड़ की सहायता प्रदान करेगी।

अमेरिका में बसने का सपना देखने वाले भारतीयों को झटका

ट्रंप सरकार की नई घोषणा; ग्रीन कार्ड चाहिए तो करना होगा ये काम...

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आज के समय में ज्यादातर लोग भारत छोड़ विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अमेरिका जा रहे हैं या जाना चाहते हैं। लेकिन अब अमेरिका की ट्रंप सरकार ने ग्रीन कार्ड को लेकर नई नीति की घोषणा की है। पहले लोग अमेरिका में अस्थाई वीजा पर रहते हुए ही ग्रीन कार्ड मिलने तक वहीं रुक सकते थे, लेकिन अब ऐसा करना नहीं होगा।

ग्रीन कार्ड के लिए छोड़ना होगा अमेरिका

अब तक लोग अमेरिका में रहते हुए ही "एडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस" प्रक्रिया के तहत ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते थे लेकिन अब से ये मुमकिन नहीं होगा। यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने जानकारी दी कि जो लोग अपने स्टेटस में बदलाव चाहते हैं, उन्हें पहले अपने गृह देश वापिस लौटना होगा फिर अमेरिकी दूतावास या कॉन्सुलर प्रोसेसिंग के जरिए ही आवेदन करना होगा। ये प्रक्रिया पहले से अधिक जटिल हो गई है।

12 लाख भारतीयों की बढ़ी मुश्किलें

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में इमिग्रेशन एडवोकेट अजय भुटोरिया ने बताया कि नई ग्रीन कार्ड नीति भारतीयों के लिए झटका है। उन्होंने कहा, कि कानून का पालन करने वाले 12 लाख से अधिक भारतीय-अमेरिकी अब मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका के नए नियम के तहत ग्रीन कार्ड आवेदकों को अमेरिका छोड़कर इमिग्रेंट वीजा पर दोबारा एंट्री करना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में पढ़ाई के लिए अमेरिका आने वाले छात्रों की संख्या में 35 से 40 फीसदी की कमी देखी गई है। पिछले दिसंबर से जो लोग वीजा स्टैंपिंग के लिए भारत गए वे अभी भी अटके हुए हैं। उन्हें जो डेट मिली है वो अगस्त, अक्टूबर तक की मिली है।

क्या होता है ग्रीन कार्ड?

ग्रीन कार्ड को आधिकारिक तौर पर स्थायी निवासी कार्ड कहा जाता है। जो किसी विदेशी नागरिक को अमेरिका में स्थायी रूप से रहने का अधिकार देता है। ग्रीन कार्ड धारक अमेरिका में कहीं भी रह सकता है। ये कार्ड लोगों को ज्यादातर कंपनियों में नौकरी करने, पढ़ाई करने और नियमों के तहत अमेरिका से बाहर आने-जाने का अधिकार देता है।

कपास से 11% इंपोर्ट ड्यूटी हटाने का प्लान कर रही सरकार

किसने उठाई मांग और किसे मिलेगा फायदा?

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। गारमेंट और टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ओर से लंबे समय से कपास से आयात शुल्क हटाने की मांग की जा रही है। अब सरकार की ओर से ये शुल्क हटाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि इस मामले की बातचीत अपने अंतिम चरण में है। बता दें कि भारत सरकार विदेश से आयात किए जाने वाले कपास पर 11 प्रतिशत ड्यूटी लगाती है, जिसके चलते घरेलू उद्योंग की लागत बढ़ती है।

क्यों उठी आयात शुल्क हटाने की मांग?

टेक्सटाइल इंडस्ट्री के सामने इस समय कच्चे कपास की भारी कमी है, ऊपर से इसकी बढ़ी हुई कीमतों से कपड़ा उद्योग दबाव में है। आंकड़े बताते हैं कि चालू वर्ष में देश के कपड़ा उद्योग को लगभग 337 लाख गांठ कपास की जरूरत होने का अनुमान है (कपास की एक गांठ= 170 किलोग्राम)। जबकि मांग की तुलना में साल 2025-26 के सीजन में देश में सिर्फ 292.15 लाख गांठ कपास आने की ही संभावना है। इस तरह मांग और सप्लाई के बीच करीब 45 लाख गांठ का बड़ा गैप नजर आता है। इस कमी को पूरा करने के लिए इंपोर्टेड कपास का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन आयात किए जाने वाले कपास में 11 फीसदी ड्यूटी लगाए जाने की वजह से उसकी कीमत बढ़ती है जिससे गारमेंट इंडस्ट्री की कॉस्ट में इजाफा होता है।कॉटन से इंपोर्ट ड्यूटी हटाए जाने का मामला दो मंत्रालयों के बीच फंसा है। कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय की अलग-अलग राय है। इसी मांग पर फिलहाल वित्त, कपड़ा और कृषि मंत्रालय आपस में विचार-विमर्श कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बातचीत लगभग अंतिम चरण तक पहुंच गई है और किसी भी वक्त ड्यूटी हटाने का फैसला लिया जा सकता है। कपास से आयात शुल्क हटाने को लेकर हाल ही में, कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधियों और निर्यातकों के एक दल ने उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत शुल्क को हटाने की अपील की।

करोड़ों लोगों को रोजगार देता है कपड़ा उद्योग

कपास पर लगाई जाने वाली इंपोर्ट ड्यूटी से कपड़ा उद्योग पर दबाव बढ़ रहा है। बता दें कि टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है,पीआईबी के आंकड़ों के अनुसार 4.5 करोड़ लोग टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े हैं।

जापान ने दिया झटका, रोक दिया भारत से आम का आयात, मानक में कमियां पाई गई

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। जापान ने इस सीजन में भारत से आमों का आयात रोक दिया है। यह कदम तब उठाया गया जब मार्च में इंस्पेक्शन दौरे के वक्त जापान के प्लांट क्वारंटाइन अधिकारियों ने भारतीय ट्रीटमेंट सेंटर्स पर फ्यूमिगेशन और उससे जुड़े उपायों में कमियां पाईं। फ्यूमिगेशन जहरीली गैस से कीड़े मारने का तरीका होता है।

भारतीय आम के लिए जापान के दरवाजे बंद

इकोनॉमिक टाइम्स को मिली जानकारी के अनुसार, इस रुकावट के चलते जापानी बाजार में लोकप्रिय भारतीय आमों की किस्मों की खेप का भेजना प्रभावी रूप से रुक गया है। इन किस्मों में केसर, अल्फांसो, लंगड़ा और बंगनपल्ली शामिल हैं।

यह जानकारी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया से जुड़े तीन निर्यातकों और एक भारतीय कृषि वैज्ञानिक ने दी।उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बात की।हालांकि, भारत सरकार ने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन, अप्रैल से जून तक चलने वाला आम निर्यात का मुख्य सीजन, बिना किसी समाधान के ही बीत जाने की संभावना है। फिर भले ही जापान भारतीय आमों के सबसे बड़े खरीदारों में से एक न हो।

आदेश में क्या कहा गया?

योकोहामा प्लांट प्रोटेक्शन एसोसिएशन की ओर से 31 मार्च को जारी एक बयान में जापान के सरकारी 'प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन' की एक अधिसूचना का हवाला दिया गया। यह कहा गया कि 25 मार्च, 2026 या उसके बाद भारत की ओर से जारी किए गए निरीक्षण प्रमाण पत्रों वाली खेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जापानी भाषा में जारी इस बयान में आगे कहा गया कि भारतीय सेंटर्स से ताजे आमों का आयात तब तक निलंबित रहेगा, जब तक टोक्यो में बैठे अधिकारी इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाते कि भारत में परिचालन मानकों में सुधार हुआ है। योकोहामा प्लांट प्रोटेक्शन एसोसिएशन एक उद्योग निकाय है। लेकिन, यह कृषि, वानिकी और मत्स्य मंत्रालय के तहत जापान के प्लांट क्वारंटाइन अधिकारियों के साथ मिलकर काम करता है। साल 2025-26 में भारत से जापान को होने वाले आम निर्यात में गुजरात की 'केसर' किस्म का हिस्सा सबसे अधिक रहा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 05-45 सूर्यास्त. 18 -39
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सोमवार 25 May 2026
तिथि - दशमी 05-11 रात्रि तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 04-08 रात्रि तक उपरान्त हस्त
योग - वज्र 03-15 तक रात्रि उप सिद्धी
करण - तैतिल 16-47 तक उप गर
विशेष: श्री गंगा दशहरा अधिक मास
रोहिणी तपन काल प्रा

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष----	05-09 बजे
चंद्र	सिंह	मे	मिथुन--	07-09 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क----	09-22 बजे
बुध	वृष	मे	सिंह----	11-34 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कन्या----	13-40 बजे
शुक्र	मिथुन	मे	तुला----	15-45 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक--	17-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु----	20-10 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर--	22-15 बजे
			कुंभ---	00-05 बजे
			मीन---	01-44 बजे
			मेष----	03-20 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
07-21 से
08-58 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-45 - 07-21	शुभ	चंचल	18-39 - 20-06	शुभ
काल	07-21 - 08-58	अशुभ	रोग	20-06 - 21-28	अशुभ
शुभ	08-58 - 10-36	शुभ	काल	21-28 - 22-51	अशुभ
रोग	10-36 - 12-13	अशुभ	लाभ	22-51 - 00-13	शुभ
उत्पात	12-13 - 13-51	अशुभ	उत्पात	00-13 - 01-36	अशुभ
चंचल	13-51 - 15-28	शुभ	शुभ	01-36 - 02-58	शुभ
लाभ	15-28 - 17-06	शुभ	अमृत	02-58 - 04-20	शुभ
अमृत	17-06 - 18-39	शुभ	चंचल	04-20 - 05-45	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी। दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पीएम मोदी की अपील का असर : भजनलाल सरकार ने मंत्रियों-अधिकारियों के विदेश यात्रा पर लगाई रोक

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील का असर अब राजस्थान सरकार में दिखने लगा है। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने मंत्रियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सरकारी खर्च पर विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाते हुए एक परिपत्र जारी किया है, साथ ही ऊर्जा बचत के कई उपाय भी बताए हैं।

वित्त विभाग की ओर से जारी इस परिपत्र में सरकारी खर्च कम करने और ईंधन बचाने के उपाय बताए गए हैं। सभी विभागों को इन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

नई नीति के तहत, सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों की ओर से भविष्य में खरीदे जाने वाले सभी वाहन इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) होंगे।

मौजूदा पेट्रोल और डीजल वाहनों को चरणबद्ध तरीके से ईवी से बदला जाएगा।

पहले चरण में, केवल शहर की सीमा के भीतर काम करने वाले अधिकारियों के लिए ईवी खरीदे जाएंगे।

ईवी का उपयोग धीरे-धीरे सरकार की ओर से अनुबंध पर किराए पर लिए गए वाहनों तक भी बढ़ाया जाएगा।

वित्त विभाग के परिपत्र की प्रमुख विशेषताओं में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कार-पूलिंग, सरकारी काफिलों की संख्या में कमी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल शासन को बढ़ावा देना आदि शामिल हैं।

एक ही रूट पर यात्रा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को आवागमन के लिए कारपूलिंग का उपयोग करेंगे।

साझा यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सरकारी और निजी वाहनों का उपयोग किया जा सकता है।

सरकारी विभागों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को अब होटलों में बैठकें या कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं है। सभी आधिकारिक कार्यक्रम सरकारी भवनों में आयोजित किए जाने चाहिए।

काफिले के हकदार सभी गणमान्य व्यक्तियों मंत्रियो-अधिकारियो को गैर-जरूरी वाहनों का उपयोग कम करना होगा।

सरकार इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और लंबित चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावों की मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक कार्य योजना भी तैयार करेगी। विभागों को निर्देश दिया गया है कि जहां भी संभव हो, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित करें और आमने-सामने की बैठकों को कम से कम करें।

कागजी पत्राचार को कम करने के लिए ई-ऑफिस, ई-फाइल्स और 'राज-काज' पोर्टल का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम अब कर्मचारियों को एक स्थान पर एकत्रित करने के बजाय ऑनलाइन आयोजित किए जाएंगे। सरकार पीएम सूर्य घर योजना के तहत छतों पर सौर पैनल लगाने को बढ़ावा देगी।

पेट्रोल छिड़कने के बाद अब अचानक चीन की बातें क्यों करने लगे भाटी?

बाड़मेर, 24 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर में गिरल लिग्नाइट माइंस के विरोध में श्रमिकों का आंदोलन पिछले करीब 45 दिन से चल रहा है, जबकि निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी को खुद इसके समर्थन में आंदोलन स्थल पर बैठे करीब 20 दिन हो गए हैं। लेकिन फिर भी ये विवाद ख़त्म होने का नाम नहीं ले रहा है। बड़ी बात ये है विधायक भाटी ने इस आंदोलन के दौरान खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश करने तक का कदम उठाया, पर फिर भी विवाद का नतीजा अब तक शून्य ही साबित हो रहा है। इन सब के बीच अब विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने गिरल लिग्नाइट माइंस के श्रमिकों की आवाज़ उठाने को लेकर चीन देश का एक ताज़ा उदाहरण सामने रखा है और सरकार से स्थानीय श्रमिकों की सुध लेने की ओर इशारा किया है।

दरअसल, सुदूर चीन के शांक्सी प्रांत में हुए एक भीषण कोयला खदान विस्फोट में जब 90 मजदूरों के जिंदा दफन होने की खबर आई, तो पूरी दुनिया स्तब्ध रह गई। विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने इस वैश्विक त्रासदी के दर्द को सीधे बाड़मेर के गिरल माइंस के धरातल से जोड़ दिया। विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने वैश्विक स्तर पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। चीन के शांक्सी प्रांत में एक खदान में हुए विस्फोट और इस घटना में श्रमिकों की मौत पर दुःख जताते हुए भाटी ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने संवेदना व्यक्त

करते हुए लिखा,

दुखद और चिंताजनकः ₹चीन के शांक्सी प्रांत स्थित एक कोयला खदान में हुए विस्फोट में लगभग 90 श्रमिकों के निधन का समाचार अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

वैश्विक सुरक्षा पर सवालिया निशानः रविंद्र सिंह भाटी ने साफ शब्दों में कहा कि यह वीभत्स हादसा दुनिया भर की खदानों (चाहे वो चीन में हों या भारत के किसी कोने में) में कार्यरत मजदूरों की जमीनी सुरक्षा व्यवस्था और उनके वर्किंग एनवायरनमेंट पर बेहद गंभीर और तीखे सवाल खड़े करता है।

चीन की घटना का हवाला देते हुए रविंद्र सिंह भाटी तुरंत बाड़मेर की गिरल ओपन लिग्नाइट माइंस के मुद्दे पर आ गए। उन्होंने राजस्थान सरकार के मौन पर सबसे गहरा प्रहार किया है। गिरल में पिछले 40 दिनों से स्थानीय मजदूर अपनी जिन मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं, उनकी पूरी हकीकत इस वैश्विक संदर्भ के बाद और अधिक गंभीर हो जाती है।

रविंद्र सिंह भाटी ने अपनी पोस्ट के जरिए साफ कर दिया है कि राजस्थान की भजनलाल सरकार और स्थानीय प्रशासन किसी बहुत बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। वे चाहते हैं कि जब तक कोई बड़ी अनहोनी न हो जाए, तब तक फाइलों को दबाकर रखा जाए।

भाटी का संदेशः चीन का यह भयावह हादसा चीख-चीख कर कह रहा है कि खदानों में काम करने वाले मजदूरों की जिंदगी कितनी जोखिम में होती है। हमारी गिरल ओपन लिग्नाइट माइंस के मजदूर भी पिछले 40 दिनों से अपनी सुरक्षा मानकों, श्रमिक अधिकारों एवं अन्य जायज़ मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं, लेकिन जिम्मेदार तंत्र अब भी पूरी तरह मौन साधे बैठा है। किसी बड़े हादसे के होने के बाद मुआवजे का ऐलान करने और जांच कमेटियां बिठाने के ढोंग से कहीं बेहतर है कि समय रहते इन मजदूरों की सुरक्षा, सुविधाओं और उनके जीवन की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

गिरल लिग्नाइट माइंस में काम करने वाले स्थानीय मजदूरों और ट्रक चालकों का आरोप है कि यहां नए टेंडर आने के बाद से उनके हितों पर सीधे तौर पर कुठाराघात किया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने प्रशासन और श्री मोहनगढ़ कंस्ट्रक्शन कंपनी के सामने अपनी जो प्रमुख मांगें रखी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान : राजस्थान को मिलेंगी 200 नई ट्रेनें, 1.60 लाख युवाओं को नौकरी

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। आज नौकरी शुरू कर रहे युवा 2047 तक विकसित भारत की तस्वीर तय करेंगे। कॉन्सटीट्यूशन क्लब में आयोजित 19वें रोजगार मेले में केंद्रीय रेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस संदेश ने युवाओं में जोश का संचार किया। वैष्णव ने कहा कि रेलवे में फिलहाल एक लाख 60 हजार 778 भर्तियों पर काम चल रहा है। देश में 36 हजार किमी नए ट्रैक बिछाए जा रहे हैं।

राजस्थान को 200 नई ट्रेनें मिलना भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने युवाओं से 'देश प्रथम' की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। जयपुर में विभिन्न केंद्रीय विभागों में चयनित 420 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। देश में 47 जगहों पर हुए रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संबोधित किया।

रेल मंत्री ने कहा कि आप लोग जब 2047 में सीनियर पदों पर होंगे तो आपका अनुभव ही देश को विकसित राष्ट्र बनाएगा। उन्होंने कहा कि अब रेलवे में 'वार्षिक भर्ती कैलेंडर' लागू कर दिया गया है। इसके तहत हर साल चार चरणों में फिक्स नोटिफिकेशन जारी होते हैं- इससे युवाओं को तैयारी का समय मिल रहा है। परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाती हैं। रोजगार मेले का आयोजन राजस्थान में जयपुर के अलावा जोधपुर, अजमेर और बीकानेर में भी किया गया। कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा और सिविल लाइंस विधायक गोपाल

शर्मा भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राजस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अब तक वे बेंगलुरु, हैदराबाद और कोयंबटूर जैसे शहरों में सेमीकंडक्टर यूनिट्स के उद्घाटन के लिए जाते रहे हैं, उम्मीद है जल्द ही राजस्थान में भी उसी तरह बड़े स्तर पर निवेश और ज्यादा से ज्यादा यूनिट्स स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित 'स्टेकहोल्डर डायलॉग ऑन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर्स सेक्टर्स' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने निवेशकों से उद्योग स्थापना के स्पष्ट लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और सेमीकंडक्टर क्लस्टर विकास पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज सिम से स्पेस और मोबाइल से मिसाइल तक हर क्षेत्र में सेमीकंडक्टर चिप की अहम भूमिका है। उन्होंने बताया कि भिवाड़ी में प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर विकसित किया जा रहा है, जहां प्रतिवर्ष करीब 6 करोड़ चिप्स का उत्पादन होगा। अब तक 20 कंपनियों से 1200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का 'ट्रिपल-एस फैक्टर' (सिलिका, स्किल और सोलर) सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए मजबूत आधार बनेगा।

सीएम ने कहा कि जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र और कांकाणी को 'सिलिकॉन वैली ऑफ राजस्थान' के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए वातावरण तैयार किया जा रहा है।

स्पा सेंटर पर पुलिस रेड, आरोपियों ने दी धमकी-"कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे"

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में अजमेर रोड स्थित एक स्पा सेंटर पर पुलिस की कार्रवाई के दौरान हंगामा हो गया। सोडाला थाना पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर आइकोनिक स्पा सेंटर में छापा मारकर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और "ऊपर तक पहुंच" होने की धमकी दी।

डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि थाना सोडाला पुलिस नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि अजमेर रोड स्थित आइकोनिक स्पा सेंटर में संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। सूचना पर एसआई जयकुमार और चेतक टीम मौके

पर पहुंची और स्पा सेंटर की जांच की गई।

पुलिस जांच के दौरान स्पा सेंटर में छह युवतियां और दो युवक मौजूद मिले। पुलिस ने युवतियों से पूछताछ की, लेकिन उनकी गरिमा का ध्यान रखते हुए आवश्यक हिदायत देकर उन्हें जाने दिया गया।

पुलिस के मुताबिक जब दोनों युवकों से पूछताछ की गई तो वे भड़क गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। आरोपियों ने कथित तौर पर कहा कि उनकी "ऊपर तक पहुंच" है और पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इस दौरान उन्होंने पुलिस टीम के साथ अभद्र व्यवहार किया और माहौल तनावपूर्ण हो गया।स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने दोनों को काबू कर हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तम दास निवासी गोपालपुरा और शरीफ मोहम्मद निवासी मुहाना के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही स्पा सेंटर में संचालित गतिविधियों की भी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ अलग से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर आ जाती तो बच जाती ट्विशा शर्मा!

कौन हैं मेजर हर्षित, जो लड़ रहे बहन की 'बड़ी' लड़ाई

अजमेर, 24 मई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा के घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना के केस में पूरे देश को झकझोर दिया है। साल 2024 में डेटिंग ऐप के जरिए वकील समर्थ सिंह के साथ सपने सजाने वाली ट्विशा अब इस दुनिया में नहीं हैं। ट्विशा की मौत के बाद एक बार फिर ये सवाल उठने लगे हैं कि पढ़े लिखे समाज में आज भी यही घिनौनी तस्वीर है, जिसमें एक महिला को मौत के लिए मजबूर किया जाता है। फिलहाल ये मामला कई तरह के संदेह के घेरे में है, लेकिन इस लड़ाई को लड़ने में उनके भाई हर्षित की खूब तारीफ हो रही है। हर्षित अदालत से लेकर मीडिया तक के सामने अपनी बहन की जमकर पैरवी कर रहे हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

इस पूरे मामले में जो शख्स सबसे मजबूती से न्याय की मांग कर रहा है, वह हैं ट्विशा के भाई मेजर हर्षित शर्मा । हर्षित भारतीय सेना में 'मेजर' के पद पर देश की सेवा कर रहे हैं। ऑफिसर हर्षित शर्मा वर्तमान में राजस्थान के अजमेर में ही तैनात हैं। लगातार परेशानी झेल रही बहन ट्विशा 15 मई को राजस्थान के अजमेर जाकर अपने भाई मेजर हर्षित शर्मा के पास कुछ समय के लिए रहना चाहती थीं, लेकिन दुखद बात है कि ऐसा हो नहीं सका। हालांकि अब बड़ी बात यह है कि मेजर हर्षित ने इस गहरे व्यक्तिगत दुख के बीच हथियार डालने के बजाय, दोषियों को सजा दिलाने का संकल्प लिया है। वे पूरे मामले में सच्चाई सामने लाना चाहते हैं। पूरे मामले में कथित तौर पर हुई पुलिस प्रशासन की ढिलाई और व्यवस्था की कमियों के खिलाफ डटकर खड़े हैं। मेजर हर्षित शर्मा सोशल मीडिया से लेकर प्रशासनिक और कानूनी गलियारों तक अपनी बहन का मुद्दा उठा रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी बहन के साथ जो हुआ, वह कोई सुसाइड नहीं बल्कि एक सोची-समझी साजिश और हत्या जैसा अपराध है। हर्षित का यह संघर्ष केवल ट्विशा के इंसाफ के लिए नहीं, बल्कि समाज की हर उस बेटी के लिए है जो बंद दरवाजों के पीछे इस तरह की प्रताड़ना झेल रही है। ट्विशा भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके भाई मेजर हर्षित शर्मा अपनी बहन को इंसाफ दिलाने के लिए एक बड़ी और लंबी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग

धधकती लपटों से दहला औद्योगिक क्षेत्र, मची अफरा-तफरी

कोटपूतली-बहरोड़, 24 मई (एजेंसियां)। भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 स्थित गिरधर रोलरेप प्राइवेट लिमिटेड नामक प्लास्टिक दाना निर्माण फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयंकर थी कि आसमान में उठती लपटें और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। घटना के बाद पूरे औद्योगिक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैक्ट्री परिसर से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ, जिसके कुछ ही देर बाद आग ने पूरी यूनिट को घेर लिया। फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना और ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। कर्मचारियों और आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे लोगों ने तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई और फायर विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही भिवाड़ी नगर परिषद और रीको फायर विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की भयावहता के आगे शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए। इसके बाद तिजारा, खैरथल, खुशखेड़ा सहित आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। देर रात तक दर्जनों फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी रहीं। फायर कर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए लगातार मशक्कत करनी पड़ी।

घटना की सूचना मिलते ही भिवाड़ी थाना अधिकारी सचिन शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र को खाली करवाया गया। सुरक्षा के मद्देनजर फैक्ट्री के आसपास लोगों की आवाजाही रोक दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

4 साइबर ठग गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर फर्जी ऑफर देकर करते थे ठगी

अलवर, 24 मई (एजेंसियां)। आजकल डिजिटल दुनिया में जितनी सहूलियतें हैं, उतने ही खतरे भी बढ़ गए हैं। इसी खतरे पर लगाम कसने के लिए अलवर पुलिस इन दिनों एक्शन मोड में है। पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन म्यूल हंटर' और 'साइबर संग्राम अभियान 2.0' चला रखा है। इसी अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो साइबर ठगों को कमीशन पर अपने बैंक खाते, गूगल पे और फोन पे जैसी सुविधाएं मुहैया कराते थे। पुलिस ने इनके पास से 9 मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पुलिस ने अलग-अलग थानों में 6 मामले दर्ज किए हैं और आगे की जांच शुरू कर दी है। अलवर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि यह कार्रवाई गोविंदगढ़, बड़ौदामेव, शिवाजी पार्क, नौगांवा और कोतवाली थाना पुलिस की संयुक्त टीमों ने मिलकर की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान इस्ताक खान (निवासी मीना का बास), कुनाल झालानी (निवासी विजय मंदिर रोड), कुनाल नारनोलिया (निवासी शिवाजी पार्क) और असकरून (निवासी रघुनाथगढ़ कॉलोनी) के रूप में हुई है। इन बदमाशों का ठगी करने का तरीका बेहद शातिर था। ये लोग सोशल मीडिया पर बड़ी-बड़ी कंपनियों के

होलसेल डीलर बनकर फर्जी विज्ञापन डालते थे। लोगों को लालच देने के लिए ये कहते थे कि मात्र 550 रुपए में ब्रांडेड लैपटॉप मिल रहा है। इतने सस्ते लैपटॉप के चक्कर में लोग आसानी से इनके झांसे में आ जाते थे। इसके अलावा यह गैंग लोगों को घर बैठे कमाई करने का झांसा भी देता था। नटराज कंपनी में 'पेंसिल पैकिंग' की फर्जी नौकरी का ऑफर देकर ये बेरोजगार युवाओं से रजिस्ट्रेशन और एडवांस फीस के नाम पर हजारों रुपए ऐंठ लेते थे। इतना ही नहीं, पुराने सिक्के और नोटों को महंगे दामों में खरीदने का लालच देकर भी इन्होंने कई लोगों को अपना शिकार बनाया। जैसे ही कोई पीड़ित इनके झांसे में आकर पैसे ट्रांसफर करता, ये आरोपी उस रकम को तुरंत कमीशन पर लिए गए बैंक खातों और डिजिटल वॉलेट्स में ट्रांसफर कर देते थे। ऐसा इसलिए किया जाता था ताकि असली मास्टरमाइंड और मुख्य अपराधियों की पहचान छुपी रहे और पुलिस उन तक न पहुंच सके।

इस कार्रवाई के बाद अलवर पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले किसी भी लुभावने ऑफर, संदिग्ध कॉल, अनजान लिंक या लॉटरी के विज्ञापनों पर आंख बंद करके भरोसा न करें। अगर आपके साथ या आपके किसी परिचित के साथ कोई साइबर ठगी हो जाती है, तो बिल्कुल न घबराएं।

अवैध शराब पर बड़ा एक्शन, 4.19 लाख लीटर वॉश नष्ट

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग का विशेष निरोधात्मक अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देश पर प्रदेशभर में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री रोकने के लिए नाकाबंदी, गश्त और दबिश की व्यापक कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है, वहीं 4 लाख 19 हजार 648 लीटर वॉश नष्ट कर शराब माफियाओं पर बड़ा प्रहार किया गया है। आबकारी विभाग के अनुसार 1 मई से 22 मई 2026 तक चलाए गए अभियान में कुल 1535 अभियोग दर्ज किए गए हैं, जबकि 724 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 5914 लीटर देशी शराब, 26 हजार 826 लीटर विदेशी शराब, 19 हजार 363 लीटर बीयर, 9929 लीटर हथकड़ शराब और 30 लीटर स्प्रिट जब्त की गई। विभाग ने कार्रवाई के दौरान 74 वाहनों को भी जब्त किया है, जिनमें 5 बड़े वाहन, 11 चार पहिया और 57 दुपहिया वाहन शामिल हैं। अभियान के तहत सबसे बड़ी कार्रवाई कोटा जिले में हुई, जहां आबकारी विभाग ने अंग्रेजी शराब की 796 पेटियां जब्त कीं। इनमें 25 हजार 440 क्वार्टर और 2394 बोतलें शामिल थीं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है। विभाग का कहना है कि यह हाल के समय की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक है।

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस को लेकर रणथंभौर में हाई अलर्ट, बाघों की सुरक्षा के लिए वन विभाग सतर्क

सवाई माधोपुर, 24 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में पांच बाघों की मौत के बाद देशभर के टाइगर रिजर्व में सतर्कता बढ़ा दी गई है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी द्वारा जारी हाई अलर्ट एडवाइजरी के बाद राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में भी वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। कैनाइन डिस्टेंपर वायरस को बाघों और अन्य वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा माना जा रहा है।

रणथंभौर में फिलहाल इस वायरस की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए वन विभाग लगातार निगरानी और जांच अभियान चला रहा है। रणथंभौर में वर्तमान में 77 बाघ, बाघिन और शावक मौजूद हैं, ऐसे में वन प्रशासन किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता।

रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर शारदा प्रताप

सिंह ने बताया कि एनटीसीए की एडवाइजरी के बाद सभी वनकर्मियों की बैठक लेकर उन्हें कैनाइन डिस्टेंपर वायरस के लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई है। वन विभाग की टीमें अब रणथंभौर से सटे गांवों में जाकर ग्रामीणों को भी जागरूक कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही आसपास के क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा, क्योंकि यह वायरस मुख्य रूप से कुत्तों से बाघों और अन्य वन्यजीवों में फैलता है।

वन विभाग ने रणथंभौर क्षेत्र में पानी, मिट्टी और वन्यजीवों के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है। अब तक की रिपोर्ट में किसी भी वन्यजीव में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस की पुष्टि नहीं हुई है। रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने बताया कि उन इलाकों को चिन्हित किया गया है, जहां बाघों और कुत्तों के एक ही जलस्रोत पर आने की संभावना रहती है। सबसे पहले उन्हीं क्षेत्रों में कुत्तों का टीकाकरण कराया जाएगा।

वन विभाग की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि जोधपुर बायोलॉजिकल पार्क में एक भेड़िए की मौत कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से होने की पुष्टि हो चुकी है। इसके बाद रणथंभौर, सरिस्का और अन्य टाइगर रिजर्व में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। रणथंभौर के वेटेनरी डॉक्टर सीपी मीणा ने बताया कि यह वायरस बेहद घातक है और इससे बाघ, पैंथर समेत कई वन्यजीवों की मौत हो सकती है।

गैंगवार या आपसी रंजिश? दुकान पर बैठे युवकों पर बदमाशों ने बरसाई गोलियां

एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

हनुमानगढ़, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के भादरा थाना क्षेत्र स्थित कलाना गांव में हुई फायरिंग की घटना ने सनसनी फैला दी। इस हमले में गंभीर रूप से घायल युवक संदीप की हिसार में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसका पोस्टमार्टम भादरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। वहीं दूसरे घायल युवक मनीष का इलाज अभी हिसार के अस्पताल में जारी है। कलाना गांव स्थित श्री श्याम मोबाइल शॉप पर बैठे संदीप और मनीष पर बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलाबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तुरंत भादरा के उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हिसार रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान संदीप ने दम तोड़ दिया। फायरिंग के बाद 'विशाल हनुमानगढ़िया' नाम की सोशल मीडिया आईडी से एक पोस्ट सामने आई, जिसमें घटना की जिम्मेदारी लेने की बात कही गई।

खरीदे गए अनाज का भुगतान किसानों को कुछ ही घंटों के भीतर : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अनाज की खरीद के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें कैबिनेट मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, पोन्नम प्रभाकर और अदलूरी लक्ष्मण कुमार शामिल हुए।

इस अवसर पर, उन्होंने मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी को अनेक चुनौतियों के बावजूद, यासंगी मौसम के अनाज की खरीद का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि इस जन-केंद्रित प्रशासन के तहत, खरीदे गए अनाज का भुगतान किसानों को कुछ ही घंटों के भीतर किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि मई के अंत तक अनाज की खरीद 100 प्रतिशत पूरी हो जाए। इसके अलावा, अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सूरजमुखी की फसल की खरीद के लिए तत्काल आवश्यक व्यवस्था करें, इस उपाय को हाल ही में कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई थी।

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के हमारे प्रयासों के तहत, हमने अगले 15 से 30 दिनों में एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि गांवों के किसानों को फसल के अवशेष (धान की पराली) जलाने से रोका जा सके, हमने यह भी स्पष्ट कर दिया कि जो लोग इन नियमों का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और अन्य संबंधित अधिकारियों ने इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

भारत मुझ पर 100% भरोसा कर सकता है : ट्रम्प

पीएम मोदी को पता है जरूरत पर कहां फोन करना हैं, मैं और अमेरिका हमेशा खड़े

नई दिल्ली/वॉशिंगटन डीसी, 24 मई (एजेंसियां)।डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ करते हुए कहा है कि भारत जब भी चाहे, अमेरिका और वह खुद उसके साथ खड़े रहेंगे। अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे होने को लेकर नई दिल्ली में रविवार को भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ था।

इसमें ट्रम्प ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को फोनकर संबोधित किया। ट्रम्प ने कहा, भारत मुझ पर 100 फीसदी भरोसा कर सकता है। अगर उन्हें कभी मदद की जरूरत पड़े, तो उन्हें पता है कि कहां फोन करना है। वे यहीं फोन करते हैं।

ट्रम्प ने खुद को पीएम मोदी का बहुत बड़ा फैन बताया। ट्रम्प ने मार्को रूबियो से कहा, पीएम मोदी को मेरी तरफ से नमस्ते कहिए और उन्हें बताइए कि मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

ट्रम्प ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मार्को सबसे बेहतरीन हैं। वह अमेरिका के इतिहास के सबसे महान विदेश मंत्री के रूप में याद किए जाएंगे।

मोदी ने केंद्रीय मंत्री के बेटे को गोद में उठाया

टेबल पर खड़ा करके दुलारा, बेटी को कॉपी दी, राम मोहन नायडू फैमिली संग पहुंचे थे

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय सिविल एविशन मंत्री राम मोहन नायडू ने पीएम मोदी से मुलाकात की। नायडू परिवार संग दिल्ली में सेवा तीर्थ भवन पहुंचे थे। मुलाकात के दौरान पीएम ने नायडू के दोनों बच्चों को दुलार किया।

पीएम ने बेटे को गोद में उठाया फिर टेबल पर खड़ा कर दिया। इसके बाद नायडू की बेटी मोदी के पास पहुंची तो पीएम ने उससे एक कॉपी ली और उसमें कुछ लिखकर हाथ में थमा दी। इसके अलावा 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत नायडू की मां ने मोदी को पौधा भी गिफ्ट किया।

राम मोहन नायडू टीडीपी सांसद, मोदी कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री

राम मोहन नायडू आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम लोकसभा सीट से टीडीपी सांसद हैं। इसके साथ ही टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव पद पर भी हैं। नायडू पिछले तीन बार से लोकसभा चुनाव जीत रहे हैं।

जून 2024 में उन्हें केंद्र सरकार में नागरिक उड्डयन मंत्री बनाया गया था। उस वक्त उनकी उम्र 36 साल थी। केंद्रीय कैबिनेट में शामिल होने वाले वह देश के सबसे युवा मंत्रियों में से एक हैं।

पिछले 15 दिनों में पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के तीन बड़े नेताओं से उनके परिवार संग मुलाकात की है। इससे पहले पीएम 10 मई को जब हैदराबाद के दौर पर थे। तब वे आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के घर गए थे और परिवार से मिले थे।

केंद्र में टीडीपी और जनसेना के समर्थन से चल रही मोदी सरकार

पीएम मोदी अक्सर एनडीए के सहयोगी दलों के प्रमुखों से मुलाकात करते रहते हैं। केंद्र में भाजपा फिलहाल एनडीए के सहयोगी दलों के भरोसे सरकार चला रही है।

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 240 सीटें मिलीं थीं। जो बहुमत के आंकड़े 272 से 32 कम है। ऐसे में भाजपा को अन्य 13 पार्टियों से सपोर्ट लेना पड़ा। फिलहाल एनडीए का आंकड़ा 292 सीटों का है। यह बहुमत से 20 ज्यादा है।

आरडीएसएस को मंजूरी देना जनता पर भारी बोझ : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने रविवार को राज्य सरकार द्वारा पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना को मंजूरी दिए जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राज्य के सभी बिजली उपभोक्ताओं पर भारी आर्थिक बोझ डालने वाला और अत्यंत निंदनीय है।

उन्होंने यह टिप्पणी हैदराबाद स्थित तेलंगाना भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में की। जगदीश रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने शनिवार को मंत्रिमंडल बैठक में इस योजना को मंजूरी दी है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने इस केंद्रीय योजना को राज्य में लागू करने से पहले ही रोक दिया था। उन्होंने दावा किया कि केसीआर ने केंद्र सरकार के भारी दबाव के बावजूद इस योजना को स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में लोग स्मार्ट मीटरों का विरोध करते हुए उन्हें हटाने और जलाने तक की घटनाएँ कर रहे हैं, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार इन्हीं स्मार्ट मीटरों को लागू करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार फिलहाल इन्हें केवल ट्रांसफार्मर स्तर पर लगाने की बात कर रही है, लेकिन आगे चलकर इन्हें घरेलू कनेक्शनों पर भी लगाया जा सकता है।

पूर्व मंत्री ने यह भी दावा किया कि यह योजना गरीबों के हित में नहीं है और इससे बिजली क्षेत्र के निजीकरण का रास्ता खुल सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले समय में इन मीटरों को पेयजल कनेक्शनों तक पर भी लगाया जा सकता है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से सवाल करते हुए कहा कि जब उत्तर प्रदेश सरकार ने इस योजना को वापस ले लिया था, तो तेलंगाना में इसे क्यों लागू किया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने की मांग की और किसानों एवं उपभोक्ताओं से इस योजना के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन करने की अपील की।

गांधी भवन में कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक

पार्टी विरोधी गतिविधियों पर शिकायतों की जांच जारी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में कांग्रेस अनुशासन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सांसद एवं अनुशासन समिति के चेयरमैन मल्ल रवि ने की। बैठक में पलाकुर्ती विधानसभा क्षेत्र से जांसी रेड्डी उपस्थित हुईं। इस दौरान बताया गया कि जांसी रेड्डी और विधायक यशस्विनी रेड्डी के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों पर शिकायत दर्ज की गई है। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से यह भी शिकायत दी गई है कि दोनों नेता पार्टी कैडर की अनदेखी कर रहे हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। समिति को हरिप्रसाद और कृष्ण किशोर के खिलाफ भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन दोनों को पहले ही कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने अपने जवाब और रिकॉर्ड सहित साक्ष्य समिति को सौंप दिए हैं। बैठक में जांसी रेड्डी ने भी अपने पास उपलब्ध जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की। हालांकि विधायक यशस्विनी रेड्डी विदेश में होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं। समिति ने निर्देश दिया कि सभी पक्षों को सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसी क्रम में जांसी रेड्डी को पुनः बुलाया गया है और विधायक के लौटने के बाद अगली सुनवाई तय की जाएगी। अनुशासन समिति ने कहा कि इस महीने की 30 तारीख को दोनों पक्षों को फिर से समिति के सामने उपस्थित होने के लिए कहा गया है। साथ ही जिला प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और वरिष्ठ नेताओं के साथ भी इस मामले पर चर्चा की जाएगी। समिति ने स्पष्ट किया कि फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच के बाद ही निष्कर्ष निकाला जाएगा। पार्टी का लक्ष्य सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करना है।

जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे तो कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा

फालता रिजल्ट के बाद ममता बनर्जी का हमला

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर बीजेपी की रिकॉर्ड मार्जिन से जीत के बाद ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला बोला है। ममता बनर्जी ने एक बार फिर चुनावों में धांधली के आरोपों को दोहराते हुए कहा है कि गिनती के दौरान ईवीएम में हेराफेरी की गई, वोट लूटे गए और मुझे गिनती केंद्र से बाहर धकेल दिया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि बीजेपी शासन में पुलिस शिकारी बन गई है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के दफ्तरों में लूटपाट की गई, महिलाओं पर हमला किया गया। ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश में केंद्र की बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार पर बड़ा निशाना साधा।

किसके ज्यादा ताकत- संविधान या बंदूक की नली में :

ममता बनर्जी ने टीएमसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब कल्याणी एक्सप्रेस सेतु बनाया गया था, तो सड़क पर 43 घर प्रभावित हुए थे, और हमने उनके पुनर्वास के लिए बिल्कुल वैसे ही 43 घर बनाए थे। अब, यहां लूटपाट, तोड़फोड़ और सभी निशानों को मिटाने की कोशिशें हो रही हैं। जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे, तो आपको अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा। ममता बनर्जी ने कहा कि हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं। मैं न्यायपालिका को याद दिलाना चाहती हूं कि वे ही कानून के असली रक्षक हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं राज्य प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ती रहूंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं देखूंगी कि किसमें ज्यादा ताकत है। संविधान में या बंदूक की नली में।

शुवेंदु अधिकारी बनाम ममता बनर्जी :

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 4 मई के नतीजों के बाद बंगाल के लोग और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता आतंक का शिकार हुए हैं। ममता बनर्जी ने केंद्र और बंगाल की बीजेपी की अगुवाई वाली सरकारों पर यह हमला फालता में टीएमसी की बड़ी हार के बाद बोला है। फालता सीट पर टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान की जमानत जब्त हो गई। इस सीट पर बीजेपी ने 1,09021 वोटों से जीत दर्ज की है। यह बंगाल में बीजेपी की किसी भी सीट पर सबसे बड़ी जीत है। फालता की जीत के बाद मुख्यमंत्री शुवेंदु अधिकारी ने बड़ा हमला बोला था। अधिकारी ने कहा था कि ये तो बस शुरूआत है। आगे टीएमसी नेतृत्व को नोटा से लड़ना पड़ेगा। गौरतलब हो कि फाल्टा में री-पोल के बाद जब चुनाव प्रचार का आखिरी दिन था तब टीएमसी कैंडिडेट जहांगीर खान ने मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया था।

नीट परीक्षा पेपर लीक घोटाले के विरोध में एनएसयूआई का मसाल जुलूस

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनएसयूआई के तत्वावधान में, नीट परीक्षा पेपर लीक घोटाले के विरोध में हैदराबाद के टैंक बंड पर एक विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस इंदिरा गांधी की प्रतिमा से शुरू होकर राजीव गांधी की प्रतिमा तक गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व तेलंगाना एनएसयूआईके प्रदेश अध्यक्ष, यादवल्ली वेंकटस्वामी ने किया। इस रैली में एनएसयूआई एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, एआईसीसी सचिव व तेलंगाना सह प्रभारी सचिन सावंत, सांसद अनिल कुमार यादव, एमएलसी बालमूर वेंकट, खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार रही विजया रेड्डी और डीसीसी अध्यक्ष दीपक जॉन के साथ-साथ बड़ी संख्या में एनएसयूआई के नेताओं और छात्रों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि देश भर में नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्रों का भविष्य पेपर लीक होने के कारण अंधकार में डूब गया है। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री नीट पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। इसके अलावा, उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार एनटीए को भंग करे और उन छात्रों के परिवारों को 5 करोड़ का मुआवजा दे, जिन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है।

शक्ति और शांति का संतुलन ही भारतीय परंपरा की असली पहचान : राव

सरस्वती शिशु मंदिर में हुई आयुध पूजा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने खम्मम स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में का दौरा किया और वहाँ आयोजित आयुध पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आयुध पूजा भारत की महान सभ्यतागत परंपरा को दर्शाती है, जिसमें शक्ति के प्रतीक अस्त्र-शस्त्रों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा भारतीय संस्कृति में साहस, शक्ति और अनुशासन का प्रतीक है। आयुध पूजा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता हमेशा से शांति, सद्भाव, ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलने वाली रही है। भारत ने कभी किसी पर आक्रमण की नीति नहीं अपनाई, लेकिन हमारी संस्कृति यह भी सिखाती है कि आवश्यकता पड़ने पर धर्म की रक्षा के लिए हमें मजबूत, साहसी और तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शक्ति और शांति का संतुलन ही भारतीय परंपरा की असली पहचान है। कार्यक्रम खम्मम में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बंडारू दत्तात्रेय के प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा : हरिबाबू

पूर्व राज्यपाल की आत्मकथा का विशाखापट्टनम में विमोचन

विशाखापट्टनम, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजला कथा ना आत्मकथा' का विमोचन कार्यक्रम शनिवार को विशाखापट्टनम स्थित काकतीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। यह पुस्तक भारत के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की जीवनी है। कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल के. हरिबाबू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक गंटा श्रीनिवास राव, एमएलसी सोमू वीरराजू, पूर्व सांसद जी.वी.एल. नरसिम्हा राव, पूर्व मंत्री गुडिवाड़ा अमरनाथ, पूर्व विधायक करणम धर्मश्री सहित कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूर्व सांसद जी.वी.एल. नरसिम्हा राव ने कहा कि बंडारू दत्तात्रेय ने अपने जीवन में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए हर पद को गरिमा प्रदान की। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय ने अपना पूरा जीवन भारतीय जनता पार्टी को समर्पित किया है और उनकी जीवनी से प्रेरणा लेनी चाहिए। एमएलसी सोमू वीरराजू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र के लिए कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने दत्तात्रेय के जीवन को सभी के लिए आदर्श बताया और कहा कि डिविसीमा चक्रवात के समय उनकी सेवाएं अविस्मरणीय रहीं। विधायक गंटा श्रीनिवास राव ने कहा कि राजनीति में पदों के साथ-साथ विरोधी भी होते हैं, लेकिन बंडारू दत्तात्रेय ऐसे नेता हैं जिनके कोई शत्रु नहीं रहे।

दमरे की तीन नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत की घोषणा

काचीगुड़ा से श्री गंगानगर के लिए साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन आज से

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय ने तेलंगाना से तीन नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा पहले से संचालित स्पेशल ट्रेनों को नियमित सेवा में परिवर्तित किया गया है। इन नई ट्रेनों के माध्यम से हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों को जयपुर, अगरतला और श्रीगंगानगर से जोड़ा जाएगा, जिससे लंबी दूरी की रेल कनेक्टिविटी को बड़ी मजबूती मिलेगी। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 17079/17080 हैदराबाद-जयपुर-हैदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस की सेवा 24 और 26 जुलाई से शुरू होगी। यह ट्रेन हैदराबाद, सिकंदराबाद, निजामाबाद, नांदेड़, भोपाल, उज्जैन, अजमेर और जयपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 17031/17032 चेर्लापल्ली-अगरतला-चेर्लापल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस का संचालन 27 और 31 जुलाई से शुरू होगा। यह ट्रेन विजयवाड़ा, विजयनगरम, भुवनेश्वर, खड़गपुर, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू बोंगाईगांव, गुवाहाटी होते हुए अगरतला तक जाएगी। इसके अलावा रेल मंत्रालय ने काचीगुड़ा-श्री गंगानगर-काचीगुड़ा साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन (ट्रेन संख्या 17601/17602) के संचालन को मंजूरी दे दी है। यह सेवा पहले से चल रही 07053/07054 काचीगुड़ा-श्री गंगानगर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को नियमित ट्रेन के रूप में परिवर्तित कर शुरू की जा रही है। इस निर्णय से यात्रियों को स्थायी और सुगम रेल सेवा उपलब्ध होगी। यह नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक शनिवार को काचीगुड़ा से श्री गंगानगर के लिए रवाना होगी और इसकी नियमित सेवा 25 जुलाई से शुरू होगी। वहीं, श्री गंगानगर से काचीगुड़ा के लिए ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को चलेगी और इसकी सेवा 28 जुलाई से प्रारंभ होगी। यह ट्रेन काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन से शुरू होकर दक्षिण और उत्तर भारत के बीच एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क स्थापित करेगी। इससे यात्रियों को यात्रा में अधिक सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान में शामिल हुए रामचंदर राव

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने खम्मम जिले में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें बीजेपी के विचारधारात्मक आधार से लेकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक की प्रेरणादायक यात्रा को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, उनके दृष्टिकोण और योगदान को भी विस्तार से दर्शाया गया। उनके 'अंत्योदय' और 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांतों को भाजपा की राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की प्रतिबद्धता का मार्गदर्शक बताया गया।

नेताओं ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के विचार आज भी संगठन को गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रेरित करते हैं। यह कार्यक्रम खम्मम में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बलूचिस्तान में रेलवे...

जाफर एक्सप्रेस पाकिस्तान रेलवे की एक लंबी दूरी की प्रमुख पैसेंजर ट्रेन है। यह ट्रेन बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा को पाकिस्तान के बड़े शहरों से जोड़ती है। यह बलूचिस्तान समेत कई संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरती है। हाल के सालों में बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों पर कई बड़े हमले हो चुके हैं।

यह ट्रेन जिन इलाकों से गुजरती है वहां बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का दबदबा है, इस वजह से इस ट्रेन को कई बार निशाने पर लिया गया है। पिछले साल बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक कर लिया। तब बीएलए ने 214 पैसेंजर्स को बंधक बनाने और 30 सैनिकों की हत्या की बात कही थी।

बलूचिस्तान में कई लोगों का मानना है कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद वे एक आजाद देश के तौर पर रहना चाहते थे। लेकिन बिना उनकी मर्जी से उन्हें पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया था। इस वजह से बलूचिस्तान में सेना और लोगों का संघर्ष आज भी जारी है। सूत्रों के मुताबिक बलूचिस्तान में आजादी की मांग करने वाले कई संगठन हैं, लेकिन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे ताकतवर संगठन है। ये संगठन 70 के दशक में अस्तित्व में आया और 21वीं सदी में इसका प्रभाव बढ़ा है। बीएलए बलूचिस्तान को पाकिस्तानी सरकार और चीन से मुक्ति दिलाना चाहता है। उनका मानना है कि बलूचिस्तान के संसाधनों पर उनका हक है। पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को 2007 में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया था।

वायुसेना प्रमुख एपी...

> 'सुरंजन दास ट्रॉफी' स्काड्रन लीडर केके सिंह को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड स्टूडेंट टेस्ट पायलट के रूप में दी गई।

> 'चीफ ऑफ एयर स्टाफ ट्रॉफी' फ्लाइट इवैल्यूएशन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्काड्रन लीडर आदित्य जमदग्नि को प्रदान की गई।

> 'महाराजा हनुमंत सिंह स्वॉर्ड' विंग कमांडर अभिनव कुमार को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंड फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर के रूप में मिला।

> विंग कमांडर प्रणव शर्मा को फ्लाइट इवैल्यूएशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'डनलप ट्रॉफी' दी गई।

> ग्राउंड सब्जेक्ट्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्काड्रन लीडर पारस शर्मा को 'कपिल भार्गव ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विराट कोहली छोड़िए, आईपीएल की पिच पर रन चेज में श्रेयस अय्यर का भी जवाब नहीं

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। रन चेज की बात होती है तो ख्याल में बस एक ही नाम आता है- विराट कोहली. लेकिन, आईपीएल की पिच पर श्रेयस अय्यर ने जो किया है, वो भी कुछ कम नहीं. उनके आंकड़े बताते हैं कि रन चेज में वो भी माहिर हैं. आईपीएल 2026 में ही कई बड़े रनचेज में उनका योगदान रहा है. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 23 मई को खेला मुकाबला इसकी सबसे ताजा मिसाल है. प्लेऑफ को लेकर ये मुकाबला पंजाब किंग्स के लिए जीतना बेहद अहम था. ऐसे में शुरुआती 2 विकेट जल्दी गिरने के बाद श्रेयस अय्यर ने टीम को जिताने की जिम्मेदारी अपने ऊपर उठाई और 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अकेले ही नाबाद 101 रन जड़ दिए.

श्रेयस अय्यर ने 51 गेंदों पर नाबाद 101 रन बनाए, जो कि उनके आईपीएल करियर का पहला शतक है. मतलब, आईपीएल की पिच पर खेली उनकी सबसे बड़ी पारी है. आईपीएल में अब तक 11 कप्तानों ने शतक जमाया है. मगर रन चेज में शतक जमाने वाले अय्यर सिर्फ चौथे कप्तान हैं. उनसे पहले ये कारनामा वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन कर चुके हैं.

आईपीएल की पिच पर रन चेज में बीते 2 साल का अय्यर का रिकॉर्ड बताता है कि वो कितने बड़े चेज मास्टर हैं. आईपीएल 2024 से अब तक उन्होंने रन चेज में खेली 16 पारियों में 158.6 की औसत से 793 रन बनाए हैं.

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 178.2 का रहा है. जबकि उनके बल्ले से 1 शतक और 8 अर्धशतक निकले हैं. इस दौरान विराट कोहली ही सिर्फ ऐसे हैं, जिन्होंने रन चेज में श्रेयस अय्यर से ज्यादा रन बनाए हैं. हालांकि, औसत और स्ट्राइक रेट के मामले में श्रेयस उनसे आगे रहे हैं.

आईपीएल की पिच पर रन चेज में श्रेयस अय्यर ने हाल के समय में अपना नाम कैसे बनाया है, उसका पता पिछले सीजन से अब तक के उनके आंकड़ों से भी चलता है.

श्रेयस ने पिछले सीजन से अब तक 9 इनिंग सफल रन चेज में खेली, जिसमें 6 में वो नाबाद रहे. इस दौरान उन्होंने 7 अर्धशतक और 1 शतक लगाया.

साफ है कि रन चेज में श्रेयस अय्यर ने भी अब मास्टरी हासिल कर ली है और उनकी इसी खूबी का नतीजा है कि पंजाब किंग्स प्लेऑफ की रेस में अब भी है.

राजस्थान आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंची

सीजन की टॉप-4 टीमें तय, मुंबई 30 रन से हारी, आर्चर ने 3 विकेट लिए

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में रविवार को पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम प्लेऑफ में पहुंच गई। राजस्थान ने वानखेड़े स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में मुंबई 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी।

राजस्थान के लिए एक भी अर्धशतक नहीं लगा

राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों में 32 और दासुन शनाका ने 29 रन की पारी खेली। आखिर में रवींद्र जडेजा और नांद्रे बर्गर ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। विल जैक्स, अल्लाह गजनफर और कॉर्बिन बॉश को 1-1 सफलता मिली।

अंत में जोफ्रा आर्चर ने तूफानी पारी खेलकर राजस्थान को 205 रनों तक पहुंचा दिया. इसके अलावा गेंदबाजी में भी उन्होंने 4 ओवर में 17 रन खर्च कर 3 विकेट हासिल किए. वह रॉयल्स की जीत के असली हीरो बने। सूर्यकुमार यादव ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतक जमाया. लेकिन ये जीत के लिए काफी नहीं था।

गुरिंदरवीर 100 मीटर में भारत के सबसे तेज धावक

10.09 सेकेंड में रेस पूरी; बोले- लोग कहते थे भारतीयों में 100 मीटर दौड़ने का जींस नहीं

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक दिन रहा। पंजाब के 25 साल स्प्रिंटर गुरिंदरवीर सिंह ने एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ को महज 10.09 सेकेंड में पूरा किया और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया।

यह रिकॉर्ड इसलिए भी खास है, क्योंकि भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में पहली बार 100 मीटर रेस में 10.10 सेकेंड का मार्क क्रैक हुआ है यानी कि किसी भारतीय एथलीट ने पहली बार 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकेंड से कम समय में पूरा किया।

गुरिंदरवीर ने फिनिश लाइन पार करते ही सीने पर लगा बिब नंबर उखाड़ा दिया और जोश में चिल्लाते हुए ट्रैक पर जूते फेंक दिए।

इवेंट के बाद गुरिंदरवीर ने कहा- 'लोग कहते थे कि भारतीयों के पास 100 मीटर के लिए जीन नहीं हैं। मैं सबको गलत साबित करना चाहता था। भारतीय जीन बहुत मजबूत हैं और यह सिर्फ शुरुआत है।'

गुरिंदरवीर का यह समय इस सीजन में पूरे एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है, जो जापान के फुकुतो कोमुरो (10.08 सेकेंड) से सिर्फ .01 सेकेंड पीछे है। इसके साथ ही उन्होंने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क (10.16 सेकेंड) को भी आसानी से पार कर लिया। सीनियर फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को चौंकाते हुए पीछे छोड़ दिया।

यहां पंजाब के गुरिंदरवीर और ओडिशा के अनिमेष के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिले। अनिमेष पिछले साल बनाए गए 10.18 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार थे। लेकिन शुक्रवार को पहले दिन 25 वर्षीय गुरिंदरवीर ने शुरुआती सेमीफाइनल हीट में इसे 10.17 सेकेंड तक कम कर दिया।

इसके महज 5 मिनट बाद 22 साल के अनिमेष ने दूसरे सेमीफाइनल हीट में 10.15 सेकेंड का समय निकालकर नेशनल रिकॉर्ड वापस हासिल कर लिया। जिसे फाइनल में गुरिंदरवीर एक बार फिर अपने नाम कर लिया।

गुरिंदरवीर ने फाइनल में अनिमेष से 0.11 सेकेंड तेज दौड़ लगाई। उन्होंने अपने युवा प्रतिद्वंद्वी से कम से कम दो फीट आगे रहते हुए फिनिश लाइन पार की। रिलायंस फाउंडेशन के ही प्रणव गुरव 10.29 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

गुरिंदरवीर ने कहा- 'बहुत अच्छी फीलिंग है। जैसी ट्रेनिंग चल रही थी, वैसे रिजल्ट भी मिल रहे हैं। आगे भी ट्रेनिंग अच्छी रहेगी और अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। ट्रेनिंग में जिन चीजों की कमी थी, उन्हें सुधारा। कमजोरियां दूर कीं, स्ट्रेन्थ बढ़ाई। आखिरी मिनट में फिजिकल से ज्यादा मेंटल गेम होता है। जो अपने आप को मानसिक रूप से मजबूत रख पाएगा, वो जीतेगा।'

1896 में मॉडर्न ओलिंपिक की शुरुआत हुई थी। 1928 तक 100 मीटर चैंपियन श्वेत एथलीट थे। 1932 में एडी टोलन पहले अश्वेत ओलिंपिक 100 मीटर चैंपियन बने। 1984 से 2024 तक ओलिंपिक में अश्वेत ही 100 मीटर चैंपियन रहा। 2020 में टोक्यो ओलिंपिक का गोल्ड जीतने वाले लेमॉन्ट मार्सेल जैकब्स के पिता अफ्रीकी मूल के थे, जबकि मां इटैलियन थीं। इसलिए उन्हें भी ब्लैक में गिना गया है।

शांत नहीं हो रही है टीम इंडिया सिलेक्शन की आग

दिग्गज ने 3 नामों से बताया खुला अन्याय !

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुनी गई भारतीय टीम पर अपने रिएक्शंस दिए हैं. जाफर का मानना है कि तीन खिलाड़ी- सरफराज खान, मोहम्मद शमी और आकिब नबी अपने शानदार डोमेस्टिक परफॉर्मेंस की बदौलत टीम में जगह पाने के हकदार थे.

वसीम जाफर को लगा कि सरफराज खान को टीम से बाहर रखना हैरानी की बात है, खासकर पिछले कुछ सीजनों में घरेलू क्रिकेट में उनकी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस को देखते हुए. मुंबई के इस बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी में सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है; उन्होंने दबाव में भी जमकर रन बनाए हैं और अपनी टीम के लिए कई अहम पारियां खेली हैं. तेज और स्पिन, दोनों तरह की बॉलिंग पर हावी होने की उनकी काबीलियत ने उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट के लिए सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बना दिया है.

यूक्रेन में रूस का बड़ा हमला, जानें कितनी खतरनाक है ओरेशनिक मिसाइल? जिससे हमले की आशंका, जेलेंस्की ने किया लोगों को अलर्ट

पूर्व सलामी बल्लेबाज ने मोहम्मद शमी का भी समर्थन किया, भले ही चोट की चिंताओं के कारण इस तेज गेंदबाज को इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहना पड़ा हो. शमी ने हाल ही में घरेलू मैचों में अपनी तेज गेंदबाजी की लय और कंट्रोल से सभी को इम्प्रेस किया है. उनका तजुर्बा, गेंद को स्विंग कराने की काबीलियत और टेस्ट क्रिकेट में विकेट लेने का रिकॉर्ड, अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के पेस बॉलिंग अटैक को और मजबूत बना सकता था.

वसीम जाफर ने युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी के घरेलू टूर्नामेंट में किए गए प्रदर्शन की भी तारीफ की. जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज ने अपनी पेस, डिसिप्लिन और गेंदबाजी के लिए मददगार हालात में बॉल को स्विंग करने के टैलेंट से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है. उन्होंने घरेलू कॉम्पिटिशन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी दिखाई है.

वसीम जाफर के मुताबिक, नेशनल टीम के सिलेक्शन में घरेलू क्रिकेट की भूमिका अहम बनी रहनी चाहिए. उनका मानना है कि डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को रिवार्ड करने से युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और भारत का ओवरऑल क्रिकेट स्ट्रक्चर और मजबूत होता है.

प्रज्ञानंदा ने अनीश गिरी से ड्रॉ खेला

जॉर्डन को हराकर विंसेंट कीमर बने चैंपियन

बुखारेस्ट (रोमानिया), 24 मई (एजेंसियां)। जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विनसेंट कीमर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर चेस क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। अंतिम राउंड में कीमर ने नीदरलैंड्स के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। वहीं, भारत के स्टार ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंदा ने अपने अंतिम मुकाबले में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला।

अंतिम राउंड से पहले कीमर और अमेरिका के फैबिआनो कारुआना संयुक्त बढ़त पर थे। हालांकि, कीमर ने निर्णायक मुकाबले में जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया। कीमर ने पूरे टूर्नामेंट में कुल 6 अंक जुटाए। उन्होंने चार मुकाबले जीते, चार ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मैच में हार का सामना किया। उनकी एकमात्र हार उज्बेकिस्तान के जे. सिंदरोव के खिलाफ हुई थी। चैंपियन बनने पर कीमर को एक लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। इसके साथ ही उन्होंने इस साल होने वाले ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स के लिए भी मजबूत दावेदारी पेश की।

प्रज्ञानंदा और गिरी के बीच मुकाबला निम्जो-इंडियन डिफेंस की कैपाब्लांका वेरिएशन में खेला गया। शुरुआती चालों के बाद ही स्थिति बराबरी की हो गई और लगातार मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला 31 चालों में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। गिरी अंतिम राउंड में कुछ निराश नजर आए और सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद ज्यादा आक्रामक रणनीति नहीं अपनाई।

कारुआना ने फ्रांस के मैक्सिम वैचिर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला और 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अमेरिका के वेस्ले सो और सिंदरोव ने भी अंतिम राउंड में ड्रॉ खेला। दोनों खिलाड़ियों ने 5-5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा प्रज्ञानंदा, गिरी, वान फॉरेस्ट, वाशिये-लग्राव और रोमानिया के बॉगडैन डैनियल डीएक 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से अगले स्थान पर रहे। फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा ने पांचवें राउंड के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था, जिसके कारण उन्हें अंतिम स्थान पर रहना पड़ा।

अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप: सूरज और सागर ने जीते रजत, ग्रीको-रोमन में भारत के पांच पदक

खेल डेस्क, 24 मई (एजेंसियां)। 60 किलोग्राम भार वर्ग में सूरज सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, स्वर्ण पदक मुकाबले में उन्हें कजाकिस्तान के ऐवेक ऐतबेकोव के खिलाफ 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने रजत पदक जीतकर भारत की झोली में महत्वपूर्ण पदक डाला। वहीं, 67 किलोग्राम भार वर्ग में सागर सिंह ने भी पूरे टूर्नामेंट में दमदार खेल दिखाया। फाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान के ऐतजान खलमाखानोव के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-9 से हार मिली, जिसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

77 किलोग्राम भार वर्ग में कुमार सचिन ने कांस्य पदक जीता। हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में कजाकिस्तान के अलीखान दुरसुनोव के खिलाफ 3-10 से हार का सामना करना पड़ा था। 97 किलोग्राम वर्ग में रोहित कांस्य पदक मुकाबले में बेहद करीबी संघर्ष के बाद उज्बेकिस्तान के बेखरूज बर्नोएव से 3-5 से हार गए। वहीं, 130 किलोग्राम वर्ग में हरदीप को कजाकिस्तान के जोखर उजारोव के खिलाफ 0-4 से हार झेलनी पड़ी। 72 किलोग्राम वर्ग में विनीत और 82 किलोग्राम वर्ग में अमित गोपे तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। विनीत को उज्बेकिस्तान के शाहजोद कुचकोरोव ने 9-6 से हराया, जबकि अमित गोपे ताजिकिस्तान के मुहम्मद सुल्तानजोदा के खिलाफ 0-10 से मुकाबला हार गए।

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवानों ने शानदार जज्बा और अनुशासन दिखाया है। उन्होंने कहा, 'पहले ही दिन पांच पदक जीतना भारतीय ग्रीको-रोमन कुश्ती के लगातार बेहतर होते प्रदर्शन का संकेत है। सभी पदक विजेताओं को बधाई और बाकी खिलाड़ियों को आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं।'

भारत ने पिछली अंडर-23 और अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन वर्ग में तीन पदक जीते थे। इनमें सुमित का स्वर्ण और अंकित गुलिया तथा नितेश के कांस्य पदक शामिल थे। इसके अलावा, पिछले महीने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित 2026 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भी भारत ने ग्रीको-रोमन वर्ग में पांच पदक जीतकर पिछले पांच वर्षों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। रविवार को भारत का अभियान आगे बढ़ेगा। नीरज 55 किलोग्राम वर्ग के क्वालिफिकेशन मुकाबले में उतरेंगे, जबकि सुमित (63 किग्रा) और रोहित बुरा (87 किग्रा) भी पदक जीतने के इरादे से चुनौती पेश करेंगे।

टेस्ट मैच के बीच लाल की जगह गुलाबी गेंद

आईसीसी की कोशिश- खराब रोशनी के कारण खेल न रुके, दोनों कप्तानों की सहमति जरूरी

दुबई, 24 मई (एजेंसियां)। आईसीसी क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में बड़े बदलावों की तैयारी कर रही है। सबसे अहम प्रस्ताव लाल बॉल से शुरू हुए किसी टेस्ट मैच के बीच गुलाबी गेंद का इस्तेमाल करना है। गेंद उन स्थितियों में बदली जाएगी जब खराब रोशनी के कारण खेल रोक दिया गया हो।

लाल गेंद फ्लड लाइट्स में ठीक से नहीं दिखती है। जितनी देर खराब रोशनी हो उतनी देर लाल की जगह गुलाबी गेंद से खेल हो। हालांकि, इसके लिए मैच खेल रही दोनों टीमों के कप्तानों को सहमति देनी होगी। यह प्रस्ताव सिर्फ दिन में होने वाले टेस्ट मैचों के लिए है। साथ ही ये नियम उन्हीं ग्राउंड पर लागू हो सकते हैं जहां पहले से फ्लड लाइट्स लगे हों। डे-नाइट टेस्ट मैच पूरी तरह से गुलाबी गेंद से ही होते हैं।

क्रिकबज के मुताबिक बदलावों से जुड़े प्रस्ताव गुरुवार को आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी की वर्चुअल बैठक में रखे गए। आईसीसी क्रिकेट कमिटी के प्रमुख सौरव गांगुली भी बैठक में शामिल रहे। इन प्रस्तावों पर 30 मई को अहमदाबाद में होने वाली आईसीसी बोर्ड बैठक में चर्चा होगी और मंजूरी मिलने पर नए नियम 1 अक्टूबर से लागू किए जा सकते हैं।

वनडे में हर पारी में दो ड्रिंक्स ब्रेक होते हैं। अभी ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान सिर्फ सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ही मैदान पर जा सकते हैं। इसमें भी ड्रिंक्स ले जाने वाले खिलाड़ियों का क्रिकेट ड्रेस में होना अनिवार्य है। प्रस्ताव के मुताबिक हेड कोच को भी खिलाड़ियों से बात करने के लिए मैदान पर आने की परमिशन मिलेगी। टी-20 इंटरनेशनल में कोच को पहले से इसकी इजाजत दी जा चुकी है।

टी-20 इंटरनेशनल मैच में दोनों पारी के बीच का ब्रेक 20 मिनट से घटाकर 15 मिनट करने का प्रस्ताव है। इससे मैच जल्दी खत्म होंगे और ब्रॉडकास्ट शेड्यूल भी आसान होगा।

हैरी केन की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप, बुंदेसलीगा के बाद जीता दूसरा खिताब

म्यूनिख, 24 मई (एजेंसियां)। हैरी केन की शानदार हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने डीएफबी-पोकाल (जर्मन कप) फाइनल में स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर घरेलू डबल अपने नाम कर लिया। बायर्न ने इस जीत के साथ अपना 21वां जर्मन कप खिताब जीता और 2020 के बाद पहली बार इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इससे पहले टीम इस सीजन में बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुकी है। बायर्न के इतिहास में यह 14वां मौका है जब क्लब ने एक ही सीजन में लीग और कप दोनों खिताब जीते हैं। वहीं स्टटगार्ट का सीजन बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त हुआ।

मैच की शुरुआत में स्टटगार्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और बायर्न को दबाव में रखा। शुरुआती मिनटों में डेनीज उंडाव और एंजेलो स्टिलर ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन बायर्न के गोलकीपर जोनास उरबिग ने शानदार बचाव किया। मैनुअल नोयर की जगह खेल रहे उरबिग ने कई महत्वपूर्ण सेव किए। दूसरी ओर बायर्न की टीम लंबे समय तक गेंद अपने पास रखने के बावजूद लय में नजर नहीं आई। हैरी केन ने पहले हाफ में एक हेडर बाहर मारा, जबकि लुइस डियाज का शॉट स्टटगार्ट के गोलकीपर अलेक्जेंडर नुबेल ने रोक लिया।

विमेंस टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप खेलने इंग्लैंड रवाना

तिलक लगाकर विदाई दी गई; पिछले साल वनडे वर्ल्डकप जीता था

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए मुंबई से इंग्लैंड रवाना हो गई। फैंस ने ढोल-नगाड़ों के बीच प्लेयर्स को तिलक लगाकर खिलाड़ियों को विदाई दी। टीम हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतर रही है, जिन्होंने पिछले साल भारत को पहली बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जिताया था। उस टीम की 11 प्लेयर्स स्क्वॉड का हिस्सा हैं। यह टीम वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। जो लिमिटेड ओवर के आईसीसी टूर्नामेंट की तैयारियों के लिहाज से अहम है। यह सीरीज 28 मार्च से शुरू हो रही है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, यस्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, श्रेयांका पाटिल और राधा यादव।

भारत का पहला मैच पाकिस्तान से 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। उसके बाद टीम इंडिया नीदरलैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। टूर्नामेंट में 12 टीमों को 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप से 2 टीमों सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है।

धान खरीद में देरी से किसान परेशान

विधायक ने केंद्रों का किया दौरा

मेदक, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाक के विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने रविवार को नरसिंगी और चेगुंटा मंडलों के कई धान खरीद केंद्रों का दौरा किया और किसानों तथा खरीद कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने धान किसानों को अधर में छोड़ दिया है क्योंकि खरीद में कई दिनों की देरी हो चुकी है। किसानों ने विधायक को बताया कि खरीद केंद्रों पर लंबे इंतजार के कारण कम से कम दो किसान गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। अधिकारियों से बार-बार शिकायत करने के बावजूद खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विधायक ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की आठ चावल मिलों ने जानबूझकर धान उतारने में देरी की और प्रति बोरी एक से दो किलो धान काटकर किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया।

रेड्डी ने कहा कि किसानों ने धरने दिए और ज्ञापन भी सौंपे, लेकिन सरकार ने अपना रवैया नहीं बदला। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर केवल बयानबाजी करने और जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

28 मई से मानसून पूर्व बारिश की संभावना

बुधवार तक लू जारी रहेगी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को जारी पूर्वानुमान में बताया कि तेलंगाना में 28 मई गुरुवार से मानसून पूर्व गरज के साथ बारिश शुरू होने की संभावना है। विभाग ने स्पष्ट किया कि अगले तीन दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद चार दिनों में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी। बुधवार तक राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। जिन जिलों में पारा 44 डिग्री से ऊपर जाने की आशंका है उनमें भद्राद्रि कोत्तागुडेम, हनुमाकोंडा, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ले, करीमनगर, खम्मम, कोमाराम भीम आसिफाबाद, महबुबाबाद, नलगोंडा, निजामाबाद, निर्मल और पेद्दापल्ले शामिल हैं।

गुरुवार से राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इस दौरान बिजली कड़कने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। विभाग ने हैदराबाद सहित रंगारेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी, संगारेड्डी, मेदक, सिद्दीपेट, कामारेड्डी, निजामाबाद, महबूबनगर, नगरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलाम्बा गदवाल, विकाराबाद, सूर्यापेट, नलगोंडा, यादाद्री भुवनगिरि, खम्मम, महबूबाबाद, वारंगल, हनुमाकोंडा, जनगांव, राजन्ना सिरसिला, जगतियाल और जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में तूफान की चेतावनी जारी की है।

धान खरीद में अनियमितता का आरोप

निरंजन रेड्डी ने की जांच की मांग

वनपर्थी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने रविवार को वानापर्थी मंडी यार्ड में बारिश से भीगी धान की फसल का निरीक्षण किया और धान की खरीद एवं परिवहन अनुबंधों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसान लगभग 50 दिनों से खरीद केंद्रों पर अपनी उपज तुलवाए बिना इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्षतिग्रस्त धान की भी खरीद करे और केंद्रों पर पड़े स्टॉक को तत्काल खाली कराए।

निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया कि पर्याप्त वाहनों के अभाव में अयोग्य एजेंसियों को परिवहन निविदाएं दी गईं, जिससे संकट और गहरा हो गया। उन्होंने कहा कि तीन मंडलों के 120 करोड़ रुपये के ठेके सत्ताधारी कांग्रेस नेता के करीबी व्यक्ति को दिए गए और इन ठेकों के एवज में एक मंत्री के बेटे को रेंज रोवर उपहार में दिए जाने का भी आरोप है। उन्होंने नागरिक आपूर्ति आयुक्त से इन मामलों की सतर्कता एवं प्रवर्तन जांच कराने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि 33 लंबित मिल मालिकों पर कार्रवाई हुई जबकि कांग्रेस से जुड़े 23 मिल मालिकों को छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि 140 लाख मीट्रिक टन धान और 45 लाख टन मक्का बाजारों में आ चुका है लेकिन खरीद की गति धीमी बनी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने शीधर रेड्डी की अनसुलझी हत्या पर भी चिंता जताई और चेतावनी दी कि न्याय में और देरी होने पर बीआरएस मुख्यमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करेगी।

कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना का लाभ पाने में हो रही देरी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजना का लाभ पिछले दो वर्षों से बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवारों को समय पर नहीं मिल पा रहा है। आवेदन प्रक्रिया और धन जारी करने में देरी इसके प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

यह योजना वर्ष 2016 में तत्कालीन बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई थी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों के आवेदन कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत, जबकि अल्पसंख्यक समुदाय के आवेदन शादी मुबारक योजना के तहत स्वीकृत किए जाते हैं। सरकार पात्र लाभार्थियों को विवाह खर्च के लिए एकमुश्त 1,00,116 रुपये की सहायता राशि प्रदान करती है।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने वर्ष 2026-27 के लिए 650 करोड़ रुपये का बजट रखा है, जिससे करीब 64,900 लाभार्थियों को सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि पिछले दो वर्षों में इस योजना के तहत खर्च लगातार घटा है। वर्ष 2024-25 में 650 करोड़ रुपये के बजट में केवल 403.90 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि वर्ष 2025-26 में खर्च घटकर 278.40 करोड़ रुपये रह गया।

इसी तरह जनजातीय कल्याण विभाग ने वर्ष 2024-25 में 260 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन खर्च केवल 164.71 करोड़ रुपये हुआ। वर्ष 2025-26 में भी 260 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, मगर खर्च 143.17 करोड़ रुपये ही रहा।

अनुसूचित जाति विकास विभाग ने वर्ष 2024-25 में 500 करोड़ रुपये का बजट रखा था, लेकिन केवल 240 करोड़ रुपये खर्च किए गए। वहीं वर्ष 2025-26 में 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, लेकिन खर्च घटकर 200 करोड़ रुपये रह गया।

तेलंगाना की आर्थिक विकास दर में आई गिरावट

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की आर्थिक विकास दर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान लगातार गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक बजट अनुमान और सामाजिक-आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर, जो पहले दोहरे अंकों में तेजी से बढ़ रही थी, अब धीमी पड़ती दिखाई दे रही है। राज्य गठन के बाद शुरुआती वर्षों में तेलंगाना ने लगातार मजबूत आर्थिक वृद्धि दर्ज की थी।

वर्ष 2015-16 से 2018-19 के बीच विकास दर 14 प्रतिशत के आसपास रही। कोविड महामारी के बाद भी राज्य ने तेजी से वापसी करते हुए 2021-22 में 19.4 प्रतिशत और 2022-23 में 16.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

हालांकि इसके बाद वृद्धि दर में गिरावट शुरू हो गई। वर्ष 2023-24 में यह घटकर 11.9 प्रतिशत रह गई। अनुमान के अनुसार 2024-25 में यह 10 प्रतिशत, 2025-26 में 10.7 प्रतिशत और 2026-27 में फिर 10 प्रतिशत रहने की संभावना है। विश्लेषकों का कहना है कि राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार लगातार बढ़ रहा है और वर्ष 2026-27 तक इसके 19.61 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन विकास की गति पहले की तुलना में कमजोर हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार आर्थिक विकास दर रोजगार, कर राजस्व, उद्योगों में निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास को सीधे प्रभावित करती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि विकास दर में गिरावट जारी रही तो भविष्य में राज्य की कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है। वहीं कांग्रेस सरकार का कहना है कि उसका ध्यान कल्याणकारी योजनाओं और दीर्घकालिक संतुलित विकास पर केंद्रित है।

वकील की हत्या में पुलिस ने कई विशेष टीमें गठित कीं

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने नामपल्ली में शनिवार सुबह कार से कुचलकर की गई वकील ख्वाजा मोइनुद्दीन की हत्या के मामले में संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो कार की पहचान कर ली है। कार के पंजीकृत मालिक ने बताया कि उसने यह वाहन लगभग छह महीने पहले किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया था और संभवतः नए मालिक ने इसे अपने नाम पर पंजीकृत नहीं कराया था।

जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने वारदात से कुछ दिन पहले वकील के घर के आसपास रेकी की थी। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट है कि हत्यारे वकील के घर से निकलने का इंतजार कर रहे थे। कार में कम से कम दो लोग सवार थे और कुछ अन्य संदिग्ध भी घर के पास तैनात थे जो घटना के बाद फरार हो गए। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति ने वकील के अस्पताल में भर्ती ससुर से मिलने जाने की योजना की जानकारी हमलावरों को दी थी। पुलिस ने स्थानीय बदमाशों से पूछताछ के साथ-साथ वकील के मोबाइल के कॉल रिकॉर्ड और घटना के समय उस क्षेत्र में सक्रिय स्थानीय फोन नंबरों का भी विश्लेषण शुरू कर दिया है।

मोइजुद्दीन हत्याकांड की एसआईटी जांच की मांग

बीआरएस ने साधा सरकार पर निशाना

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस लीगल सेल ने वरिष्ठ अधिवक्ता ख्वाजा मोइजुद्दीन की हत्या की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने की मांग की है। रविवार को तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिवक्ता मुखीद ने आरोप लगाया कि पुलिस को बार-बार जान से मारने की धमकियों की सूचना दिए जाने के बावजूद मोइजुद्दीन को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि इस हत्या ने वकालत के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है और पुलिस थानों में विशेष परामर्श कक्षों सहित अधिवक्ताओं के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों की मांग की।

बीआरएस लीगल सेल के सदस्य सी. कल्याण राव और ललिता रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। उन्होंने हाल ही में वकीलों पर हुए हमलों और अन्य हाई-प्रोफाइल हत्याओं का हवाला देते हुए कहा कि मोइजुद्दीन वक्फ भूमि की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। उन्होंने सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया और कहा कि वकीलों पर हमले न्यायिक प्रणाली पर हमले के समान हैं। बीआरएस ने मोइजुद्दीन के बेटे फरहान सहित पूरे परिवार को तत्काल पुलिस सुरक्षा देने की मांग की और परिवार को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया। संगठन ने त्वरित न्यायालय के माध्यम से आरोपियों की शीघ्र सुनवाई और कड़ी सजा की भी मांग की है।

भीषण गर्मी और लू से छह लोगों की मौत

आदिलाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले में भीषण गर्मी और लू के कारण पिछले 24 घंटों में अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों में दहशत का माहौल है। दांडेपल्ली तहसीलदार कार्यालय में रिकॉर्ड सहायक के रूप में कार्यरत नरेश (29) शनिवार को लू लगने से बीमार पड़ गए थे। उन्हें मंचरियाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भैंसा कस्बे के एनुबोथुला बाबन्ना (52) और सत्वे शंकर (50) की भी लू लगने से मौत हो गई। दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और काम के दौरान बेहोश हो गए थे। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महाराष्ट्र निवासी मानसिक रूप से विकलांग बिलाल फरीक (40) की इंद्रावल्ली मंडल में लू लगने से मौत हो गई। वहीं आदिलाबाद के रामबार क्षेत्र में एक 70 वर्षीय अज्ञात महिला की निर्जलीकरण के कारण मृत्यु हो गई। मंचरियाल कस्बे की रेड्डी कॉलोनी निवासी रामागिरी पुलम्मा (78) की भी लू के कारण जान चली गई।

जिले में शनिवार को सिरपुर मंडल में सबसे अधिक 46.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कासीपेट में 46.4 डिग्री, खानपुर में 46.3 डिग्री और इंद्रावल्ली मंडल में 45.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

दस्तावेज न होने से बहरीन में फंसा था तेलंगाना का परिवार, अब लौटा स्वदेश

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन्म प्रमाण पत्र न होने और वित्तीय कठिनाइयों के कारण बहरीन में फंसे तेलंगाना के एक परिवार को आखिरकार स्वदेश लौटने का मौका मिला। कामारेड्डी जिले का एक प्रवासी 2017 में अपनी पत्नी और एक बेटी को तीन महीने के विजिट वीजा पर बहरीन लाया था, लेकिन वीजा समाप्त होने के बाद भी परिवार वहीं रहता रहा। 2018 में बहरीन के एक अस्पताल में दूसरी बेटी का जन्म हुआ, परंतु पिता ने भारतीय दूतावास में जन्म पंजीकरण नहीं कराया। इससे उस बच्ची का कोई आधिकारिक दस्तावेज नहीं बन सका और कानूनी तौर पर उसका अस्तित्व ही नहीं था।

व्यापार में घाटे और कानूनी मामलों में उलझने के बाद प्रवासी को गिरफ्तार कर भारत भेज दिया गया। पति के जाने के बाद महिला और उसकी दोनों बेटियां बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष करती रहीं। वीजा समाप्त होने और छोटी बेटी के पास किसी भी तरह का दस्तावेज न होने के कारण परिवार की वापसी लंबे समय तक अटकी रही। भारतीय नागरिकता अधिनियम के अनुसार विदेश में जन्मे बच्चे का पंजीकरण एक वर्ष के भीतर दूतावास में कराना अनिवार्य है, अन्यथा गृह मंत्रालय की अनुमति लेनी पड़ती है। दूतावास ने आवेदन गृह मंत्रालय को भेजा और विधिवत प्रक्रिया पूरी होने के बाद बच्ची को पासपोर्ट जारी किया गया। ओवरस्टे का जुर्माना भी दूतावास की सहायता से भरा गया। भारतीय दूतावास, आईसीआरएफ और तेलुगु कला समिति के सहयोग से शनिवार को महिला और उसकी दोनों बेटियां हैदराबाद के लिए रवाना हो गईं।

शराब पीकर वाहन चलाने पर 227 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत के दौरान चलाए गए विशेष अभियान में शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में 227 लोगों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार पकड़े गए लोगों में 185 दोपहिया वाहन चालक, 12 तिपहिया वाहन चालक, 29 चारपहिया वाहन चालक और एक भारी वाहन चालक शामिल हैं। जांच के दौरान 10 लोगों के रक्त में अल्कोहल की मात्रा निर्धारित सीमा से काफी अधिक पाई गई। सभी आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कर लिए गए हैं और उन्हें अदालत में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रीपेड बिजली मीटर लागू कर मुफ्त बिजली खत्म करना चाहती है सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर किसानों के लिए मुफ्त बिजली समाप्त करने और बिजली क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने घरेलू और कृषि कनेक्शनों में प्रीपेड बिजली मीटर लगाने की योजना का विरोध करते हुए लोगों से इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। अंबरपेट में आयोजित पार्टी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मौजूदा बिजली मीटरों को प्रीपेड मीटरों से बदलने का फैसला किया है। उनका आरोप है कि सरकार बिजली क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने और आगे चलकर पूरे संचालन को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है।

केटी रामाराव ने कहा कि किसानों की कृषि मोटरों में मीटर लगाकर मुफ्त बिजली योजना खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने केंद्र सरकार के दबाव के बावजूद प्रीपेड मीटर लागू नहीं होने दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अगले तीन महीनों में प्रीपेड मीटर लगाने की तैयारी कर रही है। साथ ही लोगों से कांग्रेस से राजनीतिक दूरी बनाने की अपील की। पूर्व मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और चुनावी वादे पूरे नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने हैदराबाद में हाइड्रा के नाम पर किए जा रहे मकानों के ध्वस्तीकरण की आलोचना करते हुए कहा कि इससे हजारों गरीब परिवार प्रभावित हो रहे हैं। केटी रामाराव ने मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना और प्रस्तावित फ्यूचर सिटी योजना को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नई परियोजनाओं के बड़े दावे कर रही है, जबकि शहर की बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी हो रही है। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि बीआरएस जल्द ही डिजिटल सदस्यता अभियान और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगी।

आज से कृषि मंडियों का तीन दिवसीय दौरा करेंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव किसानों से मुलाकात करने के लिए 25 मई से तीन दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों की उपज की खरीद में हो रही देरी के कारण किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर वे विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष क्षेत्र के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद् सदस्यों के साथ कृषि बाजार समितियों (मार्केट यार्ड) का दौरा करेंगे और किसानों से सीधे बातचीत कर धान बिक्री तथा खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं की जानकारी लेंगे। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार किसानों से धान खरीदने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने किसानों का एक-एक दाना खरीदने का वादा किया था, लेकिन सरकार अपने वादे को निभाने में असफल रही और किसानों को गुमराह कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आठ कृषि मंडियों का दौरा करेंगे। उनका दौरा तंडूर कृषि मार्केट यार्ड से शुरू होगा। इसके बाद वे गजवेल, भोंगीर, वारंगल, भूपालपल्ली, कतराम, मंथनी और पेद्दापल्ली कृषि मंडियों का दौरा करेंगे। दौरे के पहले दिन 25 मई को वे गजवेल में रात्रि विश्राम करेंगे। 26 मई को भूपालपल्ली में रुकेंगे, जबकि 27 मई को दौरा समाप्त करने के बाद पेद्दापल्ली में रात्रि विश्राम करेंगे।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

करीमनगर, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रामकृष्ण कॉलोनी के बाहरी क्षेत्र में एलएमडी के पास एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान सदाशिवपल्ली निवासी जस्ती श्रीनिध के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने शव को पेड़ से लटका देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक के हाथ रस्सी से बंधे हुए पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। संदेह है कि युवक की हत्या के बाद शव को पेड़ से लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

सिद्दिपेट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चार दिवसीय कार्यशाला 27 मई से

सिद्दिपेट, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों को बदलती तकनीक और नई जानकारी से जोड़ने के उद्देश्य से यहां के बीसी स्टडी सर्कल ने 27 मई से कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। संस्थान के अनुसार तकनीक आज घर और कार्यस्थल दोनों जगह मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान देने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

दसवीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक के विद्यार्थी इस कार्यशाला में पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए 94902 43095 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

सिद्दिपेट के विधायक टी हरीश राव ने जिले के विद्यार्थियों से इस अवसर का लाभ उठाने और अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराने की अपील की है।

सिद्दिपेट में मिली काकतीय सम्राट गणपतिदेव और उनकी पत्नी की दुर्लभ मूर्ति

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इतिहासकारों ने सिद्दिपेट जिले के बेजंकी मंडल स्थित तोतापल्ली गांव में काकतीय सम्राट गणपतिदेव और उनकी पत्नी सोमालादेवी को दर्शाने वाली एक दुर्लभ मूर्ति की पहचान की है। पुरातत्वविद ई. शिवनागिरेड्डी और कोठा तेलंगाना चरित्र बृंदम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने विरासत संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के दौरान इस मूर्ति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शिला पर बनी तीनों आकृतियां काकतीय काल की विशिष्ट शैली को दर्शाती हैं। इतिहासकारों के अनुसार मूर्ति में गणपतिदेव को शिवभक्त के रूप में दिखाया गया है। उनके सिर पर विशेष मुकुट और शरीर पर रुद्राक्ष की माला दिखाई गई है, जबकि उनकी पत्नी सोमालादेवी पारंपरिक केश सज्जा में नजर आती हैं। दोनों अपने राजगुरु विश्वेश्वर शिवाचार्य के मार्गदर्शन में शिवलिंग की पूजा करते हुए दर्शाए गए हैं। इतिहासकारों ने बताया कि मूर्तियों के ऊपर बनी शाही छतरियां राजसी वैभव का प्रतीक हैं, जिससे उनकी पहचान करने में मदद मिली। लगभग तीन वर्ग फुट की ग्रेनाइट शिला पर उकेरी गई ये मूर्तियां और त्रिकुट मंदिर काकतीय स्थापत्य शैली के महत्वपूर्ण उदाहरण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहला अवसर है जब तेलंगाना में काकतीय सम्राट गणपतिदेव और उनकी पत्नी की मूर्तियों की स्पष्ट पहचान की गई है।

प्रेम संबंध के चलते पति की हत्या, पत्नी और प्रेमी पर आरोप

संगारेड्डी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में कथित विवाहेतर संबंध के चलते एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर शव को खेत में दफना दिया। पुलिस के अनुसार गंगापुर गांव निवासी कल्पना ने 16 मई को अपने पति मुथ्यम रेड्डी की हत्या कर दी। हत्या में उसका कथित प्रेमी घैनी पंडारी उर्फ चिंटू भी शामिल था। दोनों ने शव को मनूर मंडल के येल्गोई गांव स्थित एक खेत में दफना दिया।

हत्या के बाद कल्पना ने 17 मई को नारायणखेड़ पुलिस थाने में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ, जिसके बाद पूछताछ में पूरे मामले का खुलासा हुआ। बताया गया है कि कल्पना एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, जबकि मुथ्यम रेड्डी बोरवेल मैकेनिक का काम करते थे। दोनों की शादी वर्ष 2012 में हुई थी और उनकी दो छोटी बेटियां हैं। पुलिस के अनुसार चिंटू और कल्पना के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। मुथ्यम रेड्डी ने इस संबंध को लेकर पत्नी को चेतावनी भी दी थी। पुलिस अब खेत से शव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में जुटी है और मामले की आगे जांच की जा रही है।

परियोजना पायलट आधार पर पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में शुरू : नागीरेड्डी

यात्रियों की सुरक्षा के लिए हाई-टेक सुरक्षा कवच लेकर आया टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए एक नई और अत्याधुनिक पहल शुरू की है। दुर्घटनाओं, चोरी और असामाजिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से निगम ने बसों में हाई-टेक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली लगाने का निर्णय लिया है। निगम के प्रबंध निदेशक नागीरेड्डी ने इस योजना को लागू करते हुए बसलो भरोसा नामक विशेष सुरक्षा परियोजना की शुरूआत की है। यह परियोजना फिलहाल पायलट आधार पर पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में शुरू की गई है। इस योजना के तहत आदिलाबाद क्षेत्र में चलने वाली लगभग 175 बसों में उन्नत सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे बस के भीतर हर हिस्से को कवर करते हैं, चालक कक्ष, महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें, फुटबोर्ड क्षेत्र से लेकर अंतिम सीट तक ताकि यात्रा के दौरान हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा सके। इन कैमरों से प्राप्त लाइव फुटेज को चालक और परिचालक के साथ-साथ निगम के नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) से भी लगातार मॉनिटर किया जा सकता है। इस व्यवस्था से संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखने और किसी भी अप्रिय घटना या दुर्घटना की स्थिति में सटीक साक्ष्य उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। निगम का कहना है कि इस प्रणाली का उद्देश्य महिला यात्रियों के साथ छेड़छाड़, चोरी और अनुचित व्यवहार जैसी घटनाओं पर रोक लगाना है। विशेषकर रात में अकेली यात्रा करने वाली महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक इस पहल से अधिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। निगम प्रबंधन के अनुसार, आदिलाबाद में इस पायलट परियोजना के सफल परिणामों के आधार पर भविष्य में राज्य के सभी डिपो की बसों में इस सुरक्षा प्रणाली को लागू करने की योजना बनाई जा रही है। यात्रियों ने भी निगम के इस तकनीकी और सुरक्षा-आधारित कदम की सराहना की है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.